वार्षिक प्रतिवेदन
2024-25

केंद्रीय लुग्दी एवं
कागज़ अनुसंधान संस्थान

National Accreditation Board for
Testing and Calibration Laboratories

CERTIFICATE OF ACCREDITATION

PAPER TESTING LABORATORY AND ENVIRONMENT MANAGEMENT DIVISION, CENTRAL PULP AND PAPER RESEARCH INSTITUTE

has been assessed and accredited in accordance with the standard

ISO/IEC 17025:2017

"General Requirements for the Competence of Testing & Calibration Laboratories"

for its facilities at

PAPER MILL ROAD, HIMMAT NAGAR, SAHARANPUR, UTTAR PRADESH, INDIA

in the field of

TESTING

Certificate Number: TC-8658

Issue Date: 19/09/2024 **Valid Until:** 18/09/2026

This certificate remains valid for the Scope of Accreditation as specified in the annexure subject to continued satisfactory compliance to the above standard & the relevant requirements of NABL.
(To see the scope of accreditation of thislaboratory, you may also visit NABL website www.nabl-india.org)

Name of Legal Entity: CENTRAL PULP AND PAPER RESEARCH INSTITUTE

Signed for and on behalf of NABL

N. Venkateswaran
Chief Executive Officer

वार्षिक प्रतिवेदन 2024-25

केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान

भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत सोसायटी अधिनियम के तहत पंजीकृत एक स्वायत संगठन

अनुक्रमणिका

निदेशक की कलम से	1-3
केंद्रीय एबं कागज अनुसंधान संस्थानः एक परिचय	4-10
भारतीय कागज उद्योग – एक सिंहावलोकन 2024–25	11-24
प्रमुख उपलब्धियां	25-35
अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां	36-46
लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योगों द्वारा प्रायोजित परियोजना	47-51
तकनीकी और परामर्श सेवाएं	52-62
बैठकें आयोजित/आयोजित	63-72
कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित	73-77
सेमिनार, कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता	78-83
प्रस्तुत शोध पत्र और दिए गए व्याख्यान	84-88
बाहरी समितियों में प्रतिनिधित्व	89-92
प्रकाशन	93
प्रतिवेदन	94-98
कागज मिलों और अन्य संगठनों का दौरा	99-108
एम् एस सी और पीएचडी पाठ्यक्रम गतिविधियाँ	109-110
राष्ट्रीय दिवस एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन	111-115
स्वच्छता ही सेवा और विशेष अभियान ४.0	116-121
केन्द्रीय लुग्दी एबं कागज अनुसंधान संस्थान की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी)	122-123
सतर्कता जागरूकता सप्ताह	124-127
सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम २००५	128-129
वित्तीय रिपोर्ट	131-151
कर्मचारियों की सूची	152-154

निदेशक की कलम से

मुझे केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान (सीपीपीआरआई) की वार्षिक रिपोर्ट २०२४-२५ को प्रस्तुत करते हुये अत्यंत गर्व हो रहा है, जो यह दर्शाती है कि संस्थान ने स्वयं को अपने ही उत्कृष्ट प्रदर्शन द्वारा पीछे छोड़ दिया है। संस्थान ने लुग्दी, कागज़ और सहायक क्षेत्रों में अनुसंधान, नवाचार तथा निर्माण क्षमता को बढ़ावा देने के अपने मिशन को राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता, संसाधन दक्षता और मूल्य संवर्धन से जुड़े लक्ष्यों के अनुरूप आगे बढ़ाया है।

वित्त वर्ष २०२४-२५ के दौरान, सीपीपीआरआई ने अनुसंधान एवं विकास के विविध क्षेत्रों में व्यापक पहल की, जिनमें तकनीकी सेवाएँ, उत्पाद विकास, परीक्षण, प्रशिक्षण और शैक्षिक कार्यक्रम शामिल हैं। उल्लेखनीय रूप से, लुग्दी, कागज़ एवं सहायक उद्योग विकास परिषद (डीसीपीपीएआई) द्वारा विभिन्न विषयगत क्षेत्रों में दस नई परियोजनाओं को अनुमोदित किया गया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य क्षेत्र-विशिष्ट चुनौतियों के समाधान हेतु उद्योग को लक्षित सहयोग प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त, पाँच जारी पीबीएस परियोजनाओं ने अधोसंरचना विकास और संस्थागत प्रदर्शन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस वर्ष की एक प्रमुख उपलब्धि पीसीपीबी प्रभाग द्वारा बाँस से उच्च-शुद्धता वाली अल्फा लुग्दी का उत्पादन है। चूँकि बाँस भारत में दीर्घ-रेशा लुग्दी का प्रमुख स्रोत है, यह कार्य स्वच्छता उत्पादों हेतु अल्फा सेल्यूलोज को फ्लफ लुग्दी में परिवर्तित करने सहित सतत मूल्यवर्धित अनुप्रयोगों के लिए अत्यधिक संभावनाओ को दर्शाता है। इस अनुसंधान पर आधारित एक तकनीकी शोधपत्र "एडवांसेस इन बैम्बू साइंस" नामक पत्रिका (एल्जेबियर द्वारा प्रकाशित) में प्रकाशन हेतु स्वीकृत कर लिया गया है।

पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को सहयोग प्रदान करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसके अंतर्गत गंगा एवं यमुना नदी बेसिन में स्थित १४३ अत्यधिक प्रदूषक उद्योगों की निगरानी की गई। प्रभाग ने सफलतापूर्वक अपनी एनएबीएल मान्यता का नवीनीकरण किया और कई प्रवीणता परीक्षण कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी विश्लेषणात्मक क्षमताओं को सुदृढ़ किया। प्रभाग ने भारतीय लुग्दी एवं कागज़ उद्योग के लिए चार्टर ३.० के विकास में तकनीकी योगदान भी दिया और एक तृतीय पक्ष अंकेक्षण को भी संपन्न किया।

जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग ने एयरेटेड स्टैटिक बेड बायोरिएक्टर और स्टेनलेस स्टील जैकेटेड रिएक्टर से सुसज्जित एक पायलट-स्तरीय संयंत्र की स्थापना की, ताकि जैव-लुग्दीकरण, जैव-डीइंकिंग और एंजाइमेटिक हाइड्रोलिसिस के अध्ययनों को संबल दिया जा सके। इसके अतिरिक्त, जैव-लुग्दीकरण के उन्नत अनुसंधान हेतु १५ लिग्नोलिटिक कवक उपभेदों को पृथक किया गया।

जैव शोधनालय प्रभाग ने जैव द्रव्य प्रासंस्करण और काला द्राव परीक्षण हेतु अत्याधुनिक अवसंरचना के विकास में उल्लेखनीय प्रगति की। सीपीपीआरआई की जैव शोधन क्षमताओं को और सशक्त करने का कार्य प्रगति पर है।

हमें यह बताते हुए भी गर्व है कि सीपीपीआरआई के वैज्ञानिकों को कई प्रतिष्ठित मंचों पर संस्थान का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामित किया गया, जिनमें नीति आयोग की बांस मूल्य श्रृंखला के विकास के लिए रणनीति पर विशेषज्ञ समिति, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की समितियाँ, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) और सीपीसीबी की चार्टर ३.० के निर्माण हेतु समितियाँ आदि शामिल हैं।

मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में, सीपीपीआरआई कौशल संवर्द्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर दृढ़ रहा। एक प्रमुख उपलब्धि नियमित वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रशासनिक कार्मिकों की नियुक्ति रही, जिससे कुल जनशक्ति १९ से बढ़कर ४४ हो गई।

संस्थान ने पाँच प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया, जिनमें उद्योगिनी हेतु हस्तनिर्मित संवेष्टन सामग्री पर एक विशेष कार्यशाला भी शामिल थी, साथ ही १९ स्नातक एवं स्नातकोत्तर शोध प्रबंधों का मार्गदर्शन भी किया।

इस वर्ष के दौरान एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे राष्ट्रीय हितधारकों के साथ सीपीपीआरआई के सहयोग का विस्तार हुआ और संयुक्त अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास तथा क्षमता निर्माण पहलों का मार्ग प्रशस्त हुआ।

हिंदी राजभाषा इकाई ने भी अपनी सक्रिय भूमिका बनाए रखी और सितंबर २०२४ तथा मार्च २०२५ में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की बैठकों का सफल आयोजन किया, जिससे संस्थान की गतिविधियों में राजभाषा के व्यापक क्रियान्वयन को बढ़ावा मिला।

मैं उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव एवं सीपीपीआरआई परिषद संघ (सीओए) के अध्यक्ष श्री अमरदीप सिंह भाटिया, आईएएस द्वारा प्रदत्त मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन के लिए अपनी गहरी तज्ञता व्यक्त करता हूँ। उनका सहयोग संस्थान की प्रगति में अत्यंत सहायक रहा है।

मैं उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के संयुक्त सचिव एवं सीपीपीआरआई की अनुसंधान परामर्श समिति (आरएसी) तथा लुग्दी, कागज़ एवं सहायक उद्योग विकास परिषद (डीसीपीपीएआई) की अनुसंधान संचालन समिति (आरएससी) के अध्यक्ष श्री संजीव, आईआरएस द्वारा प्रदत्त मार्गदर्शन एवं व्यावसायिक नेतृत्व के लिए भी आभार प्रकट करता हूँ। उनके नेतृत्व ने हमारी सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मैं लुग्दी, कागज़ एवं सहायक उद्योग विकास परिषद (डीसीपीपीएआई), सीपीपीआरआई परिषद संघ (सीओए), सीपीपीआरआई अनुसंधान परामर्श समिति (आरएसी), और विकास परिषद की अनुसंधान संचालन समिति (आरएससी–डीसीपीपीएआई) के सभी सदस्यों के मूल्यवान मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए भी हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं विभिन्न मिल संघों भारतीय कागज निर्माता संघ (आईपीएमए), भारतीय समाचारपत्र निर्माता संघ (आईएनएमए), भारतीय कृषि एवं पुनःचक्रित कागज़ मिल संघ (आईएआरपीएमए), भारतीय पुनःचक्रित कागज़ मिल संघ (आईआरपीएमए) तथा अन्य क्षेत्रीय संघों के साथ–साथ लुग्दी, कागज़ एवं सहायक उद्योगों के सभी बहुमूल्य ग्राहकों का भी धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने सीपीपीआरआई द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं परियोजनाओं में निरंतर सहयोग प्रदान किया। ग्राहकों के सहयोग से वर्ष २०२४–२५ के दौरान सीपीपीआरआई ने ३५१.५६ लाख रुपये की आंतरिक राजस्व प्राप्ति (आईआरजी) अर्जित की।

गत वर्ष संस्थान के लिए आशाजनक रहा और निरंतर प्रयासों के माध्यम से इसने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कीं। ये उपलब्धियाँ हमारे वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और मूल्यवान सहयोगियों की निष्ठा एवं सामूहिक प्रयासों का प्रमाण हैं। मैं उनके अटूट समर्पण के लिए हृदय से प्रशंसा करता हूँ। इसके अतिरिक्त, सीपीपीआरआई अनुसंधान, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी प्रसार में उत्कृष्टता प्राप्त करने तथा एक सतत एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धी भारतीय लुग्दी एवं कागज़ उद्योग के निर्माण के अपने दृष्टिकोण पर अडिग रहेगा।

आप सभी के निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद।

डॉ.आशीष कुमार
निदेशक, सीपीपीआरआई

केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान: एक परिचय

सीपीपीआरआई की उत्पत्ति एवं विकास

१९७० के दशक की शुरुआत तक के लुग्दी एवं कागज़ क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास की गतिविधियाँ काफी हद तक उपेक्षित थीं। उस समय तक अधिकांश मिलें जो स्वतंत्रता से पहले और बाद में स्थापित की गई थीं मुख्यत: लकड़ी और बाँस आधारित कच्चे माल के उपयोग के लिए आयातित परंपरिक तकनीकों और उपरकणों पर निर्भर थीं। चूँकि कागज़ और कागज़ पट्ट की माँग अपेक्षाकृत कम थी, इसलिए प्रकिया अनुकूलन, वैकल्पिक कच्चे माल या स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास करने के लिए कोई विशेष प्रोत्साहन नहीं था। इस दिशा में एकमात्र उल्लेखनीय प्रयास भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (पूर्व में वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून) की "सेल्यूलोज़ एवं कागज़ शाखा" द्वारा किया गया था, जो मुख्यत: कागज़ निमार्ण हेतु कच्चे माल के मूल्यांकान पर केंद्रित था।

१९७० के दशक के प्रारंभ में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आरंभ हुआ जब देश को दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ा कागज़ की तेज़ी से बढ़ती माँग और कच्चे माल की कमी। माँग और आपूर्ति के बीच बढ़ते अंतर ने वैकल्पिक कच्चे माल की खोज को अनिवार्य बना दिया। सरकार की सक्रिय पहलों के समर्थन से, इस अवधि में देश के विभिन्न कृषि प्रधान क्षेत्रों में अनेक लघु स्तर की कृषि–आधारित कागज़ इकाइयाँ उभरकर सामने आईं।

स्वदेशी प्रकिया प्रौद्योगिकियों और वैकल्पिक कच्चे माल के वैज्ञानिक मूल्यांकन की बढ़ती आवश्यकता ने "वैकल्पिक कच्चे माल की पहचान" शीषर्क से एक ऐतिहासिक परियोजना की शुरुआत की, जिसे संयुक्त रूप से संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (एफएओ) और भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया। यह परियोजना भारत के लुग्दी एवं कागज़ क्षेत्र में संगठित अनुसंधान और विकास प्रयासों की औपचारिक शुरुआत का प्रतीक थी। १९७५ में लाग हुई इस परियोजना का उद्देश्य कागज़ और समाचारपत्र उत्पादन हेतु उपयुक्त वैकल्पिक कच्चे माल की पहचान करना था। इसने आधुनिक प्रयोगशालाओं और पायलट संयंत्र सुविधाओं की स्थापना के माध्यम से अनुसंधान एवं विकास बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण सुधार भी किया। इस अवधि में उद्योग और अनुसंधान संगठनों से जुड़े कई पेशेवरों को उन्नत देशों में प्रशिक्षित किया गया, जबकि अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने अनुसंधान और विकास रुपरेखा तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस दौरान अर्जित ज्ञान, विशेषज्ञता और सुविधाएँ देश की मूल्यवान राष्ट्रीय संपत्ति बन गईं।

इन संसाधनों को स्थायी रूप से बनाए रखने और संस्थागत रूप देने के महत्व को देखते हुए, भारत सरकार ने ११ नवंबर १९८० को एक समर्पित राष्ट्रीय स्तर के संस्थान की स्थापना की, जिसे केंद्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान (सीपीपीआरआई) नाम दिया गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्था के रूप में गठित सीपीपीआरआई को लुग्दी, कागज़ और

सहायक उद्योगों में अनुसंधान एवं तकनीकी नवाचार को आगे बढ़ाने का दायित्व सौंपा गया।

दशको से, सीपीपीआरआई एक अग्रणी अनुसंधान संगठन के रूप में विकसित हुआ है, जिसके पास अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ और प्रायोगिक संयंत्र सुविधाएँ हैं तथा यह उच्च योग्य, अनुभवी और समर्पित वैज्ञानिक दल द्वारा समर्थित है। संस्थान कच्चे माल के मूल्यांकन से लेकर प्रकिया अनुकूलन और उत्पाद विकास तक पूरी मूल्य श्रृंखला को कवर करने वाली व्यापक अनुसंधान गतिविधियाँ संचालित करता है। उत्कृष्टता की निरंतर खोज के साथ, सीपीपीआरआई ने स्वयं को एक विशिष्ट पहचान दिलाई है और आज यह अग्रणी वैश्विक अनुसंधान संगठनों के समकक्ष खड़ा है।

संस्थान के उद्देश्य

- लुग्दी एवं कागज़ तथा सहायक उद्योगों के लिए तकनीकी और परामर्श सेवाएँ प्रदान करने एवं गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान एवं वैज्ञानिक कार्य करने हेतु उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित होना।
- भारतीय लुग्दी एवं कागज कारखानों की समग्र तकनीकी और पर्यावर्णीय स्थिति, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता और पर्यावर्णीय स्थिरता में सुधार की दिशा में प्रयास करना।
- कागज़ उद्योग में नवीनतम अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी विकास से संबंधित जानकारी का प्रसार करना तथा कागज़ निर्माण के विभिन्न पहलुओं में ज्ञान और कौशल उन्नयन के लिए मिल कर्मियों को प्रशिक्षण देना।

विज़न

सीपीपीआरआई को एक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित करना, जो लुग्दी एवं कागज़ आधारित अनुसंधान, परीक्षण, तकनीकी एवं परामर्श सेवाओं, प्रशिक्षण और शैक्षणिक गतिविधियों पर केंद्रित हो, ताकि भारतीय कागज़ उद्योग को सतत और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके।

मिशन

लुग्दी एवं कागज उद्योग में अधिक स्वच्छ उत्पादन, संसाधन संरक्षण तथा गुणात्मक उत्कृष्टता में।

गुणवत्ता नीति

सीपीपीआरआई स्वयं को एक अग्रणी अनुसंधान संस्थान के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबिद्ध है, जो भारत और विदेश दोनों में लुग्दी एवं कागज़ उद्योग पर केंद्रित है। एक गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली, जो आई.एस.ओ. ९००१ :२००० की आवश्यकताओं को पूरी करती है, स्थापित की गई है ताकि गुणवत्ता उद्देश्यों की प्राप्ति द्वारा इस नीति को साकार किया जा सके। प्रबंधन और कर्मचारी "पहली बार में सही... प्रत्येक बार..." के सिद्धांत पर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि पूर्ण ग्राहक संतुष्टि सुनिश्चित हो सके। यह प्रतिबद्धता सुधार और ग्राहक संतुष्टि के प्रति संस्थागत समर्पण को दर्शाती है। सीपीपीआरआई और इसके कर्मचारी निम्न बिंदओुं पर प्रतिबद्ध है–

1. आई.एस.ओ. ९००१ : २०१५ और आई.एस.ओ./आई.ई.सी./१७०२५:२०१७ की आवश्यकताओं को पूरा करने वाली गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली को बनाए रखना।
2. संबंधित गुणवत्ता प्रणालियों का ज्ञान बनाए रखना और उन्हें अपने कार्यों में लाग करना।
3. सभी संबंधित गतिविधियों को कुशलता से, निष्पक्षता बनाए रखते हुए संपन्न करना।
4. उत्कृष्टता के प्रति अडिग रहना और सभी गतिविधियों में निष्पक्षता बनाए रखना।

संगठन संरचना

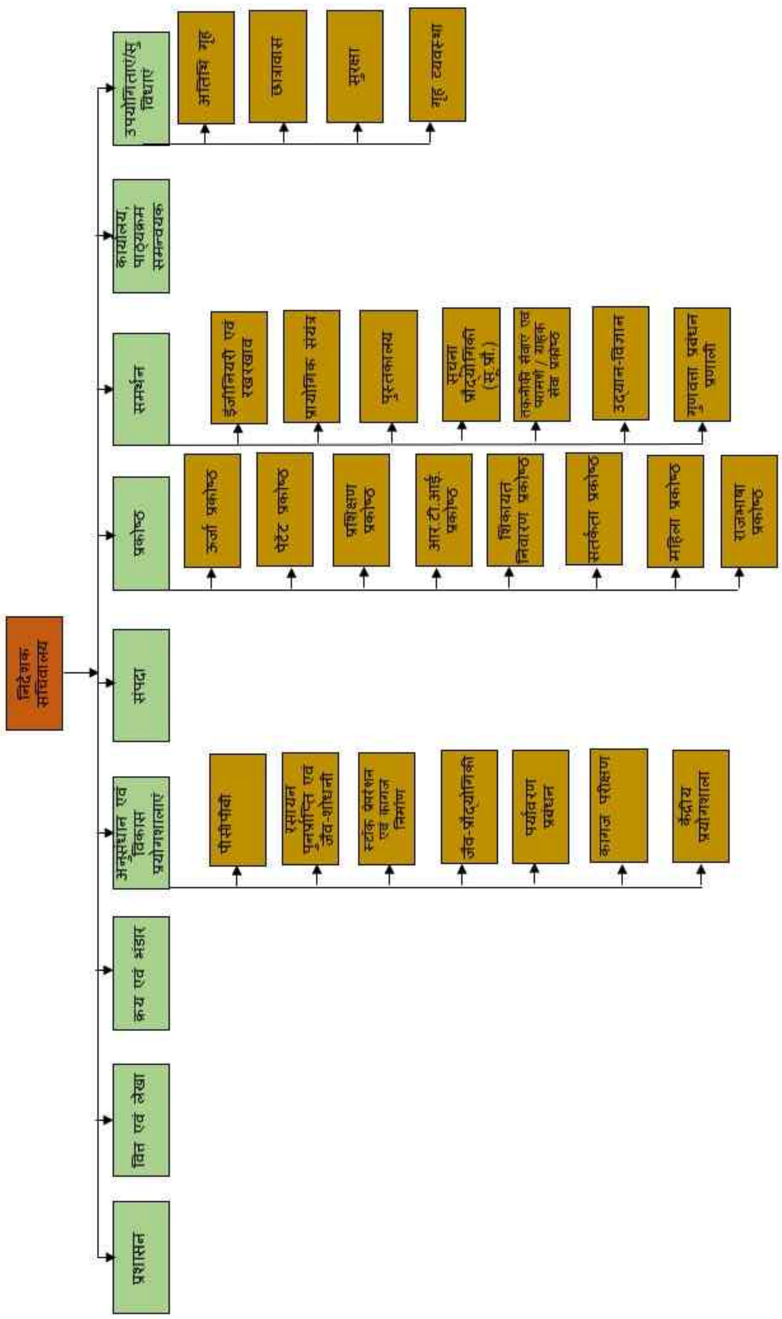

अवसंरचना

संस्थान का परिसर हरे–भरे वातावरण में स्थित है और इसका कुल क्षेत्र १०३.७४ एकड़ है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- मुख्य भवन, जिसमें प्रशासनिक खंड एवं दो प्रयोगशाला खंड सम्मिलित हैं।
- प्रायोगिक संयंत्र
- पुस्तकालय एवं प्रलेखन केंद्र
- छात्रावास एवं अतिथि गृह इत्यादि
- ६९ आवासीय क्वार्टरों वाला आवासीय परिसर।

संस्थान लुग्दी एवं कागज निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएँ प्रदान करता है और निम्नलिखित प्रभागों के माध्यम से कागज उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करता है :

- भौतिक रसायन, लुग्दीकरण एबं बिरंजनीकरण
- स्टॉक तैयारी एवं कागज निर्माण
- कागज़ परीक्षण एवं ऊर्जा प्रबंधन
- रासायनिक पुन:प्राप्ति एवं जैव शोधन्शाला
- जैव प्रौद्योगिकी
- पर्यावरण प्रबंधन
- पुस्तकालय एवं प्रलेखन केंद्र
- अभियांत्रिकी एवं रखरखाव

ये सभी प्रभाग अत्याधुनिक उपकरणों और सुविधाओं से सुसज्जित हैं ताकि गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान कार्य किया जा सके और लुग्दी, कागज एवं सहायक उद्योगों को तकनीकी सेवाएँ प्रदान की जा सकें।

प्रबंधन

केंद्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान एक स्वायत्त संगठन है, जो सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत है। संस्थान के कार्यकलाप और कार्यप्रणाली एक विधिवत अनुमोदित ज्ञापन पत्र के अनुसार संचालित होते हैं, जिसे समय–समय पर विधिक प्रक्रिया द्वारा संशोधित किया जाता है। सीपीपीआरआई के ज्ञापन पत्र की धारा ६ के अनुसार, संस्थान के कार्यकलापों की ज़िम्मेदारी सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, १८६० की धारा २ के अनुरूप एक शासी निकाय को सौंपी गई है, जिसे अब "सीपीपीआरआई परिषद संघ" (कांउसिल ऑफ एसोसिएशन) कहा जाता है।

परिषद संघ

केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान (सीपीपीआरआई) की परिषद संघ एक सर्वोच्च निकाय है, जिसमें इन संस्थानों और संगठनों के सदस्य सम्मिलित हैं : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), वैज्ञानिक एवं

औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की, भारतीय कागज़ निर्माता संघ (आईपीएमए), भारतीय समाचारपत्र निर्माता संघ (आईएनएमए), भारतीय कृषि एवं पुनर्चक्रित कागज़ मिल संघ (आईएआरपीएमए), भारतीय पुनर्चक्रित कागज़ मिल संघ (आईआरपीएमए) और भारतीय लुग्दी एवं कागज़ तकनीकी संघ (आईपीपीटीए) आदि। भारत सरकार द्वारा सीपीपीआरआई परिषद संघ के अध्यक्ष की नियुक्ति की जाती है। वर्तमान में **श्री अमरदीप सिंह भाटिया, आईएएस,** सचिव, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार इस परिषद के अध्यक्ष हैं।

सीपीपीआरआई परिषद संघ (कांउसिल ऑफ एसोसिएशन) के सदस्य		
क्रम सं.	**पदनाम**	**स्थिति**
1	सचिव, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार	अध्यक्ष
2	संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
3	निदेशक / उप सचिव (आईएफ प्रकोष्ठ), डीपीआईआईटी	सदस्य
4	अध्यक्ष, लुग्दी , कागज़ एवं सहायक उद्योग विकास परिषद, भारत सरकार	सदस्य
5	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार के प्रतिनिधि	सदस्य
6	वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), नई दिल्ली के प्रतिनिधि	सदस्य
7	आईआईटी रुड़की (सहारनपुर परिसर) के प्रतिनिधि, कागज प्रौद्योगिकी विभाग	सदस्य
8	भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई), देहरादून	सदस्य
9	ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, आईआईटी दिल्ली के विभागाध्यक्ष	सदस्य
10	पर्यावरण इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी कानपुर	सदस्य
11	भारतीय कागज़ निर्माता संघ (आईपीएमए) के अध्यक्ष या उनके प्रतिनिधि	सदस्य
12	भारतीय समाचारपत्र निर्माता संघ (आईएनएमए) के अध्यक्ष या उनके प्रतिनिधि	सदस्य
13	भारतीय कृषि एवं पुनःचक्रण कागज़ मिल संघ (आईएआरपीएमए) के अध्यक्ष या उनके प्रतिनिधि	सदस्य
14	भारतीय पुनःचक्रण कागज़ मिल संघ (आईआरपीएमए) के अध्यक्ष या उनके प्रतिनिधि	सदस्य
15	भारतीय लुग्दी एवं कागज़ तकनीकी संघ (आईपीपीटीए) के अध्यक्ष या उनके प्रतिनिधि	सदस्य
16	कागज़ मशीनरी निर्माता (वायर्स एंड फैब्रिक्स एस.. लिमिटेड, कोलकाता) के अध्यक्ष या प्रतिनिधि	सदस्य
17	निदेशक, केंद्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान, सहारनपुर	सदस्य सचिव

अनुसंधान परामर्श समिति

केंद्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान (सीपीपीआरआई) की अनुसंधान परामर्श समिति में प्रमुख वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञों और निम्न संगठनों के प्रतिनिधियों को सम्मिलित किया गया है – उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकारय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी); वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर); भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई); भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की आदि।

यह समिति डीपीआईआईटी के परियोजना आधारित सहायता (पूर्व में पंचवर्षीय योजना परियोजनाएँ) के अंतर्गत संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी करती है। वर्तमान में श्री संजीव, आईआरएस, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार इस समिति के अध्यक्ष हैं।

सीपीपीआरआई अनुसंधान परामर्श समिति के सदस्य		
क्रम सं.	पदनाम	स्थिति
1	अतिरिक्त सचिव / संयुक्त सचिव (कागज़ प्रभारी), डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार	अध्यक्ष
2	निदेशक/उप सचिव/(आईएफ प्रकोष्ठ), डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार	सदस्य
3	निदेशक / वरिष्ठ विकास अधिकारी / उप सचिव (कागज़), डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार	सदस्य
4	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली के प्रतिनिधि	सदस्य
5	वन अनुसंधान संस्थान (आईसीएफआरई), देहरादून की सेल्यूलोज एवं कागज़ शाखा के प्रमुख	सदस्य
6	कागज़ प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष, आईआईटी रुड़की (सहारनपुर परिसर)	सदस्य
7	केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दिल्ली के प्रतिनिधि	सदस्य
8	सीएसआईआर राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के केंद्रीय प्रमुख	सदस्य
9	राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रुड़की के प्रतिनिधि	सदस्य
10	सीआरडीटी, आईआईटी दिल्ली के प्रमुख / प्रतिनिधि	सदस्य
11	भारतीय कागज निर्माता संघ (आईपीएमए), नई दिल्ली के अध्यक्ष या प्रतिनिधि	सदस्य
12	भारतीय कृषि एवं पुनःचक्रण कागज़ मिल संघ (आईएआरपीएमए), नई दिल्ली	सदस्य
13	भारतीय पुनःचक्रण कागज़ मिल संघ (आईआरपीएमए), दिल्ली	सदस्य
14	भारतीय समाचारपत्र निर्माता संघ (आईएनएमए), नई दिल्ली	सदस्य
15	भारतीय लुग्दी एवं कागज़ तकनीकी संघ (आईपीपीटीए), सहारनपुर	सदस्य
16	निदेशक / प्रभारी निदेशक, सीपीपीआरआई, सहारनपुर	सदस्य सचिव

कर्मचारी

३१ मार्च २०२५ तक, सीपीपीआरआई की मुख्य दल में कुल २६ वैज्ञानिक कर्मचारी, १३ तकनीकी कर्मचारी और ०५ प्रशासनिक एवं वित्तीय कर्मचारी (निदेशक सहित) शामिल थे।

सीपीपीआरआई कार्मिक लुग्दी, कागज़ एवं सहायक उद्योगों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ, समर्थन और सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। वैज्ञानिक दल अत्यधिक योग्य है और कागज़ निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कच्चे माल की तैयारी, लुग्दीकरण एवं बिरंजनीकरण, स्टॉक तैयारी और कागज़ निर्माण, कागज़ परीक्षण, रासायनिक पुन:प्राप्ति, ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण प्रबंधन, जैव प्रौद्योगिकी, उत्पाद विकास, गुणवत्ता नियंत्रण, नीतिगत मामलों आदि में व्यापक अनुभव रखता है। स्थायी कर्मचारियों की सूची एवं उनकी योग्यताएँ इस प्रतिवेदन के परिशिष्ट में दी गई हैं।

भारतीय कागज़ उद्योग एक सिंहावलोकन (२०२४ २५)

कागज़ सबसे पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों में से एक है क्योंकि यह जैव अपघटनीय, पुन:चक्रणीय है और नवीकरणीय एवं सतत स्रोतों से बनाया जाता है। कागज़ को ६–७ बार तक पुन:चक्रित किया जा सकता है, जिससे यह दुनिया के सबसे अधिक पुन:चक्रित उत्पादों में से एक बन जाता है।भारतीय कागज़ उद्योग का संबंध देश के साक्षरता, हरित भारत, ग्रामीण रोज़गार तथा सतत संसाधनों के उपयोग जैसे राष्ट्रीय उद्देश्यों से निकटता से जुड़ा हुआ है, साथ ही यह भारतीय उपभोक्ताओं की कागज़ की आवश्यकताओं को भी पूरा करता है।भारत में प्रति व्यक्ति कागज़ की खपत वर्तमान में लगभग १६ किलोग्राम है, जबकि वैश्विक औसत ५७ किलोग्राम है (विकसित देशों में यह २00 किलोग्राम से अधिक है)। भारत में साक्षरता स्तर में वृद्धि, संगठित खुदरा व्यापार की तेज वृद्धि, पैकेजिंग की बढ़ती आवश्यकता और समग्र आर्थिक विकास के साथ प्रति व्यक्ति कागज़ की खपत में समय के साथ वृद्धि होने की संभावना है।भारत में कागज़ की मांग प्रति वर्ष ६–७% की दर से बढ़ रही है, जिससे यह दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक बन गया है। विश्व कागज़ उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी लगभग ५% है (दुनिया का ५वां सबसे बड़ा उत्पादक देश), जिसकी अनुमानित उत्पादन क्षमता वर्ष २०२४–२५ में लगभग २२.५९ मिलियन टन (आईपीएमए के अनुसार) और २४.५८ मिलियन टन (आईएआरपीएमए के अनुसार) कागज़, कागजपट्ट और समाचार पत्र की है।भारत के कागज़ उद्योग का वार्षिक कारोबार लगभग १,00000 करोड़ रुपये से अधिक आँका गया है, जिसमें से लगभग ५000 करोड़ रुपये सरकार के कोष में योगदान के रूप में जाते हैं। यह उद्योग लगभग ५ लाख लोगों को प्रत्यक्ष रोज़गार और लगभग १५ लाख लोगों को परोक्ष रोज़गार प्रदान करता है।यह उद्योग कृषि समुदाय से घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है और कृषि वानिकी पर आधारित है, जिसमें लगभग २0% उत्पादन में लकड़ी को कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाता है।

भारतीय कागज़ उद्योग का वर्गीकरण

आधार: कच्चा माल

कच्चे माल के आधार पर भारतीय कागज़ उद्योग को निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है:

- लकड़ी / बाँस आधारित १८–२0%
- कृषि–अवशेष आधारित – जैसे बगास / गेहूँ का भूसा ५–६%
- पुनर्प्राप्त कागज / पुनर्चक्रित रेशा आधारित ७४–७६%

आधार: तैयार / अंतिम उत्पाद

तैयार या अंतिम उत्पादों के आधार पर उद्योग को निम्नलिखित श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है:

- लेखन एवं मुद्रण कागज–२३%
- पैकेजिंग कागज / कागजपट्ट–६५%
- समाचार पत्र कागज–५%

- विशेष प्रयोजन कागज – जैसे टिश्यू कागज़, सुरक्षा कागज़ आदि – ४%

विभिन्न श्रेणियों के कागजों की वृद्धि २०२३-२४ बनाम २०२४-२५:

भारत में २०२३–२४ और २०२४–२५ के दौरान प्रमुख कागज श्रेणियों का बाजार आकार तथा वृद्धि दर का सारांश निम्नलिखित रूप में प्रस्तुत किया गया है:

भारत का कागज बाजार आकार वर्ष २०२३-२४ और २०२४-२५ तथा वृद्धि दर

कागज़	श्रेणी घरेलू बाजार आकार (मिलियन टन में)		वृद्धि दर (%)
	२०२३-२४	२०२४-२५	
समाचार पत्र कागज	१.१७८	१.१३३	–२.३३
लेखन एवं मुद्रण कागज	५.३२५	५.४६८	३.०५
पैकेजिंग कागज / कागजपट्ट	१४.९३१	१५.५३९	७.६८
कप स्टॉक	०.३५८	०.३८८	८.५०
एम.जी. वेरायटी / पोस्टर	०.२८१	०.२८१	०.३३
टिश्यू कागज	०.३१६	०.३७२	१२.८८
अन्य कागज / कागजपट्ट	०.६५०	०.६५७	१.००
कुल	**२३.०३९**	**२३.८३८**	**५.९७**

जैसा कि संकेत किया गया है, भारत का कागजपट्ट और पैकेजिंग खंड, जो उद्योग के लगभग ६५% योगदान देता है, प्रति वर्ष ७–८% की दर से वृद्धि कर रहा है। टिश्यू कागज खंड, जो स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता से प्रेरित है, सबसे तेजी से बढ़ रहा है – लगभग १२–१३% प्रति वर्ष, इसके बाद कप स्टॉक का स्थान है जो ८–९% प्रति वर्ष की दर से बढ़ रहा है। ये प्रवृत्तियाँ यह दर्शाती हैं कि उद्योग में पैकेजिंग और स्वच्छता से संबंधित कागज श्रेणियों की ओर संरचनात्मक बदलाव हो रहा है।भारत का एफएमसीजी बाजार लगभग 7% की दर से बढ़ने की संभावना के साथ, कागज और पैकेजिंग की मांग में और वृद्धि होने की उम्मीद है।

लेखन और मुद्रण कागज (की मांग ५.३२५ मिलियन टन से बढ़कर ५.४६८ मिलियन टन हो गई, जो लगभग ३% वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाती है। यह खंड शिक्षा और कार्यालय उपयोग से स्थिर बना हुआ है, जिसमें कॉपीयर कागज प्रमुख श्रेणी के रूप में अग्रणी है।

पैकेजिंग कागज और कागजपट्ट खंड में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जो मुख्य रूप से ई–कॉमर्स, एफएमसीजी और भोजन बितरण क्षेत्रों के विस्तार, तथा प्लास्टिक पैकेजिंग से दूरी बनाने की व्यापक प्रवृत्ति के कारण है। कप स्टॉक में वृद्धि खाद्य उद्योग के

सतत विकास के अनुरूप कागज आधारित विकल्पों की ओर परिवर्तन को दर्शाती है। इसी बीच, एम.जी. वेरायटी और पोस्टर कागज जैसे विशिष्ट खंडों में हल्की वृद्धि देखी गई है, जो सजावटी और प्रचारक उपयोगों में स्थिर मांग को इंगित करती है। टिश्यू कागज की खपत में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जो स्वच्छता के प्रति बढ़ती जागरूकता और महामारी के बाद एकल–उपयोग स्वच्छता उत्पादों के अधिक अपनाने को दर्शाती है। जैसा कि संकेत किया गया है, वर्ष के लिए कुल औसत वृद्धि दर लगभग ६% प्रति वर्ष रही है। इस प्रकार, भारतीय कागज उद्योग नवाचार, सतत विकास और बढ़ती उपभोक्ता मांग के सहयोग से देश के बढ़ते और विविधीकृत घरेलू बाजार की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार दिखाई देता है।

भारतीय कागज क्षेत्र में प्रमुख निवेश प्रवृत्तियाँ

आधुनिकीकरण एवं तकनीकी उन्नयन

- हाल के वर्षों में लुग्दी एवं कागज मिलों ने स्वचालन, ऊर्जा दक्ष प्रणालियों और अपशिष्ट जल उपचार तकनीकों में महत्वपूर्ण निवेश किए हैं। उद्योग स्रोतों के अनुसार, पिछले एक दशक में ₹२५,००० करोड़ से अधिक का निवेश आधुनिकीकरण के लिए किया गया है।

सतत विनिर्माण

- भारत के कुल कागज उत्पादन का लगभग ७०–७५% हिस्सा अब पुन:प्राप्त कागज पर आधारित है। निवेश अब परिपत्र अर्थव्यवस्था नमूना, जैसे अपशिष्ट कागज पुन:प्राप्ति अवसंरचना और पर्यावरण–अनुकूल पैकेजिंग समाधान की दिशा में केंद्रित किए जा रहे हैं।

पैकेजिंग में उछाल

- ई–कॉमर्स गतिविधियों में वृद्धि ने क्राफ्ट कागज़, कुरगेटेड बॉक्स और विशेष बोर्डों की भारी मांग को बढ़ावा दिया है। इस मांग को पूरा करने के लिए मिलें उच्च दक्षता वाली पैकेजिंग लाइनों में निवेश कर रही हैं। पैकेजिंग कागज़ खंड में ८.२% की वार्षिक संयुक्त वृद्धि दर से वृद्धि होने की उम्मीद है। कुछ मिलों ने अपने उत्पाद पोर्टफोलियो में कृषि लुग्दी से बने मोल्डेड टेबलवेयर को भी शामिल किया है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

- कागज और लुग्दी (जिसमें कागज उत्पाद शामिल हैं) में एफडीआई प्रवाह अप्रैल २००० से दिसंबर २०२४ के बीच ₹१०,१२७ करोड़ (लगभग यु.एस.डी. १.७४ बिलियन) तक पहुँच गया है। वैश्विक कंपनियाँ जैसे एसआईजी (स्विट्जरलैंड) भारत में निवेश कर रही हैं, जिन्होंने २०२३-२५ के बीच ₹८८० करोड़ निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है।

क्षमता विस्तार

- प्रतिवेदन के अनुसार, १ मिलियन टन से अधिक नई उत्पादन क्षमता जोड़ी जा रही है, जिसमें केवल क्षमता बढ़ाने के बजाय पुरानी तकनीक को बदलने और उत्पादन में अड़चनों को दूर करने पर ज़ोर दिया जा रहा है।
- उद्योग अनुमानों के अनुसार, भारतीय कागज़ उद्योग का आकार यू.एस. डॉलर १४.७५ बिलियन (२०२५) से बढ़कर यू.एस. डॉलर २३.२२ बिलियन (२०२३) होने की उम्मीद है, जिसकी वार्षिक संयुक्त वृद्धि दर (सी. ए.जी.आर.) ९.५% रहने का अनुमान है।

हाल ही में प्रतिवेदन किए गए कुछ नए परियोजना, तकनीकी प्रगति और प्रक्रिया उन्नयन या आधुनिकीकरण पहलें, जो या तो प्रगति पर हैं या पूर्ण हो चुकी हैं, निम्नलिखित हैं:

- महाराष्ट्र सरकार ने एशिया लुग्दी एंड कागज जो इंडोनेशिया की सबसे बड़ी कागज निर्माण कंपनियों में से एक है को रायगढ़, महाराष्ट्र में १.२ मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता वाले प्रमुख कागज निर्माण संयंत्र की स्थापना की मंजूरी दी है।
- क्वांटम पेपर्स लिमिटेड, सैला खुर्द, पंजाब अपनी पुन:प्राप्ति बॉयलर प्रणाली को उन्नत कर रही है ताकि संपूर्ण प्रदर्शन दक्षता में सुधार किया जा सके।
- द आंध्र कागज लिमिटेड, राजमुंदरी, आंध्र प्रदेश टिश्यू कागज मशीन स्थापित करने की योजना बना रही है।
- एन.आर. अग्रवाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, गुजरात ने भारत की सबसे बड़ी पैकेजिंग बोर्ड मशीन स्थापित की है, जिसकी क्षमता ९०० टन प्रति दिन है।
- सतिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुक्तसर, पंजाब अपनी पीएम-३ कागज मशीन, पुन:प्राप्ति बॉयलर, और सामान्य रखरखाव के उन्नयन के लिए ₹४ से ₹४.५ अरब का निवेश कर रही है। इस परियोजना से कंपनी की १८,000-२0,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष रिक्त उत्पादन क्षमता जुड़ने की उम्मीद है।
- ओरिएंट कागज एंड इंडस्ट्रीज, अमलाई, मध्य प्रदेश ने क्षमता विस्तार और दक्षता सुधार परियोजना शुरू की है, जिससे उसकी मौजूदा १00000 टन प्रति वर्ष उत्पादन क्षमता में ८,५00 टन प्रति वर्ष की वृद्धि होगी।
- आंध्र कागज लिमिटेड, राजमुंदरी, आंध्र प्रदेश अपनी कागज मशीन-३ को अपग्रेड और पुन:निर्माण कर रही है, जिससे उत्पादन में ६0 टन प्रति वर्ष की वृद्धि होने की उम्मीद है।

- आंध्र कागज लिमिटेड, राजमुंदरी, आंध्र प्रदेश ने सिद्धांत रूप में १७५,0000 टन प्रति वर्ष क्षमता वाली नई कागजपट्ट मशीन स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है, जिसके लिए लगभग ₹१७५0 करोड़ के निवेश का अनुमान है। (नोट: मूल में "Rs. १७५,000 करोड़" संभवत: टाइपो है, यथार्थ अनुमान ₹ १,७५0 करोड़ माना गया है।)
- आईटीसी–पीएसपीडी, भद्राचलम, तेलंगाना ने अपनी डेकोर कागज उत्पादन क्षमता में २0,000 टन प्रति वर्ष की वृद्धि करने वाली क्षमता संवर्धन परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है।
- पक्का लिमिटेड, अयोध्या, उत्तर प्रदेश में दुनिया की पहली कंपोस्टेबल पैकेजिंग सुविधा अयोध्या में स्थापित कर रही है। यह समूह ग्वाटेमाला में भी एक नया संयंत्र स्थापित कर रहा है, जो उत्तर अमेरिकी बाज़ार की मांग को पूरा करेगा।

भारतीय कागज उद्योग में हाल की तकनीकी प्रवृत्तियाँ

आज का भारतीय कागज़ उद्योग एक सतत उद्योग बन चुका है। हाल के वर्षों में, विशेष रूप से बड़ी एकीकृत लुग्दी और कागज मिलों द्वारा उन्नत तकनीकों को अपनाने में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इन मिलों ने संसाधन एवं प्रक्रिया दक्षता, ऊर्जा दक्षता, उत्पाद गुणवत्ता सुधार तथा उत्पादन लागत में कमी पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। इस तकनीकी उन्नयन के परिणामस्वरूप – ताज़े पानी की खपत में कमी, अपशिष्ट जल उत्सर्जन में कमी, प्रदूषण भार में कमी, तथा लाभप्रदता में वृद्धि हुई है।

कागज़ उद्योग समग्र रूप से प्रक्रिया सुधार, उन्नयन और संसाधन अनुकूलन के प्रयास कर रहा है, ताकि ऊर्जा लागत में वृद्धि, प्रतिस्पर्धात्मकता और सतत विकास से जुड़ी चुनौतियों का समाधान किया जा सके तथा कार्बन पदचिह्न को कम किया जा सके। प्रतिबेदन के अनुसार, पिछले ५–७ वर्षों में भारतीय कागज़ उद्योग द्वारा ₹२५,000 करोड़ से अधिक का निवेश प्रक्रिया उन्नयन, तकनीकी प्रगति और स्वच्छ एवं हरित तकनीकों में किया गया है। इन पहलों के परिणामस्वरूप:नियामक मानकों का बेहतर अनुपालन तथा पानी, भाप और बिजली की खपत में बेंचमार्क स्तरों की प्राप्ति संभव हुई है। भारतीय कागज उद्योग की कृषि वानिकी में गहरी जड़ें हैं और यह किसानों के साथ कच्चे माल की आपूर्ति के लिए मजबूत पश्च–संबंध रखता है। अनुमान के अनुसार, लकड़ी आधारित कागज मिलों की लगभग ९0% लकड़ी की आवश्यकता उद्योग समर्थित कृषि/फार्म वानिकी से पूरी की जाती है। सभी लकड़ी आधारित कागज मिलें स्वयं को "वुड पॉजिटिव" बताती हैं – अर्थात वे जितनी लकड़ी काटती हैं उससे अधिक पेड़ लगाती हैं।

भारतीय कागज उद्योग के समक्ष प्रमुख चुनौतियाँ / खतरे

भले ही भारतीय कागज उद्योग के विकास की संभावनाएँ उज्ज्वल हैं, फिर भी इसके सामने कई संचालनात्मक और नीतिगत चुनौतियाँ हैं, जो समय रहते और रणनीतिक रूप से हल न की जाएँ तो उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता और सततता को प्रभावित कर सकती हैं। कुछ प्रमुख समस्याएँ निम्नलिखित हैं:

कच्चे माल की उपलब्धता

कागज उद्योग ने रोपण अनुसंधान एवं विकास, उच्च गुणवत्ता वाले क्लोनल पौधों के उत्पादन, कृषि वानिकी / फार्म वानिकी सेवाओं में सुधार हेतु तकनीकी सहायता, तथा ४–५ वर्षों की अवधि के लिए सीमांत किसानों के सहयोग पर्याप्त धनराशि व्यय की है। इन प्रयासों से लकड़ी आधारित कागज उद्योग को कच्चे माल की उपलब्धता की समस्या को कुछ हद तक हल करने में सहायता मिली है। हालांकि, यह उद्योग लंबे समय से अविकसित वनभूमि को औद्योगिक वृक्षारोपण के लिए पट्टे पर देने की मांग करता आ रहा है, ताकि कच्चे माल की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। लेकिन मौजूदा नियामक ढांचा और नीतिगत प्रतिबंधों के कारण यह मुद्दा अब तक अनसुलझा है।

भारत के कागज उद्योग की आयातित लकड़ी के चिप्स और अपशिष्ट कागज (अपशिष्ट कागज) पर निर्भरता, साथ ही घरेलू स्तर पर कम अपशिष्ट कागज पुन:प्राप्ति, उद्योग को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है। विश्व स्तर पर औसतन ५८% कागज अपशिष्ट को पुन:चक्रित किया जाता है, जबकि विकसित देशों में यह दर ८०% तक है। इसके विपरीत, भारत घरेलू रूप से बड़ी मात्रा में कागज फेंके जाने के बावजूद अपशिष्ट कागज के आयात पर भारी रूप से निर्भर है। समाचार पत्र और पैकेजिंग कागज की संग्रहण दर क्रमश: लगभग ७०% और ६०% है, जबकि वर्जिन कागज की पुन:प्राप्ति मात्र ४०: के आसपास है। घरेलू अपशिष्ट कागज की गुणवत्ता में लगातार गिरावट भी एक बड़ी चुनौती बन गई है। भारत में कागज के अत्यधिक उपयोग और पुन: उपयोग के कारण उसकी गुणवत्ता घट गई है, जिससे वह पुन:चक्रण के लिए कम उपयुक्त हो गया है और उद्योग को उच्च गुणवत्ता मानकों को पूरा करने के लिए आयात पर अधिक निर्भर होना पड़ रहा है।इस समस्या के समाधान हेतु यह आवश्यक है कि उपभोक्ता उपयोग के बाद के कागज को कचरे की धारा से हटाकर फिर से औद्योगिक उपयोग में लाया जाए। अपशिष्ट कागज की सर्कुलरिटी और पुन:प्राप्ति दर में सुधार न केवल आयात को कम करेगा, बल्कि पर्यावरणीय बोझ को भी घटाएगा और एक सतत एवं आत्मनिर्भर पुन:चक्रण उद्योग को बढ़ावा देगा।

वर्तमान में भारत प्रति वर्ष लगभग ८–९ मिलियन मीट्रिक टन अपशिष्ट कागज आयात करता है, मुख्यत: अमेरिका, यूरोप और मध्य पूर्व से। वैश्विक स्तर पर पुन:चक्रण नीतियों या माल परिवहन में किसी भी प्रकार की बाधा का सीधा प्रभाव कागज उत्पादन लागत पर पड़ता है। इसके अलावा, भारत में संरचित घरेलू अपशिष्ट कागज संग्रहण और वर्गीकरण प्रणाली के अभाव के कारण अपशिष्ट कागज पुन:प्राप्ति दर काफी कम है।

उद्योग का एक प्रमुख भाग पुन: चक्रित रेशा आधारित कागज मिलें हैं (जो कुल उत्पादन का लगभग ७१ –७५% हिस्सा बनाती हैं)। चूंकि यह क्षेत्र आयातित अपशिष्ट कागज पर निर्भर है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपशिष्ट कागज़ की कीमतों में उतार–चढ़ाव इन मिलों की लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। अत: यह आवश्यक है कि घरेलू अपशिष्ट कागज संग्रहण में सुधार लाने के लिए उचित नीतिगत हस्तक्षेप किए जाएं ताकि आयात पर निर्भरता कम हो सके।

बढ़ता हुआ आयात

एक अन्य गंभीर खतरा सस्ते आयात से उत्पन्न हो रहा है, विशेष रूप से चीन, इंडोनेशिया और दक्षिण कोरिया जैसे देशों से आने वाले कोटेड और अनकोटेड कागज के माध्यम से, जो विभिन्न मुक्त व्यापार समझौतों तथा अन्य द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय व्यापार समझौतों के अंतर्गत आते हैं। इन देशों को सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी और कम उत्पादन लागत का लाभ मिलता है, जिससे वे भारत को ऐसे दामों पर कागज निर्यात करते हैं जो भारतीय कागज मिलों की उत्पादन लागत से भी कम होते हैं। इस कारण भारतीय कागज उद्योग, विशेष रूप से न्यूजप्रिंट, कॉपियर और विशेष कागजपट्ट क्षेत्र, गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं।

वाणिज्यिक खुफिया एवं सांख्यिकी महानिदेशालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में वर्ष २०२४-२५ के दौरान प्रमुख कागज आयात ४८०१, ४८०२, ४८०३, ४८०४, ४८०५, ४८०८ और ४८१० लगभग २७.७८ लाख टन रहा।

कागज, कागजपट्ट और न्यूजप्रिंट का निर्यात एवं आयात (वर्ष २०२४-२५) (मात्राः हजार टन में)			
एच.एस. कोड	**उत्पाद विवरण**	**निर्यात**	**आयात**
४८०१	न्यूजप्रिंट	७.३	७२३.१
४८०२	लेखन, मुद्रण या अन्य ग्राफिक कार्यो के लिए बिना कोट किया गया कागज और कागजपट्ट	४०९.८	२९६.९
४८०३	टॉयलेट या फेसियल टिश्यू स्टॉक, तौलिया या नैपकिन स्टॉक	२६.६	२२.९
४८०४	बिना कोट किया गया क्राफ्ट कागज और कागजपट्ट	१७८.९	४३७.७
४८०५	अन्य बिना कोट किए गए कागज और कागजपट्ट	२८०.०	२२५.५
४८०८	कागज और कागजपट्ट, जिन्हें तरंगित, क्रीप्ड, क्रिंकल्ड, उभरा या छिद्रित किया गया हो	३.६	८.४
४८१०	एक या दोनों तरफ कोट किया गया कागज और कागजपट्ट	६२३.३	१०६३.९
	कुल	**१,५२९.५**	**२७७८.४**

भारत द्वारा कागज़ और कागज़पट्ट का आयात मुख्य रूप से चीन, आसियान देशों और दक्षिण कोरिया से किया जाता है, जो कुल आयात का लगभग ५०% हिस्सा है। अगले पृष्ठ पर आंकड़े इस प्रवृत्ति को दर्शाते हैं –

भारत के कागज एवं कागजपट्ट के प्रमुख आयात स्रोत देश–								
	मात्रा (हजार टन में)				मूल्य (₹ करोड़ में)			
वर्ष	कुल	चीन	आसियान	दक्षिण कोरिया	कुल	चीन	आसियान	दक्षिण कोरिया
२०२२–२३	१,४३६.५	३४१.०	२६६.५	८१.७	१२,५३१	३,४३०	२,२६७	७७९
२०२३–२४	१,९२९.१	४११.४	५१४.१	१०३.४	१३,२४८	३,४५५	३,१२२	८११
२०२४–२५	२,०५५.३	५४७.३	४१५.१	९९.४	१४,६२९	४,२९८	२,७८९	८३६
वर्ष–दर–वर्ष वृद्धि (%)	६.५४	३३.०३	–१९.२६	–३.८७	१०.४२	२४.४०	–१०.६७	३.०८
१४ वर्ष की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर	१०.०९	९.४०	२१.००	२१.९२	१०.९६	१४.११	२२.७०	२६.४१

टिप्पणी: उपरोक्त आंकड़ों में HS कोड ४८०२, ४८०३, ४८०४, ४८०५, ४८०८ और ४८१० के अंतर्गत आने वाले उत्पाद शामिल हैं।

जैसा कि ऊपर संकेत किया गया है, वर्ष २०२४–२५ के दौरान भारत द्वारा निर्यात किए गए विभिन्न कागज ग्रेडों में कागज़ एवं कागज़पट्ट (एक या दोनों ओर कोट किया हुआ) (एच एस कोड: ४८१०) ,बिना कोट किया गया लेखन,मुद्रण या अन्य ग्राफिक कार्य हेतु कागज एवं कागजपट्ट (एच एस कोड: ४८०२), अन्य बिना कोट किए गए

कागज़ एवं कागजपट्ट (एच एस कोड: ४८०५), तथा बिना कोट किया गया क्राफ्ट कागज एवं कागज़पट्ट (एच एस कोड: ४८०४) मुख्य रूप से निर्यात किए गए कागज़ ग्रेड रहे, जिनकी मात्रा के आधार पर हिस्सेदारी सबसे अधिक रही। वहीं, मुख्य आयातित कागज़ ग्रेडों में शामिल थे – कागज एवं कागज़पट्ट (एक या दोनों ओर कोट किया हुआ) (एच एस कोड: ४८१०), आखबारी कागज़ (एच एस कोड: ४८०१), बिना कोट किया गया क्राफ्ट कागज़ एवं कागजपट्ट (एच एस कोड: ४८०४), तथा बिना कोट किया गया लेखन, मुद्रण या अन्य ग्राफिक कार्य हेतु कागज एवं कागजपट्ट (एच एस कोड: ४८०२)।

भारत के कागज़ और कागज़पट्ट उद्योग में आयात की बढ़ती प्रवृत्ति पिछले १४ वर्षों में भारत के कागज़ और कागज़पट्ट उद्योग में आयात में लगातार वृद्धि देखी गई है, जो घरेलू निर्माताओं के लिए एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। यह प्रवृत्ति विशेष रूप से एच एस कोड ४८०२, ४८०३, २८०४, ४८०५, ४८०८ और ४८१० के अंतर्गत आने वाले उत्पादों में अधिक दिखाई देती है – जिनमें बिना कोट किए गए लेखन एवं मुद्रण कागज, टॉयलेट टिश्यू, क्राफ्ट कागज़, मल्टी–प्लाई ग्रेड्स और कोटेड वैरायटीज शामिल हैं। यह वृद्धि देश में पर्याप्त उत्पादन क्षमता के बावजूद देखी जा रही है, जिसके कारण घरेलू स्थापित क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है।

वैश्विक व्यापारिक परिस्थितियों का प्रभाव इतिहासत चीन और इंडोनेशिया के कागज़ उद्योगों के मुख्य बाजार अमेरिका और यूरोपीय संघ रहे हैं। लेकिन जब इन देशों ने अपने घरेलू उद्योगों की रक्षा के लिए एंटी–डंपिंग और एंटी–सब्सिडी शुल्क लगाए, साथ ही विकसित एवं निर्यात–आश्रित अर्थव्यवस्थाओं में मंदी आई, तो इन देशों में कागज़ एवं कागज़पट्ट का अधिशेष उत्पादन हो गया। अब ये देश भारत के अपेक्षाकृत कम आयात शुल्क का लाभ उठाकरअपना अधिशेष स्टॉक भारतीय बाजार में डंप कर रहे हैं। विशेष रूप से इंडोनेशियाई कागज़ मिलों को सस्ते वुड रेशा की सुनिश्चित उपलब्धता और सरकारी सब्सिडी से लाभ मिल रहा है, जिससे वे अपने उत्पाद बहुत कम लागत पर भारत में बेच पा रहे हैं। भविष्य की प्रवृत्तियाँ और प्रभावयह आयात प्रवृत्ति चीन की आर्थिक मंदी और चीन व इंडोनेशिया में विकसित हो रही नई कागज़पट्ट उत्पादन क्षमता के कारण आगे भी जारी रहने की संभावना है। साथ ही अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा अपने बाजारों की रक्षा के लिए लगाए गए व्यापारिक प्रतिबंधों और आयात शुल्कों से यह स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसका परिणाम यह हुआ है कि कागज़ और कागज़पट्ट के आयात में तेज वृद्धि कई भारतीय कागज़ मिलों की आर्थिक स्थिरता को बुरी तरह प्रभावित कर रही है और साथ ही सरकार को राजस्व हानि का भी सामना करना पड़ रहा है।

घरेलू उद्योग और आजीविका पर प्रभाव शुल्क–मुक्त आयात का घरेलू कागज़ उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, जिसके कारण भारत की छोटी और मध्यम आकार की कागज़ मिलें आर्थिक रूप से अव्यवहार्य होती जा रही हैं। इसका असर केवल उद्योग तक सीमित नहीं है – यह हज़ारों परिवारों की आजीविका को भी प्रभावित कर रहा है, जिनकी निर्भरता घरों, बाजारों और संस्थानों से अपशिष्ट कागज एकत्र करने पर है। इसके अलावा, कृषि–वनीकरण में संलग्न किसान, जो कागज़ मिलों को कृषि अवशेष और लकड़ी उपलब्ध कराते हैं, साथ ही कागज आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े अनेक हितधारक भी इस संकट से प्रभावित हो रहे हैं।
हाल ही में डेकोर कागज़ पर लगाए गए पाटन–रोधी शुल्क ने घरेलू उद्योग को आंशिक राहत प्रदान की है।

पर्यावरण मानक एवं नियामक अनुपालन

हाल ही में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने लुग्दी और कागज उद्योग के लिए पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम के तहत सातवां संशोधन नियम, २०२५ के अंतर्गत संशोधित / नए और अधिक कड़े पर्यावरणीय मानक अधिसूचित किए हैं। इन नियमों में निम्नलिखित के लिए मानक निर्धारित किए गए हैं – ताजे पानी की खपत, अपशिष्ट जल निकासी, तथा विभिन्न प्रदूषण मानक के लिए।

मिल श्रेणी के अनुसार ताजे पानी की खपत और अपशिष्ट जल निकासी मानक

मिल श्रेणी	ताजे पानी की खपत मीटर^3 प्रति टन कागज़	अपशिष्ट जल निकासी मीटर^3 प्रति टन कागज़
रासायनिक लुग्दी, कागज़ एवं कागज़पट्ट के ब्लीच किए गए ग्रेड का उत्पादन करने वाली लुग्दी एवं कागज़ मिलें	५०	४०
रासायनिक लुग्दी, कागज़ एवं कागज़पट्ट के विरंजित श्रेणी का उत्पादन करने वाली लुग्दी एवं कागज़ मिलें	२५	२०
अपशिष्ट रेशा एवं मार्केट लुग्दी आधारित कागज़ मिलें, जो ब्लीच किए गए ग्रेड, कागज़, कागज़पट्ट और आखबारी कागज बनाती हैं	१५	१०
अपशिष्ट रेशा एवं मार्केट लुग्दी आधारित कागज़ मिलें, जो विरंजित ग्रेड, कागज़, कागज़पट्ट और आखबारी कागज़ बनाती हैं	१०	०६
अपशिष्ट रेशा और मार्केट लुग्दी आधारित स्पेशलिटी कागज़ मिलें	५०	१०

पैरामीटर	प्रदूषक मानक	
	रासायनिक लुग्दी आधारित लुग्दी एवं कागज़ मिलों से उपचारित अपशिष्ट	अपशिष्ट रेशा आधारित लुग्दी एवं कागज़ मिलों से उपचारित अपशिष्ट
पी.एच.	६.५–८.५	६.५–८.५
कुल निलंबित ठोस, मि.ग्रा. / ली.	५०	५०
जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (बी.ओ.डी.) ३ दिन / २७° सेल्सिअस), मि.ग्रा./ली.	२०	२०
रासायनिक ऑक्सीजन मांग (सी.ओ.डी.) मि.ग्रा./ली.	२५०	२५०
कुल घुलनशील ठोस मि.ग्रा./ली.	२१००	२१००
रंग, पी.सी.यु.	३५०	३५०
एड्सॉर्बेबल ऑर्गेनिक हैलोजेन्स (ए.ओ.एक्स.), मि.ग्रा./ली.	१०	५
सोडियम अवशोषण अनुपात	१०	८

ये मानक पूरे भारत में प्रभावी होंगे और लुग्दी एवं कागज मिलों को तदनुसार अपनी तकनीकों और रणनीतियों को अपनाना होगा ताकि ताजे पानी की खपत तथा अपशिष्ट जल निकासी को कम किया जा सके और निर्धारित उत्सर्जन मानकों को प्राप्त किया जा सके।

जल संरक्षण

नए पर्यावरणीय मानकों के संदर्भ में, भारतीय कागज़ उद्योग को जल मांग प्रबंधन, जल उपयोग दक्षता, जल संरक्षण, पुन:चक्रण एवं पुन: उपयोग जैसी रणनीतियों को एकीकृत करने की आवश्यकता है, ताकि ताजे पानी की खपत में कमी लाई जा सके।

ऊर्जा खपत

हालांकि नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाने के प्रयास किए जा रहे हैं, फिर भी यह क्षेत्र बड़े पैमाने पर कोयला और जीवाश्म ईंधन पर निर्भर है। इस कारण कार्बन फुटप्रिंट को कम करना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। उच्च उत्सर्जन स्तर जलवायु परिवर्तन को और गंभीर बना रहा है, जिससे भारत के २०७० तक "नेट जीरो लक्ष्य" प्राप्त करने के प्रयासों में बाधा उत्पन्न हो रही है। क्योंकि भविष्य में कागज उत्पादन में वृद्धि की संभावना है, इसलिए उत्पादन की उत्सर्जन तीव्रता को कम करने के लिए विशेष प्रयास किए जाने आवश्यक हैं।

उत्पादन बनाम मांग में असमानता

भारतीय कागज़ उद्योग में अनियोजित क्षमता वृद्धि और निर्यात में कमी के कारण कागज़ की अधिक आपूर्ति हुई है, जिससे मिलों के लाभांश अनुपात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। पिछले कुछ वर्षों से यह उद्योग मूल्य में उतार–चढ़ाव, अनिश्चित मांग अनुमान और वैश्विक अस्थिरताओं का सामना कर रहा है।

समाचार पत्र उद्योग

भारतीय आखबारी कागज मिल्स एसोसिएशन के अनुसार, वर्तमान में देश में लगभग १२८ पंजीकृत आखबारी कागज मिलें हैं जिनकी कुल स्थापित क्षमता २.२ मिलियन टन है। इनमें से १२३ मिलों में से केवल ३९ मिलें ही वर्तमान में संचालित हैं। घरेलू आखबारी कागज उद्योग को सस्ते आयात से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है, जिन पर रियायती शुल्क लगाया गया है। यही प्रमुख कारण है कि कई मिलें बंद हो गई हैं या उनकी क्षमता उपयोग दर घटकर केवल ३५% रह गई है। इस प्रकार, १.३ मिलियन टन की खपत के मुकाबले २.२ मिलियन टन की स्थापित घरेलू क्षमता होने के बावजूद, इंडियन न्यूजप्रिंट मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन और आखबारी कागज उद्योग सस्ते आयातों को रोकने के लिए उपयुक्त नीतिगत हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। वित्त वर्ष २०२३–२४ में आखबारी कागज का आयात कुल खपत का लगभग ६५% रहा।

आखबारी कागज के समग्र एवं श्रेणीवार (ग्लेज्ड और अन्य) आयात की तुलनात्मक स्थिति नीचे दी गई तालिकाओं में क्रमश: भारतीय रुपए और अमेरिकी डॉलर में वित्त वर्ष २०२४-२५ के लिए सारांश रूप में प्रस्तुत की गई है।

पिछले ५ वर्षों में आखबारी कागज आयात परिदृश्य

वित्तीय वर्ष	मूल्य (लाख रुपये में)	मूल्य (लाख रुपये में)
२०२०-२१	२,१९,९०६.00	२,१९,९०६.00
२०२१-२२	२,५६,७२१.४२	२,५६,७२१.४२
२०२२-२३	४,२०,२८७.८९	४,२०,२८७.८९
२०२३-२४	३,५२,१४६.00	३,५२,१४६.00
२०२४-२५	३,४९,१२५.00	३,४९,१२५.00

स्रोत: https://tradestat.commerce.gov.in

आखबारी कागज आयात परिदृश्य (श्रेणीवार) ग्लेज़्ड आखबारी कागज (एच.एस. कोड: ४८०१००१०)

वित्तीय वर्ष	ग्लेज़्ड आखबारी कागज (एच.एस. कोड: ४८०१००१०)	
	मूल्य (लाख रुपये में) मूल्य	(मिलियन अमेरिकी डॉलर में)
२०२०-२१	४,८०८.४५	६.३८
२०२१-२२	३,७३०.६३	५.0२
२०२२-२३	१०,९२७.६६	१३.६८
२०२३-२४	५,६४१.५७	६.८२
२०२४-२५	७,७२०.00	९.१५

स्रोत: https://tradestat.commerce.gov.in

(II) अन्य समाचार मुद्रण कागज (एच.एस. कोड: ४८०१००९०)

वित्तीय वर्ष	ग्लेज़्ड आखबारी कागज (एच.एस. कोड: ४८०१००१०)	
	मूल्य (लाख रुपये में) मूल्य	(मिलियन अमेरिकी डॉलर में)
२०२०-२१	२,१५,0९८.११	२८७.७१
२०२१-२२	२,५२,९९0.७९	३३९.७२
२०२२-२३	४,0९,३६0.२३	५0७.७१
२०२३-२४	३,४६,५0४.४३	४१८.६७
२०२४-२५	३,४१,४0५.00	४0४.८१

स्रोत: https://tradestat.commerce.gov.in

हालिया नीतिगत हस्तक्षेप / विनियम

कागज और कागज उत्पादों के लिए इको मार्क प्रदान करने के मानदंडों में संशोधनः

भारतीय कागज उद्योग और मिल संघों द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के इको मार्क नियम, २०२४ से संबंधित उठाए गए मुद्दों के संदर्भ में, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा एक समिति का गठन किया गया है। यह समिति इको मार्क नियम, २०२४ की धारा १० के अंतर्गत दो उत्पाद श्रेणियों कागज और लकड़ी के विकल्प के लिए तकनीकी मानदंड विकसित करने के उद्देश्य से गठित की गई है। इस समिति के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- कागज उत्पादों के लिए इको मार्क प्रदान करने के मानदंडों की समीक्षा और विकास करना।
- कागज उत्पादों की सत्यापन प्रक्रिया विकसित करना ताकि उन्हें इको मार्क प्रमाणन प्रदान किया जा सके।

विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने अपनी दिनांक ६ दिसंबर २०२४ की अधिसूचना के माध्यम से "विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व" लागू करने के लिए मसौदा नियम जारी किए हैं। इन नियमों का उद्देश्य उपभोक्ता द्वारा उपयोग किए जाने के बाद के कागज, कागज बोर्ड, कांच, धातु पैकेजिंग तथा सेनेटरी उत्पादों का पर्यावरण के अनुकूल प्रबंधन सुनिश्चित करना है। इन नियमों के तहत परिपत्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए पुनः उपयोग, पुनःप्राप्ति और पुनःचक्रण की प्रक्रिया को सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे नई आर्थिक गतिविधियों, हरित रोजगार और नवाचार के अवसर उत्पन्न होंगे। पैकेजिंग और सेनेटरी उत्पादों पर लागू ई.पी.आर. नीति से "कचरे से संपत्ति निर्माण" की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। साथ ही, यह नीति संसाधनों के संरक्षण में मदद करेगी जिसमें कच्चे संसाधनों के दोहन में कमी, सामग्रियों का इष्टतम उपयोग तथा देशभर में पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार शामिल है।

आगे की राह

सरकार का शिक्षा और साक्षरता पर ध्यान, संगठित खुदरा व्यापार का विस्तार, और उच्च गुणवत्ता वाले कागज की बढ़ती मांग, ये सभी लेखन और मुद्रण कागज के प्रमुख प्रेरक तत्व हैं। इसी बीच, एफएमसीजी, वस्त्र, औषधि और अन्य क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली पैकेजिंग की बढ़ती आवश्यकता जो तेजी से बढ़ते ई–कॉमर्स, स्वास्थ्य देखभाल पर बढ़ते खर्च, ओवर–द–काउंटर दवाओं और तत्काल खाने योग्य खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग, तथा एकल प्रयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध के कारण प्रेरित है से कागजपट्ट और पैकेजिंग कागज की मांग में निरंतर वृद्धि होने की उम्मीद है। यह बढ़ती मांग कागज और पैकेजिंग क्षेत्र के लिए कच्चे माल की के खोज निर्धारण को बेहतर बनाने, मिलों के आधुनिकीकरण और टिकाऊ प्रथाओं को एकीकृत करने का अवसर प्रदान करती है।

आगे का रास्ता लागत अनुकूलन और परिचालन दक्षता पर उद्योग के प्रयासों को शामिल करता है। प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण और नवाचार के माध्यम से घरेलू बाजार पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, साथ ही टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने की, जिसमें घरेलू अपशिष्ट कागज के उपयोग में वृद्धि और ऊर्जा–कुशल तकनीकों का समावेश शामिल है। एक बहुआयामी रणनीति को लागू करके, जो घरेलू आवश्यकताओं, स्थिरता, नवाचार और रणनीतिक साझेदारी को प्राथमिकता देती है, भारतीय कागज उद्योग मौजूदा चुनौतियों और उभरती बाजार अनिश्चितताओं का सफलतापूर्वक सामना कर सकता है।

भारतीय लुग्दी और कागज उद्योग के पास घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकास और नवाचार के महत्वपूर्ण अवसरों के साथ एक आशाजनक भविष्य है। उत्पाद लाइनों के विस्तार से लेकर उन्नत तकनीकों के एकीकरण तक, मिलों के पास विकास के कई मार्ग हैं। स्थिरता, दक्षता और गुणवत्ता इन अवसरों को साकार करने और उद्योग को आगे बढ़ाने के प्रमुख प्रेरक होंगे। हालांकि, उच्च कच्चे माल की लागत, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और बाजार के विखंडन जैसी चुनौतियों को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित करने की आवश्यकता है।

संदर्भः *औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग / वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की वेबसाइट, सीपीपीआरआई सांख्यिकी प्रकोष्ठ, भारतीय कागज निर्माता संघ (इंडियन कागज मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन), भारतीय एग्रो एवं पुनर्नवीनीकृत कागज मिल संघ (इंडियन एग्रो एंड रीसाइकल्ड कागज मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन), भारतीय समाचार पत्र कागज मिल संघ (इंडियन न्यूजप्रिंट कागज मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन), मीडिया रिपोर्ट्स, प्रेस विज्ञप्तियाँ, कागज मार्ट, इन कागज इंटरनेशनल, लुग्दी एंड कागज टाइम्स आदि।*

प्रमुख उपलब्धियाँ

आईएसओ ९००१-२०१५ प्रमाणन का नवीनीकरण

२४.०३.२०२५ को किए गए मूल्यांकन के आधार पर, सीपीपीआरआई के आईएसओ ९००१:२०१५ प्रमाणन को वर्ष २०२५-२०२६ के लिए नवीनीकृत किया गया।

एनएबीएल मान्यता का नवीनीकरण

एनएबीएल ने मूल्यांकन टीम द्वारा अनुशंसित दायरे के अनुसार रासायनिक और यांत्रिक परीक्षण के विषयों में आईएसओ/आईईसी १७०२५: २०१७ के अनुसार ३१.०८.२०२४ - ०१.०९.२०२४ के दौरान किए गए मूल्यांकन के आधार पर सीपीपीआरआई सहारनपुर में पेपर परीक्षण प्रयोगशाला और पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग की मान्यता के नवीनीकरण को १९/९/२०२४ - १८/९/२०२६ की अवधि के लिए मंजूरी दे दी।

पीसीपीबी प्रभाग द्वारा स्वच्छता उत्पादों में रूपांतरण के लिए उच्च शुद्धता वाली अल्फा लुग्दी का उत्पादन

बांस भारत में लुग्दी उत्पादन का एकमात्र लंबा रेशा स्रोत है। बांस का यह गुण इसे कई मूल्यवर्धित उत्पादों के लिए कच्चे माल का एक संभावित स्रोत बनाता है। स्वच्छता उत्पादों के लिए फ्लफ लुग्दी उनमें से एक है। कृषि फसल के रूप में बांस की उपलब्धता को भारत सरकार के राष्ट्रीय बांस मिशन के तहत अच्छी तरह से बढ़ावा दिया जाता है। सीपीपीआरआई सहारनपुर बांस की खेती, बांस के विभिन्न ग्रेड के लुग्दी के उत्पादन और लुग्दी को उच्च मूल्य वाले उत्पादों में बदलने पर बड़े पैमाने पर काम कर रहा है। उच्च अल्फा लुग्दी के घुलनशील लुग्दी में उत्पादन और उसके बाद विस्कोस रेयान उत्पादन का पिछले वर्षों के दौरान अध्ययन किया गया था और अब विभिन्न स्वच्छता उत्पादों के लिए उच्च शुद्धता वाले अल्फा लुग्दी को फ्लफ में रूपांतरित किया जा रहा है।

विरंजन के बाद बांस से लगभग ४०% उच्च शुद्धता वाले अल्फा सेल्यूलोज की लुग्दी उपज

बाँस से प्राप्त रेशों का उपयोग करके स्वच्छता उत्पादों के उत्पादन के लिए फाइबर के स्रोत के रूप में बांस से फुलाव की तैयारी और लक्षण वर्णन पर एक तकनीकी शोध–पत्र तैयार किया गया और इसे एल्सेवियर के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 'एडवांस इन बैम्बू साइंस' में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया।

पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग द्वारा एनएबीएल, पीटी अभ्यास

पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा के गंगा नदी बेसिन और यमुना नदी बेसिन में स्थित १४३ से अधिक अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों (जीपीआई) की पर्यावरण स्थिति की निगरानी में तीसरे पक्ष के रूप में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की सहायता की।

पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग ने अपशिष्ट जल प्रदूषण मापदंडों (पीएच, टीएसएस, टीडीएस, सीओडी, बीओडी, रंग, सोडियम, पोटाशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, तेल और ग्रीस और कठोरता), परिवेशी वायु गुणवत्ता मापदंडों (पीएम १०, पीएम २.५, एसओ २ और एनओ २) और स्टैक उत्सर्जन गुणवत्ता मापदंडों (एसपीएम, एसओ २, एनओ एक्स, ओ २, सीओ २, सीओ और एच २ एस) के लिए आईएसओ / आईईसी १७०२५: २०१७ के अनुसार परीक्षण क्षेत्र के रासायनिक अनुशासन के तहत प्रदूषण और पर्यावरण और वायुमंडलीय प्रदूषण नामक दो समूहों में एनएबीएल मान्यता के नवीनीकरण के लिए ऑडिट में सफलतापूर्वक भाग लिया।

एनएबीएल को प्रस्तुत २ वर्षीय प्रवीणता परीक्षण (पीटी) योजना के अनुसार, पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग ने २०२४–२५ के दौरान ४ पीटी अभ्यासों में सफलतापूर्वक भाग लिया और आईएसओ/आईईसी १७०२५: २०१७ के अनुसार एनएबीएल आवश्यकताओं के अनुसार संतोषजनक जेड स्कोर प्राप्त किया।

- विषय: रासायनिक और समूह: जल (भूजल/सतही जल/पेयजल)
  पैरामीटर: भारी धातुएं (मरकरी, कैडमियम, क्रोमियम, आर्सेनिक, लेड , आयरन,निकल, जिंक, कैल्शियम, मैग्नीशियम), क्लोराइड, कठोरता, कुल क्षारीयता, पी.एच., रंग, टी.डी.एस.

- विषय: रसायन और समूह: प्रदूषण एवं पर्यावरण (अपशिष्ट जल)
  पैरामीटर: पी.एच., टी.एस.एस., रंग, टी.डी.एस., सी.ओ.डी., बी.ओ.डी., तेल और ग्रीस, सोडियम, पोटाशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, कठोरता, क्षारीयता, कुल ठोस, स्थिर ठोस, वाष्पशील ठोस, एम.एल.एस.एस., एस.ए.आर.

- विषय: रासायनिक
  समूह: वायुमंडलीय प्रदूषण (परिवेशी वायु)
  पैरामीटर: पी.एम.१०, पी.एम२.५ (गुणात्मक और मात्रात्मक)

- विषय: रासायनिक
  समूह: वायुमंडलीय प्रदूषण (स्टैक उत्सर्जन)
  पैरामीटर: कणिकीय पदार्थ (गुणात्मक और मात्रात्मक)

पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग परिवेशी वायु और स्टैक उत्सर्जन के लिए पीटी अभ्यास में भाग ले रहा है

- नेचुरल रिसोर्स जैवकेम प्राइवेट लिमिटेड, गोरखपुर (यूपी) द्वारा शुरू किए गए आईएलसी अभ्यास में सफलतापूर्वक भाग लिया।

- गंगा नदी बेसिन में भारतीय लुग्दी एवं कागज उद्योग के लिए चार्टर ३.० तैयार करने हेतु सीपीसीबी के साथ तकनीकी संस्थान के रूप में संबद्ध था।

- उत्तराखंड क्लस्टर, तमिलनाडु और कर्नाटक राज्य में लुग्दी और कागज मिलों की सूची से संबंधित डेटा का अद्यतनीकरण, आयात और निर्यात प्रवृत्तियों का अध्ययन और घरेलू कागज उद्योग में संबंधित विकास किया गया।

- डीओपीटी के दिनांक ५ नवंबर २०१९ के कार्यालय ज्ञापन संख्या १/६/२०११-आईआर के अनुसार आरटीआई अधिनियम, २००५ के तहत सक्रिय प्रकटीकरण का तृतीय-पक्ष ऑडिट जून २०२४ में सफलतापूर्वक पूरा हो गया ।

- स्वच्छता ही सेवा द्धएसएचएसत्र्न अभियान के तहत की गई गतिविधियों का सफलतापूर्वक समापन ।

जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग द्वारा जैव-प्रसंस्करण के लिए पायलट-स्तरीय सुविधाओं की स्थापना

लिंगो-सेल्यूलोसिक पदार्थों के जैव-लुग्दीकरण, जैव-डिंकिंग और एंजाइमेटिक अपघटन में प्रायोगिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक पायलट प्लांट-स्तरीय सुविधा स्थापित की गई है। यह सुविधा एक एकीकृत प्री-मिक्सर युक्त एरेटेड स्टैटिक बेड जैवरिएक्टर और एक स्टेनलेस-स्टील जैकेटेड रिएक्टर से सुसज्जित है, दोनों को सफलतापूर्वक चालू और स्थापित किया जा चुका है। ये प्रणालियाँ प्रयोगशाला स्तर पर विकसित जैव-प्रौद्योगिकी प्रक्रियाओं के विस्तार और सत्यापन में सहायक होंगी।

पायलट प्लांट-स्केल सुविधा (जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग)

- वातित स्थैतिक तल रिएक्टर की डिजाइनिंग और कमीशनिंग – एक प्री-मिक्सर से एकीकृत एक अनुकूलित वातित स्थैतिक तल रिएक्टर विशेष रूप से जैव-लुग्दीकरण अनुप्रयोगों के लिए डिजाइन किया गया है। इस रिएक्टर प्रणाली का उद्देश्य ऑक्सीजन प्रसार और एकसमान सब्सट्रेट मिश्रण को बढ़ाना है, जिससे लिंगो सेल्यूलोसिक पदार्थों की जैव-लुग्दीकरण के दौरान सूक्ष्मजीवी गतिविधि का अनुकूलन हो सके।

- एंजाइमी हाइड्रोलिसिस के लिए स्टेनलेस स्टील (एसएस) जैकेटेड रिएक्टर की डिजाइनिंग और कमीशनिंग – विभिन्न लिंगो-सेल्यूलोसिक कच्चे माल के नियंत्रित एंजाइमी हाइड्रोलिसिस को सुगम बनाने के लिए एक स्टेनलेस स्टील (एसएस) जैकेटेड रिएक्टर डिजाइन किया गया है। यह रिएक्टर सटीक तापमान नियंत्रण और विक्षोभ की अनुमति देता है, जो जटिल कार्बोहाइड्रेट को किण्वनीय शर्करा में प्रभावी रूप से विघटित करने के लिए आवश्यक है।

- जैव-लुग्दीकरण अध्ययनों के लिए लिग्नोलिटिक कवक उपभेदों का पृथक्करण – चयनात्मक स्क्रीनिंग प्रक्रियाओं के माध्यम से कुल १५ लिग्नोलिटिक कवक उपभेदों को सफलतापूर्वक पृथक किया गया है। इन उपभेदों का उपयोग कवक-मध्यस्थ जैव-लुग्दीकरण और लिग्निन-समृद्ध सब्सट्रेट के अपघन से संबंधित आगामी अध्ययनों में किया जाएगा।

रासायनिक पुन:प्राप्ति और जैवशोधन प्रभाग द्वारा काले द्राव और रेशेदार कच्चे माल की प्रक्रिया और परीक्षण के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं का विकास

पीबीएस परियोजना के अंतर्गत जैव–रिफाइनरी अनुप्रयोगों हेतु जैवमास के प्रसंस्करण और काला द्राव के परीक्षण हेतु अत्याधुनिक अवसंरचना विकसित की गई। विभिन्न उपकरणों और अन्य सुविधाओं की सूची अवसंरचना विकास में उल्लिखित है।

नीति आयोग की समिति में सीपीपीआरआई वैज्ञानिक का नामांकन

वैज्ञानिकों में से एक डॉ. प्रीति शिवहरे लाल को नीति आयोग, नई दिल्ली द्वारा गठित की जा रही समिति के लिए विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया था, जिसका उद्देश्य "बांस मूल्य श्रृंखला के विकास के लिए रणनीति – स्थिरता की ओर" शीर्षक वाली मसौदा तकनीकी–व्यावसायिक रिपोर्ट की समीक्षा करना है। इसमें भारत के विभिन्न अनुसंधान संस्थानों और संगठनों के १४ सदस्य शामिल हैं।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

राष्ट्रीय पर्यावरण अनुसंधान संस्थान (नीरी), सीएसआईआर, नागपुर के साथ 0१ मई, २०२४ को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

प्रशिक्षण/कौशल विकास

आर.एस.सी.–डी.सी.पी.पी.आई. परियोजना के अंतर्गत वर्ष २०२४–२०२५के दौरान विभिन्न क्षेत्रो में पाँच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए

- स्नातक और स्नातकोत्तर थीसिस पर्यवेक्षण – कुल स्नातक और स्नातकोत्तर प्रशिक्षु छात्रों ने जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग के अंतर्गत अपने थीसिस अनुसंधान कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया।

प्रशिक्षु छात्रों के लिए समापन प्रमाण पत्र वितरण समारोह

"हस्तनिर्मित पैकेजिंग सामग्री के उत्पादन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्योगिनी

- पीसीपीबी प्रभाग द्वारा २३ से २७ सितंबर, २०२४ तक "हस्तनिर्मित पैकेजिंग सामग्री के उत्पादन" पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में पैकेजिंग सामग्री उत्पादन में उद्योगिनी के पांच प्रतिभागियों ने भाग लिया।

उद्योगिनी के प्रशिक्षु

शोध पत्र प्रकाशित

- वर्ष २०२४-२०२५ के दौरान विभिन्न पत्रिकाओं में कुल ०७ शोध पत्र प्रकाशित किए गए

तैयार की गई रिपोर्टें

- वर्ष २०२४-२०२५ के दौरान २०० से अधिक रिपोर्ट तैयार की गईं

बुनियादी ढांचे का विकास

- विभिन्न जैव प्रौद्योगिकी से संबंधित बड़े पैमाने पर प्रयोगों को सुविधाजनक बनाने के लिए पायलट प्लांट सुविधा बनाई गई।

पायलट प्लांट सुविधा (जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग)

- प्री–मिक्सर के साथ एकीकृत वातित स्थैतिक बिस्तर रिएक्टर को पायलट प्लांट सुविधा में चालू और स्थापित किया गया।

वातित स्थैतिक बिस्तर रिएक्टर (बाएं); और प्री मिक्सर (दाएं)

- विभिन्न लिंगो–सेल्यूलोसिक कच्चे माल के नियंत्रित एंजाइमेटिक हाइड्रोलिसिस की सुविधा के लिए पायलट प्लांट सुविधा में स्टेनलेस स्टील (एसएस) जैकेटेड रिएक्टर को चालू और स्थापित किया गया।

स्टेनलेस स्टील जैकेटेड रिएक्टर

- एजिलेंट कैरी–६0 अल्ट्रा–वायलेट स्पेक्ट्रोफोटोमीटर की स्थापना, जिसका उपयोग खाद्य पैकेजिंग पेपर नमूनों में क्रोमियम ६0 की मात्रा निर्धारित करने के लिए किया जा रहा है।

पराबैंगनी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर

कास्टीसाइजिंग प्रोसेस के लिए पायलट प्लांट

मिलिपोर

जल शोधन प्रणाली

मफल फर्नेस

बायोमास चिप्स क्लासिफायर

बायोमास धूल मशीन

वाटर बाथ

ज्वाला फोटोमीटर

जीपीसी

बायो शेकर

हार्डनिंग चैंबर और सौर पैनल

हाईड्रापल्पर

पुरस्कार

२०२४ में संभाजीनगर महाराष्ट्र में आयोजित टिकाऊ पैकेजिंग सामग्री (मोल्डेड उत्पाद, कागज और बोर्ड) उत्पादन के लिए चावल के भूसे के उपयोग पर डॉ. प्रीति शिवहरे लाल द्वारा प्रस्तुत एक शोध–पत्र के लिए इप्पटा सेमिनार में सर्वश्रेष्ठ शोध–पत्र प्रस्तुति के लिए पुरस्कार मिला है।

तकनीकी और परामर्श सेवाएँ

विभिन्न लुग्दी और कागज मिलों, संबद्ध उद्योगों, साथ ही प्रौद्योगिकी और रसायन आपूर्तिकर्ताओं को तकनीकी और परामर्श सेवाएँ प्रदान की गईं। इन सेवाओं में कच्चे माल, लुग्दी और कागज के नमूनों, लुग्दी बनाने वाले योजकों, डिंकिंग और साइजिंग रसायनों, और स्टिकी नियंत्रण एजेंटों का मूल्यांकन शामिल था। इसके दायरे में आयातित रद्दी कागज के नए ग्रेड की उपयुक्तता का आकलन, रेशेदार और गैर–रेशेदार कच्चे माल का लक्षण वर्णन और विश्लेषण, और पर्यावरणीय नमूनों की जाँच भी शामिल थी। इसके अलावा, प्रक्रिया समस्या निवारण, पर्याप्तता मूल्यांकन, प्रक्रिया संचालन के प्रदर्शन मूल्यांकन, अपशिष्ट उपचार प्रणालियों और प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों में सहायता प्रदान की गई। इन गतिविधियों ने सामूहिक रूप से लगभग ३५१.५६ लाख का आंतरिक राजस्व सृजन किया।

प्राप्ति और व्यय

वित्तीय वर्ष २०२४–२५ के दौरान संस्थान की कुल प्राप्तियाँ ₹१३३६.२९ लाख रहीं। इसमें कुल ₹९२0.00 लाख की अनुदान राशि शामिल है, जिसमें से ₹४४0.00 लाख "परियोजना आधारित सहायता" के अंतर्गत तथा ₹४८0.00 लाख "पल्प, पेपर एवं संबद्ध उद्योगों के विकास परिषद" के अंतर्गत प्राप्त हुए।

वर्ष के दौरान कुल व्यय ₹१४९६.0३ लाख रहा, जिसमें से ₹२३४.९४ लाख की राशि परिसंपत्तियों की खरीद पर व्यय की गई।

वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा परीक्षण शुल्क, परामर्श, प्रशिक्षण आदि विभिन्न सेवाओं से कुल ३५१.५८ लाख रुपये का आंतरिक राजस्व सृजन (IRG) प्राप्त किया गया है।

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

पी बी एस परियोजनाएँ

भारतीय लुग्दी एवं कागज़ उद्योग हेतु चयनित वृक्ष प्रजातियों की गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के गुणन के लिए उत्कृष्टता केंद्र

उद्देश्य

- लुग्दी और कागज़ उद्योग के लिए वैकल्पिक कच्चे माल के रूप में उच्च संभावनाशील छह स्वदेशी वृक्ष प्रजातियों के विभिन्न परिवारों और जीनोटाइप्स का चयन करना।
- चयनित स्वदेशी वृक्ष प्रजातियों के दीर्घकालिक वृक्ष सुधार और लकड़ी विज्ञान संबंधी लक्ष्यों की प्राप्ति के साथ संभावनाशील जीनोटाइप्स का गुणन और तैनाती करना।
- विभिन्न जीनोटाइप्स का भौतिक और रासायनिक गुणों के लिए पारंपरिक और गैर–विनाशकारी तकनीकों (निकट–अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी) का उपयोग करके शीघ्र लक्षणन करना।
- भविष्य के अनुसंधान और वाणिज्यिक उपयोग के लिए क्लोनल गुणन क्षेत्र और उत्पादन जनसंख्या विकसित करना।
- उच्च उत्पादकता वाली चयनित स्वदेशी वृक्ष प्रजातियों की गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के गुणन हेतु उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना करना।

मुख्य उपलब्धियाँ

वर्ष २०२४–२५ के दौरान परियोजना गतिविधियों के अंतर्गत निम्नलिखित प्रगति हुई।

- दो हार्डनिंग चौम्बर्स स्थापित किए गए जो मिस्ट चौम्बर्स में अंकुरण के बाद पौधों के विकास हेतु उपयोग किए जाते हैं।
- चयनित पौध सामग्रियों के गुणन हेतु निरंतर प्रयास किए गए। प्रारंभिक चरण में कम जीवित रहने की दर में सुधार अनुभवी वरिष्ठ परियोजना सहयोगी की नियुक्ति के बाद हुआ।
- क्षेत्र की सफाई और गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के पौधारोपण कार्य को गति देने हेतु कृषि उपकरणों की खरीद की गई।
- परियोजना के अंतर्गत ८ फील्ड असिस्टेंट, ३ परियोजना सहयोगीऔर १ वरिष्ठ परियोजना सहयोगी की नियुक्ति की गई।

परियोजना स्टाफ फील्ड मे

मिस्ट चेम्बर मे सेम्प्लिंग्स का विकास

मिट्टी उर्वरता : मिट्टी के नमूनों का संग्रह

मिट्टी उर्वरता : विश्लेषण

परियोजना संबन्धित कार्यकलापों की झलक

अत्याधुनिक रासायनिक पुनःप्राप्ति प्रयोगशाला की स्थापना

उद्देश्य

- भारतीय कागज़ उद्योग को देश में ही वे सेवाएँ प्रदान करना जो वर्तमान में वे यूरोपीय या अन्य विकसित देशों से प्राप्त करते हैं, जिससे समय और विदेशी मुद्रा की बचत हो सके।
- रासायनिक पुनःप्राप्ति क्षेत्र में दक्ष कार्यबल का निर्माण करना ताकि सरकार की 'स्किल इंडिया' पहल को समर्थन मिल सके।
- काला द्राव, हरा द्राव, सफेद द्राव और लाइम केक जैसे पदार्थों के लिए डेटा बैंक विकसित करना, जिनमें सिलिका और गैर-प्रक्रिया तत्व (एनपीई) युक्त कच्चे माल की जानकारी हो।
- यह डेटा बैंक भारतीय कागज मिलों और उपकरण आपूर्तिकर्ताओं को रासायनिक पुनःप्राप्ति प्रणाली के प्रभावी संचालन और डिजाइन में मदद करेगा।

मुख्य उपलब्धियाँ

- पीबीएस प्रायोजित इस परियोजना के अंतर्गत देश में अत्याधुनिक रासायनिक पुनःप्राप्ति प्रयोगशाला की स्थापना प्रारंभ की गई। इससे भारतीय कागज़ उद्योग को देश के भीतर सेवाएँ प्राप्त होंगी और विदेशी मुद्रा की बचत होगी।
- वर्तमान में लुग्दी और कागज़ उद्योग में प्रशिक्षित तकनीकी जनशक्ति की भारी कमी है। यह प्रयोगशाला उद्योग के तकनीकी कर्मचारियों के प्रशिक्षण में भी सहायक होगी।
- परियोजना के अंतर्गत ऑटोमैटिक बॉम्ब कैलोरीमीटर, बॉल मिल और लुग्दीकरण डाइजेस्टर जैसे उपकरण खरीदे गए हैं।
- देश के उत्तर और दक्षिण भागों से प्राप्त काला द्राव के विभिन्न भौतिक, रासायनिक और दहन गुणों पर नवीनतम डेटा बैंक तैयार किया गया है।
- विभिन्न कागज़ उद्योगों को प्रशिक्षण और ऑन-साइट तकनीकी सहायता प्रदान की गई। परियोजना पूर्ण हो चुकी है।

अत्याधुनिक लुग्दी एवं कागज़ मिल आधारित जैव-शोधन प्रयोगशाला की स्थापना

उद्देश्य

- लुग्दी एवं कागज़ मिलों को जैव-शोधन गतिविधियों के लिए प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना।
- पारंपरिक लुग्दी एवं कागज़ मिलों में प्रवेश करने वाले लगभग आधे कार्बनिक पदार्थ का दहन होता है – यह जैव द्रव्य का सबसे रूढ़िवादी उपयोग है।
- आने वाले जैविक द्रव्यमान एवं अन्य कच्चे माल को पूर्ण रूप से एकीकृत करना ताकि कागज़, रासायनिक उत्पाद एवं ऊर्जा का एकसाथ उत्पादन संभव हो और मिलों की अर्थव्यवस्था सुधरे।
- जैव-शोधन एकीकरण से मिलों को जैव उर्जा एवं जैव उत्पाद के उत्पादन का अवसर मिलेगा और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटेगी।

मुख्य उपलब्धियाँ

- लुग्दी मिल आधारित जैव-शोधन की अवधारणा से लुग्दी एवं कागज़ मिलों की अर्थव्यवस्था, संसाधन संरक्षण एवं स्वच्छ पर्यावरण को लाभ होगा।
- सीपीपीआरआई ने इस क्षेत्र में अत्याधुनिक सुविधाएँ स्थापित की हैं ताकि भारतीय कागज़ उद्योग को जैव-शोधन में रूपांतरित किया जा सके।
- जैव-शोधन क्षेत्र में दक्ष तकनीकी कार्यबल तैयार किया गया जो "स्किल इंडिया" पहल को सशक्त बनाएगा।
- कृषि-आधारित लुग्दी एवं कागज मिल जैव-शोधन अवधारणा पर आधारित विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पादों से संबंधित डेटा बैंक तैयार किया गया।
- प्रयोगशाला में आवश्यक सुविधाएँ विकसित की गई। परियोजना प्रगति पर है।

जैव-लुग्दीकरण परियोजना

उद्देश्य

- जैव-लुग्दीकरण प्रक्रिया में उपयोग हेतु लिग्निन विघटित करने वाले कवकों की स्क्रीनिंग एवं लक्षणन करना।
- विभिन्न कच्चे मालों के चयनात्मक लिग्निन अपघटन हेतु कवकीय उपचार का अध्ययन करना ताकि रासायनिक एवं ऊर्जा की बचत के साथ-साथ कागज़ की शक्ति में सुधार किया जा सके।
- पायलट प्लांट की स्थापना कर प्रयोगशाला स्तर के परिणामों का प्रमाणीकरण करना।

मुख्य उपलब्धियाँ

- एयरेटेड स्टैटिक बेड बायोरिएक्टर एवं स्टेनलेस स्टील जैकेटेड रिएक्टर को जैव-प्रौद्योगिकी प्रभाग में स्थापित और चालू किया गया।

- हार्डवुड नमूनों की रासायनिक लुग्दीकरण, विरंजन एवं सी. टी. एम. पी प्रक्रिया के अनुकूलन का कार्य पूर्ण किया गया।
- नियंत्रित परिस्थितियों में सूक्ष्मजीव प्रदर्शन का मूल्यांकन करने हेतु बायोरिएक्टर आधारित अध्ययन प्रारंभ किया गया।
- उपचारित एवं अनुपचारित वुड चिप्स का निकट विश्लेषण नियमित रूप से किया जा रहा है।

(अ) एयरेटेड स्टैटिक बेड रिएक्टरकी पृष्ठभूमि में छात्रय (ब) सुश्री अनुराधा जनबड़े प्री-मिक्सर रिएक्टरके निर्माण की जाँच करते हुए।

अपशिष्ट कागज पुनःचक्रण प्रोत्साहन केंद्र की स्थापना

उद्देश्य

- दिल्ली एवं चेन्नई में अपशिष्ट कागज पुनःचक्रण प्रोत्साहन केंद्रों की स्थापना कर अपशिष्ट कागज संग्रह क्षेत्र को संगठित करना एवं देश में संग्रहण दर बढ़ाना।
- यह पहल ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, २०१६ एवं राष्ट्रीय सामग्री पुनःचक्रण नीति के अनुरूप है।

मुख्य उपलब्धियाँ

- परियोजना की दिशा स्पष्ट करने हेतु अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक में तीन मुख्य गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया गया:
  - दिल्ली में अपशिष्ट कागज आपूर्ति श्रृंखला का अध्ययन।
  - स्कूल बच्चों एवं आवासीय संघों में जागरूकता।
  - दिल्ली में प्रमाणन सुविधा की स्थापना।
- परियोजना के लिए ब्लूप्रिंट तैयार कर उद्योग संघों के महासचिवों के साथ अंतिम रूप दिया गया।
- अपशिष्ट कागज पुनःचक्रण पर प्रस्तुति एवं पोस्टर तैयार किए गए।

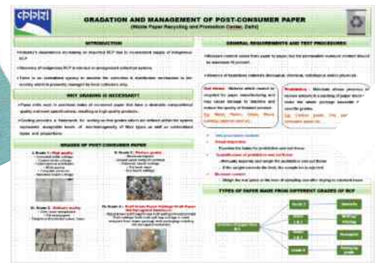

- अगस्त २०२४ में अपशिष्ट कागज़ पुन:चक्रण प्रोत्साहन केंद्र टीम ने एन.जी.ओ. "वन स्टेप ग्रीनर" (गुरुग्राम) का दौरा किया, जो दिल्ली में ठोस अपशिष्ट संग्रह में सक्रिय है। वर्ष २०२३ में "वन स्टेप ग्रीनर" ने लगभग ६,००,००० किलोग्राम अपशिष्ट एकत्र किया।

सीपीपीआरआई टीम द्वारा निम्नलिखित आवासीय सोसायटियों में अपशिष्ट कागज़ एवं अन्य ठोस अपशिष्ट संग्रह एवं पृथक्करण तंत्रपर क्षेत्र सर्वेक्षण तथा घर-घर जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए गए

- परिवार अपार्टमेंट, आई.पी. एक्सटेंशन, २०५ - ठोस अपशिष्ट संग्रह एवं पृथक्करण गतिविधि।
- नवकला अपार्टमेंट, आई.पी. एक्सटेंशन, मंडावली, दिल्ली - होम कंपोस्टिंग कार्यक्रम।
- राणा प्रताप बाग, कमला नगर, दिल्ली-७ -घर-घर जागरूकता अभियान।
- राणा प्रताप बाग, कमला नगर, दिल्ली-७-प्रचार एवं प्रोफाइलिंग गतिविधि।
- जैन कॉलोनी, वार्ड संख्या-६९, राणा प्रताप बाग, कमला नगर -प्रचार एवं प्रोफाइलिंग गतिविधि।

इसके अतिरिक्त, अपशिष्ट कागज़ संग्रह तंत्र से संबंधित क्षेत्र सर्वेक्षण २० कन्वर्टिंग हाउस, २ आवासीय सोसायटियों तथा १ एमआरएफ केंद्र (दिल्ली) में किया गया।

बी० आई० एस० मानक (आई.एस.१७३१७:२०१७) के अनुरूप "पोस्ट- कंज्यूमर (रिसाइकिल) कागज की मानक जांच हेतु मैनुअल" तैयार किया गया।

पोस्ट–उपभोक्ता (रीसायकल) कागज़ के मानक परीक्षण हेतु मार्गदर्शिका (मैनुअल) आई.एस. १७३१७ : २०१९ के अनुसार

यह मैनुअल कार्यप्रणाली में एकरूपता और संचालन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु संदर्भ दस्तावेज के रूप में उपयोग किया जाएगा।

यह मानक उद्योग विशेषज्ञों, संगठनों तथा व्यक्तियों को दिशा–निर्देश प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है, ताकि वे भारत में कागज़ एवं बोर्ड उद्योग द्वारा पुनर्चक्रण के लिए प्रयोजित पोस्ट–उपभोक्ता अपशिष्ट (रीसायकल कच्चे माल) की खरीद और बिक्री में एक समान मानकों का पालन कर सकें।

१	उत्पाद	:	आईएस 17317 रू 2019
२	शीर्षक	:	पोस्ट–उपभोक्ता (रीसायकल) कागज का मानक परीक्षण
३	नमूना संग्रह	:	परीक्षण हेतु प्रतिनिधिक नमूने आईएस 1060 (भाग–1) की धारा 3 में निर्दिष्ट विधि के अनुसार लिए जाएंगे।
४	परीक्षण उपकरणों की सूची	:	कृपया परिशिष्ट – ए देखें।
५	निरीक्षण और परीक्षण की योजना	:	कृपया परिशिष्ट – ए देखें।

आर०एस०सी० – डी०सी०पी०पी०आई० प्रायोजित परियोजनाएँ

उत्तर भारत में १०,५० और १०० टीपीडी सीटीमपी लुग्दी निर्माण की मुख्य इकाई स्थापित करने हेतु धान के पुआल एवं अन्य कृषि अवशेषों की उपलब्धता पर प्रारंभिक व्यवहार्यता रिपोर्ट

उद्देश्य

- उत्तर भारत (पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड) में सी.टी.म.पी. लुग्दी उत्पादन हेतु धान के पुआल के उपयोग की संभाव्यता का अध्ययन करना।
- धान के पुआल सहित अन्य कृषि अवशेषों जैसे सरकंडा घास आदि की उपलब्धता पर डेटाबेस तैयार करना।
- धान के पुआल एवं अन्य कृषि अवशेषों (सर्कंडा, घास आदि) का उपयोग करते हुए सी.टी.म.पी. लुग्दी उत्पादन की तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता का अध्ययन करना।
- सी.टी.म.पी. लुग्दी उत्पादन के लिए उपकरण और मशीनरी की आपूर्ति करने वाले स्थानीय निर्माताओं की क्षमता की पहचान करना तथा सी. ए. पी. इ. एक्स. और ओ. पी. पी. इ. एक्स. के संदर्भ में धान के पुआल के उपयोग का विश्लेषण करना।

मुख्य उपलब्धियाँ

- परियोजना के अंतर्गत व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने हेतु समय–समय पर बैठकें आयोजित की गई।
- तीनों क्षमता वर्गों (१०,५० और १००) टी. पी. डी. की मिलों के लिए जल एवं द्रव्यमान संतुलन का अध्ययन किया गया।
- उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा में धान के पुआल की उपलब्धता का सर्वेक्षण एवं विश्लेषण पूर्ण किया गया।
- पारंपरिक एवं गैर–पारंपरिक रासायनिक पुन:प्राप्ति प्रणालियों के लिए वैकल्पिक स्वत: क्षरिकरण प्रक्रिया पर अध्ययन

उद्देश्य

- पारंपरिक रासायनिक पुन:प्राप्ति प्रणाली में सोडियम कार्बोनेट युक्त स्मेल्ट एवं कोपलैंड रासायनिक पुन:प्राप्ति प्रणाली में उत्पन्न सोडियम कार्बोनेट के क्षरिकरण हेतु एक उन्नत विधि विकसित करना।
- पारंपरिक एवं गैर–पारंपरिक रासायनिक पुन:प्राप्ति प्रणालियों में क्षरिकरण प्रक्रिया की जटिलता को कम करना।
- छोटे मिलों के लिए रासायनिक पुन:प्राप्ति परिचालन को कम लागत वाला एवं अधिक सुलभ बनाना।
- ठोस अपशिष्ट और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से जुड़े पर्यावरणीय खतरों एवं ऊर्जा आवश्यकताओं को कम करना।
- चूने की आवश्यकता में कमी लाना।

मुख्य उपलब्धियाँ

- परियोजना का उद्देश्य पारंपरिक एवं कोपलैंड रासायनिक पुन:प्राप्ति प्रणालियों में सोडियम कार्बोनेट वाले स्मेल्ट के क्षरिकरण हेतु उन्नत विधि विकसित करना था।
- इस रणनीति से पारंपरिक और गैर–पारंपरिक दोनों प्रणालियों में क्षरिकरण प्रक्रिया की जटिलता में कमी आएगी तथा परिचालन छोटे मिलों के लिए अधिक किफायती बनेगा।
- परियोजना से ऊर्जा की आवश्यकता, ठोस अपशिष्ट से उत्पन्न पर्यावरणीय खतरे एवं ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी के साथ–साथ चूना उपयोग में भी बचत होगी।
- प्रारंभिक अध्ययनों से संकेत मिला कि लगभग २५% चूना की बचत संभव है।
- परियोजना सफलतापूर्वक पूर्ण हुई।

लुग्दी और कागज़ उद्योग में तकनीकी कर्मियों के लिए सतत शिक्षा कार्यक्रम

उद्देश्य

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य लुग्दी एवं कागज़ निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में नवीनतम विकासों की जानकारी प्रदान कर शॉप फ्लोर और मिड–लेवल तकनीकी कर्मियों को प्रशिक्षित कर उनकी तकनीकी दक्षता बढ़ाना है।

मुख्य उपलब्धियाँ

- इस आर०एस०सी०–डी०सी०पी०पी०ए०आई० प्रायोजित परियोजना के अंतर्गत भारतीय कागज़ उद्योग के तकनीकी कर्मियों

को विभिन्न प्रक्रिया, ऊर्जा एवं पर्यावरण क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

- आई.आई.टी., सी.पी.पी.आर.आई. तथा अन्य संस्थानों एवं उद्योगों के विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा ज्ञान साझा किया गया, जिससे प्रतिभागियों को संसाधनों, उपकरणों एवं प्रक्रिया इकाइयों का सर्वोत्तम उपयोग करने की क्षमता विकसित हुई।
- रिपोर्टिंग अवधि के दौरान संस्थान द्वारा सीपीपीआरआई एवं देश के अन्य हिस्सों में कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- परियोजना नेता द्वारा तकनीकी व्याख्यान भी प्रस्तुत किए गए।
- वर्ष के दौरान उद्योग के २५० से अधिक तकनीकी कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया।
- परियोजना सफलतापूर्वक पूर्ण हुई।

आर०एस०सी०-डी०सी०पी०पी०ए०आई० परियोजनाएँ

लुग्दी एवं कागज मिल के उपचारित अपशिष्ट जल का भूमि अनुप्रयोग एवं इसका मिट्टी, भूजल गुणधर्म एवं फसल उत्पादकता पर प्रभाव मूल्यांकन (सीपीपीआरआई एवं भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान) की संयुक्त परियोजना)

उद्देश्य

इस संयुक्त परियोजना का उद्देश्य लुग्दी एवं कागज मिलों के उपचारित अपशिष्ट जलका कृषि एवं उद्यानिकी में उपयोग करताजे जल के संरक्षणको बढ़ावा देना तथा इसके भूमि अनुप्रयोग का मिट्टी के गुणधर्म, भूजल की गुणवत्ता एवं फसल स्वास्थ्य पर प्रभाव का मूल्यांकन करना है।

मुख्य गतिविधियाँ

- मिल के उपचारित अपशिष्ट जल के विभिन्न तरल्ताओं का उपयोग करते हुए खरीफ मौसम में मक्का एवं धान की खेती और रबी मौसम में गेहूँ एवं सरसों की खेती के लिए फील्ड प्रयोग किए गए।
- विभिन्न पतलनों के संदर्भ में फसल वृद्धि एवं उपज का मूल्यांकन किया गया।
- दो चयनित मिल-फील्ड परीक्षण स्थलों पर पूर्व-बुआई एवं पश्च-बुआई अवस्थाओं में उपचारित अपशिष्ट जल, मिट्टी एवं भूजल के नमूनों का संग्रहण एवं विश्लेषण किया गया ताकि भूमि अनुप्रयोग के प्रभाव का मूल्यांकन किया जा सके।

मिल स्थल पर रबी एवं खरीफ फसलों के साथ क्षेत्रीय परीक्षण

मिल स्थल पर सीपीपीआरआई टीम

- उपर्युक्त सभी परियोजनाओं पीबीएस परियोजनाएँ, आरएससी डीसीपीपीआई परियोजनाएँ, तथा संयुक्त अनुसंधान कार्य – की प्रगति रिपोर्ट तकनीकी उप-समिति एवं अनुसंधान संचालन समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई। इन बैठकों का आयोजन २४.१०.२०२४ एवं २६.१२.२०२४ को किया गया, जहाँ परियोजनाओं की उपलब्धियाँ, प्रगति की स्थिति, और भविष्य की कार्य योजना पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रस्तुत की गई रिपोर्टों को समितियों द्वारा सराहा गया तथा कुछ परियोजनाओं के विस्तार एवं औद्योगिक उपयोगिता के लिए सुझाव दिए गए।

भारतीय कागज़ उद्योग का जनगणना सर्वेक्षण

उद्देश्य

इस परियोजना का उद्देश्य देश के विभिन्न क्लस्टरों/राज्यों में स्थितलुग्दी एवं कागज़ मिलों से संबंधित डेटा को अद्यतन करना है, जिसमें निम्नलिखित पहलू शामिल हैं

- मिलों की संख्या, स्थापित क्षमता एवं वास्तविक उत्पादन
- कागज़ उत्पादन एवं उपभोग की स्थिति
- कच्चे माल का उपयोग एवं उपलब्धता
- आयात एवं निर्यात प्रवृत्तियाँ
- घरेलू कागज उद्योग में हो रहे विकास एवं परिवर्तन

मुख्य उपलब्धियाँ

- नवीनतम डेटा संग्रह हेतु एकव्यापक प्रश्नावली तैयार की गई, जिसमें स्थापित क्षमता, परिचालन क्षमता, कच्चे माल की खपत, उत्पादित अंतिम उत्पाद, मशीनों की संख्या, जल, बिजली एवं भाप की खपत आदि से संबंधित विवरण शामिल थे। यह प्रश्नावली विभिन्न कागज मिलों एवंमिल संघों को प्रेषित की गई।

- काशीपुर क्लस्टर, मुजफ्फरनगर, मेरठ क्लस्टर, तमिलनाडु एवं कर्नाटक राज्यों में लुग्दी एवं कागज मिलों का भौतिक सत्यापन, सूचीकरण एवं डेटा संग्रह सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

- उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीपीआईटी) के संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें मिलों की संख्या, स्थापित क्षमता एवं वार्षिक उत्पादन से संबंधित डेटा हेतु एक केंद्रीकृत पोर्टल विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

- परियोजना की प्रगति रिपोर्ट २४ अक्टूबर २०२४ एवं २६ दिसंबर २०२४को आयोजित बैठकों मेंलुग्दी, कागज एवं संबद्ध उद्योगों की विकास परिषद की तकनीकी उप–समिति एवं अनुसंधान संचालन समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई।

लुग्दी, कागज़ और संबद्ध उद्योगों द्वारा प्रायोजित परियोजना

राष्ट्रीय जूट बोर्ड, कोलकाता द्वारा प्रायोजित विस्कोस फाइबर के लिए पायलट पैमाने पर संपूर्ण जूट घुलने वाले लुग्दी का उत्पादन ।

- **उच्च शुद्धता वाले सेल्यूलोज लुग्दी उत्पादन के लिए उपयुक्तता का पता लगाने के लिए संपूर्ण जूट की खेती और कटाई तथा रासायनिक संरचना पर आयु के प्रभाव का अध्ययन।**

साबुत जूट उच्च शुद्धता वाले घुलने वाले ग्रेड लुग्दी के उत्पादन के लिए एक संभावित सेल्यूलोसिक बायोमास है। साबुत जूट में सिलिका की मात्रा दृढ़ लकड़ी की तुलना में अधिक होती है जो इसका एकमात्र नकारात्मक गुण है। परियोजना प्रयोगों के दौरान, यह देखा गया कि खेती और कटाई के तरीके साबुत जूट की सिलिका सामग्री को प्रभावित करते हैं। इसे समझने के लिए, सीपीपीआरआई में साबुत जूट की कम सिलिका किस्म जेआर0जी१ की खेती की गई। समय-समय पर जूट के पौधों को इकट्ठा करके कटाई की उम्र के प्रभाव का अध्ययन किया गया। यह देखा गया कि जूट की फसल पारंपरिक रूप से १२0 दिनों में काटी जाती है, और यह बहुत कोमल होती थी और इसमें सिलिका की मात्रा अवशोषित होने की संभावना होती थी, जबकि कटाई की उम्र ३0 दिन और बढ़ाने के बाद (कुल १५0 दिन) सिलिका की मात्रा बहुत कम हो गई।

सीपीपीआरआई सहारनपुर में संपूर्ण जूट की खेती

हरा पूरा जूट कोडित JR0204

सूखा पूरा जूट कोडित JR0204

पूरे जूट के नमूने का क्राफ्ट लुग्दीकरण और उसके बाद प्रीहाइड्रोइसिस, प्रयोगशाला में अनुकूलतम परिस्थितियों में किया गया। ८५% (आइएससो) से अधिक चमक प्राप्त करने के लिए, बिना विरंजन किए हुए लुग्दी के नमूने को ईपीडीईपीएहडी विरंजन चरण का उपयोग करके विरंजन किया गया। अंतिम विरंजन किए हुए लुग्दी की विशेषताओं, जैसे अल्फा सेल्यूलोज, हेमीसेल्यूलोज, राख की मात्रा, आयरन और कैल्शियम की चमक का विश्लेषण, घुलने योग्य लुग्दी के उत्पादन का आकलन करने के लिए किया गया।

प्लाईवुड निर्माण इकाइयों में टिकाऊ वैकल्पिक चिपकाने वाले पदार्थों के लिए अंतराल विश्लेषण अध्ययन – पंजाब राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, पंजाब द्वारा प्रायोजित

यूरिया–फॉर्मेल्डिहाइड (यूएफ) और फिनोल–फॉर्मेल्डिहाइड (पीएफ) रेजिन दोनों का उपयोग आमतौर पर प्लाईवुड उद्योग में चिपकाने वाले पदार्थ के रूप में किया जाता है, लेकिन उनका मुख्य नुकसान उच्च फॉर्मेल्डिहाइड उत्सर्जन की क्षमता है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है, खासकर जब बड़ी मात्रा में उपयोग किया जाता है; जबकि यूएफ रेजिन आम तौर पर सस्ते और तेजी से सूखने वाले होते हैं, उनमें पानी का प्रतिरोध कम होता है, जबकि पीएफ रेजिन बेहतर पानी प्रतिरोध प्रदान करते हैं लेकिन महंगे होते हैं, रंग में गहरे होते हैं, और निर्माण के आधार पर अधिक भंगुर हो सकते हैं। केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान, सहारनपुर ने लिग्निन–फिनोल–फॉर्मेल्डिहाइड / लिग्निन फॉर्मेल्डिहाइड रेजिन जैसे वैकल्पिक चिपकाने वाले पदार्थ विकसित किए हैं

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्रायोजित परियोजना यमुना नदी बेसिन में अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों की निगरानी–

सीपीपीआरआई ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा राज्यों में गंगा और हिंडन नदी बेसिन में स्थित १४३ से अधिक अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों (जीपीआई) की तकनीकी और पर्यावरणीय स्थिति की निगरानी सफलतापूर्वक पूरी कर ली है । जीपीआई इकाइयाँ विभिन्न क्षेत्रों जैसे लुग्दी और कागज मिलें, कपड़ा इकाइयाँ और इलेक्ट्रोप्लेटिंग एवं रसायन जैसी अन्य इकाइयाँ शामिल थीं । सीपीपीआरआई द्वारा निरीक्षण की गई इकाइयों की एक विस्तृत रिपोर्ट सीपीसीबी को प्रस्तुत की गई ।

कपड़ा और कागज इकाइयाँ

अन्य प्रायोजित परियोजना

सेंचुरी लुग्दी एंड कागज़ में उत्पाद मिश्रण में परिवर्तन के साथ–साथ संशोधन और आधुनिकीकरण द्वारा ६१५१०० टीपीए से ६२५००० टीपीए तक प्रस्तावित क्षमता विस्तार के लिए प्रदूषण भार में कोई वृद्धि नहीं होने का आकलन

- देश की अग्रणी कागज़ मिल, सेंचुरी लुग्दी एंड पेपर, लालकुआं द्वारा केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान को एक परियोजना सौंपी गई थी , जिसका उद्देश्य मिल में उत्पाद मिश्रण में परिवर्तन के साथ–साथ संशोधन एवं आधुनिकीकरण द्वारा ६१५१०० टीपीए से ६२५०० टीपीए तक प्रस्तावित क्षमता विस्तार के लिए प्रदूषण भार में कोई वृद्धि न होने के आकलन पर एक रिपोर्ट तैयार करना था ।

- मिल से प्राप्त तथा उसके बाद के दौरों के दौरान प्रस्तावित विस्तार से संबंधित आंकड़ों और सूचनाओं के आधार पर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार की गई तथा मिल को प्रस्तुत की गई ।

- उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण, देहरादून द्वारा रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया गया है और रिपोर्ट के आधार पर सेंचुरी लुग्दी एंड पेपर को उत्पाद मिश्रण में परिवर्तन के साथ संशोधन और आधुनिकीकरण द्वारा ६१५१०० टीपीए से ६२५००० टीपीए तक क्षमता विस्तार की मंजूरी मिल गई है ।

कागज परीक्षण प्रभाग और १०६ द्वारा विभिन्न परीक्षणों के लिए कुल ४२६४ कागज के नमूने प्राप्त हुए वर्ष २०२४-२५ में एसपीपीएम प्रभाग द्वारा तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट तैयार की गई ।

निम्नलिखित ग्राहकों के लिए विभिन्न फाइबर, भौतिक और शक्ति गुणों के लिए लुग्दी के मूल्यांकन पर रिपोर्ट-

- ट्रेडकॉम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली (१ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- विशाखा इंडस्ट्रीज लिमिटेड, नलगोंडा, पोस्ट - कुक्कड़म, तेलंगाना (१ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- स्पार्टन लुग्दी प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात (१तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- राइनो रूफिंग प्रोडक्ट लिमिटेड, कोलंबो, श्रीलंका (२ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- ब्राउन ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड, जेबी नगर, अंधेरी-पूर्व, मुंबई द्ध१ तकनीकी परीक्षण रिपोर्टत्र्

- सेलपैप मर्केटाइल एलएलपी, मुंबई, महाराष्ट्र (१ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- सह्याद्रि इंडस्ट्रीज लिमिटेड, पुणे, महाराष्ट्र (२ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- इको टेक पेपर्स, गुवाहाटी, असम (१ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- एवरेस्ट इंडस्ट्रीज लिमिटेड, भगवानपुर, उत्तराखंड (५ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- सेंचुरी लुग्दी एंड पेपर, घनश्याम धाम, लालकुआ, जिला। नैनीशियल, उत्तराखंड (४ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- ACFA औद्योगिक कंपनी फॉर इंडस्ट्री, रियाद, सऊदी अरब (१ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- यश पक्का लिमिटेड, अयोध्या, उत्तर प्रदेश द्ध२ तकनीकी परीक्षण रिपोर्टत्र्
- सेलपैप मर्केटाइल एलएलपी, मुंबई, महाराष्ट्र (१ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- जॉली बोर्ड लिमिटेड, औरंगाबाद, महाराष्ट्र (७ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- ACFA औद्योगिक कंपनी फॉर इंडस्ट्री, रियाद, सऊदी अरब (३ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (१ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- उर्वशी लुग्दी एंड पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, अंकलेश्वर (१ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- एवरेस्ट इंडस्ट्रीज लिमिटेड, भगवानपुर, उत्तराखंड (४ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- ब्राउन ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड, जेबी नगर, अंधेरी-पूर्व, मुंबई (२ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- शिवा हैंडमेड पेपर, हरिद्वार, उत्तराखंड (१ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- दुर्गा हैंडमेड पेपर्स, बिहारीगढ़, उत्तराखंड (१ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- ट्रेडकॉम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली (२ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- स्पार्टन लुग्दी प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात (२ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- जीवीजी पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, उदुमलाईपेट्टई, तमिलनाडु (१ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- श्री बालामुरुगन पेपर्स एंड बोर्ड्स, तमिलनाडु (१ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- श्रीनिवास पेपर्स एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, तमिलनाडु (१ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)

- यूफ्लेक्स लिमिटेड, पैकेजिंग डिवीजन, नोएडा, उत्तर प्रदेश (१ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)
- राइनो रूफिंग प्रोडक्ट लिमिटेड, कोलंबो, श्रीलंका (२ तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट)

परामर्श परियोजनाएं/सेवाएं

परियोजना का नाम	प्रायोजित एजेंसी
गेहूं के भूसे और नीलगिरी की लकड़ी के नमूने के लिए योजक लुग्दी	मेसर्स एब्सोल्यूट साइंटिफिक सॉल्यूशंस जगाधरी, जिला यमुना नगर (हरियाणा)
पूर्वोत्तर भारत में लुग्दी और कागज के उत्पादन के लिए बांस के उपयोग पर व्यवहार्यता अध्ययन	मेसर्स कोहिनूर लुग्दी एंड पेपर प्राइवेट लिमिटेड, असम
मिल लुग्दी के ओजोन विरंजन का अध्ययन	एमएस। हरिहर पॉलीफाइबर, कुमारपट्टनम, जिला: हावेरी, कर्नाटक।
घुलने योग्य ग्रेड लुग्दी तैयार करने के लिए मोरिंगा की छाल उतारना	मेसर्स एबीएस्टीसीएल, मुंबई, महाराष्ट्र
पैकेजिंग ग्रेड लुग्दी के लिए वार्षिक घास का उपयोग	मेसर्स देवी एनर्जीज, हैदराबाद।
अरामिड फाइबर का अनुकूलन शोधन अध्ययन	मेसर्स मुकेश फर्निशिंग्स प्राइवेट लिमिटेड, पानीपत।
ओडी–ईओपीडीडी विरंजन अनुक्रम के बाद बबूल का ई सी एफ विरंजन	मेसर्स वेस्ट कोस्ट पेपर मिल, बांगुर नगर, दांडेली।
ओडीहॉट–ईओपीडीएनडी विरंजन अनुक्रम के बाद नीलगिरी का ईसीएफ विरंजन	मेसर्स वेस्ट कोस्ट पेपर मिल, बांगुर नगर, दांडेली।
५ किग्रा घुलनशील ग्रेड पूरे जूट लुग्दी की तैयारी	मेसर्स रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान जीटी रोड, कानपुर

तकनीकी और परामर्श सेवाएँ

विभिन्न रेशेयुक्त एवं अरेशेयुक्त कच्चे माल (जैसे लुग्दी, कागज़, वुडी एवं नॉन–वुडी रॉ मटीरियल्स, काला द्राव, चूना, चूना स्लज, हरा द्राव, सफेद द्राव, अपशिष्ट जल, भूजल, ठोस अपशिष्ट आदि) के नमूनों का विश्लेषण करते हुए, निम्नलिखित मिलों एवं संगठनों को तकनीकी सेवाएँ प्रदान की गई।

सेवाएँ प्रदान की गई प्रमुख इकाइयाँ

- ए.के. एंटरप्राइजेज, पटना, बिहार
- ए.पी. पेपर मिल्स लिमिटेड, मोहाली, पंजाब
- आरोही एंटरप्राइजेज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- एब्सोल्यूट साइंटिफिक सॉल्यूशंस, जगाधरी, हरियाणा
- एसीएफए इंडस्ट्रियल कंपनी फॉर इंडस्ट्री, रियाद, सऊदी अरब
- आदिनाथ इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- आद्या एंटरप्राइजेज, रीवा, मध्य प्रदेश
- एफलक्स आईटी सॉल्यूशंस, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- अग्रवाल डुप्लेक्स बोर्ड मिल्स लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- अग्रवाल जर्दा फैक्टरी प्राइवेट लिमिटेड, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश
- अल धाफरा पेपर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी एलएलसी, अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात
- अमर उजाला प्रकाशन लिमिटेड, नोएडा, उत्तर प्रदेश
- अमेजन पपायरस केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, सांगारेड्डी, हैदराबाद, तेलंगाना
- एम्बर प्रेस प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- अमृता प्रिंटर्स, कानपुर, उत्तर प्रदेश
- आंध्र पेपर लिमिटेड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
- आंध्र पेपर लिमिटेड, कडीयम, आंध्र प्रदेश
- एंड्रिट्ज टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, तमिलनाडु
- अंजलि आर्ट, इटावा, उत्तर प्रदेश
- अंकिता सिंह (शोधार्थी), गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
- अनुभव एंटरप्राइजेज, कानपुर, उत्तर प्रदेश
- अनुपम प्रकाशन, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- अशोक राय बोर्ड्स, चेन्नई, तमिलनाडु
- औम् पेपर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, जयनगर, बेंगलुरु
- एवरी डेनिसन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम, हरियाणा

- अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश
- बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड, नई दिल्ली
- भगवत प्रिंटिंग प्रेस, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- भार्गव एंटरप्राइजेज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, उत्तर प्रदेश
- भोला राम पेपर्स एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश
- भूपेन्द्र सिंह नेगी, रायपुर, देहरादून, उत्तराखंड
- बिहार राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, पटना, बिहार
- बिहार राज्य पाठ्यपुस्तक प्रकाशन निगम लिमिटेड, पटना, बिहार
- बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना, बिहार
- बिंडल्स पेपर मिल्स लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- स्कूल शिक्षा बोर्ड हरियाणा, भिवानी, हरियाणा
- ब्राउन ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- कैपिटल बिजनेस सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली
- सेलपैप मर्चेंटाइल एलएलपी, मुंबई, महाराष्ट्र
- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली
- सेंचुरी पल्प एंड पेपर, नैनीताल, उत्तराखंड
- चाँदपुर एंटरप्राइजेज लिमिटेड, बिजनौर, उत्तर प्रदेश
- चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश
- चीमा पेपर्स लिमिटेड, काशीपुर, उत्तराखंड
- केम प्रोसेस सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
- छवि एंटरप्राइजेज, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश
- सर्क्ला टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- कंट्रोलर ऑफ स्टेशनरी, तिरुवनंतपुरम, केरल
- सायरिक्स हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, कोच्चि, केरल
- डी बी कॉर्प लिमिटेड, नोएडा, उत्तर प्रदेश
- दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक, पटना, बिहार
- डीडीएलएस पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- दीपक आर्ट प्रिंटर्स, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई), कानपुर, उत्तर प्रदेश
- दिल्ली ब्यूरो ऑफ टेक्स्ट बुक्स, दिल्ली
- निदेशक – सीएसआईआर–एनआईआईएसटी, तिरुवनंतपुरम, केरल
- डॉ. अंशुमान सिंह, अमेठी, उत्तर प्रदेश

- डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- दुर्गा हैंडमेड पेपर्स, हरिद्वार, उत्तराखंड
- डायनेमिक टेक्स्टबुक्स प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, झाँसी, उत्तर प्रदेश
- ईस्ट कॉरिडोर कंसल्टेंट्स इंडिया एलएलपी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- इको टेक पेपर्स, गुवाहाटी, असम
- एकता प्रिंटिंग प्रेस, मुरैना, मध्य प्रदेश
- एलेगेंस इंडिया, दिल्ली
- इलिजियम इंडस्ट्रीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जलालपोर, गुजरात
- एम्प्लॉयमेंट न्यूज (प्रकाशन विभाग), नई दिल्ली
- एनमस एंड्रिट्ज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, तमिलनाडु
- एवरेस्ट इंडस्ट्रीज लिमिटेड, भगवापुर, उत्तराखंड
- एवरग्रीन सस्टेनेबल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, यमुनानगर, हरियाणा
- फाइबमोल्ड पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड, पश्चिम मुंबई, महाराष्ट्र
- गैलेक्सी प्रेस प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- गर्ग डुप्लेक्स एंड पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- गायत्रीशक्ति पेपर एंड बोर्ड्स लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- जनरल ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
- जीनस पेपर एंड बोर्ड्स लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- ग्लोबल कंट्रोल सिस्टम, रूड़की, उत्तराखंड
- जीएम ऑफसेट, दिल्ली
- गोयल पल्प एंड पेपर प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- गुड लक पब्लिशर्स लिमिटेड, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश
- गोपाल ट्रेडर्स, कटक, ओडिशा
- गॉस्पेल प्रेस, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, कुमारपट्टनम, कर्नाटक
- ग्रीन ग्लोब सीईं एंड रीसाइक्लिंग एलएलपी, सूरत, गुजरात
- ग्रीवॉस बायोपैक एलएलपी, राजकोट, गुजरात
- गुलशन पॉलीऑल्स लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- जीवीजी पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, उडुमलैपट्टै, तमिलनाडु
- हर हर महादेव पेपर मिल्स एलएलपी, संत कबीर नगर, गोरखपुर
- हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद, पंचकुला, हरियाणा
- हार्ट टच पेपर प्राइवेट लिमिटेड, काशीपुर, उत्तराखंड
- हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड

- हाईटेक पेपर्स, सूरत, गुजरात
- हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश
- एच.टी. मीडिया लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
- आई.के. गुर्जराल पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय, कपूरथला, पंजाब
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- इनफिनिटी एडवर्टाइजिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, फरीदाबाद, हरियाणा
- इनटेक टेप्स प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु, कर्नाटक
- आई.पी.ए स.डी. पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
- आई.टी.सी. लिमिटेड, पी.एस.पी.डी. त्रिबेणी, हुगली, पश्चिम बंगाल
- आई.टी.सी. लिमिटेड, पी.एस.पी.डी., सिकंदराबाद, तेलंगाना
- आई.टी.सी. लिमिटेड, पी.एस.पी.डी., तेलंगाना
- जे.के. पेपर लिमिटेड, रायगढ़ा, ओडिशा
- जितेन्द्र एंड कंपनी, दिल्ली
- जीवनदीप कॉन्सेप्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, लखीमपुर खीरी, उत्तर प्रदेश
- जे.के. पेपर लिमिटेड, तापी, गुजरात
- जे.के. पेपर लिमिटेड, नई दिल्ली
- जोली बोर्ड लिमिटेड, औरंगाबाद, महाराष्ट्र
- के.एम. पेपर्स, रुद्रपुर, उत्तराखंड
- के.आर. पल्प एंड पेपर लिमिटेड, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश
- के.सी. प्रिंटिंग एंड एलाइड वर्क्स, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- के.पी. पैकेजिंग लिमिटेड, दमन दीव, महाराष्ट्र
- कागज केंद्र, कानपुर, उत्तर प्रदेश
- कामाक्षी पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, गजरौला, उत्तर प्रदेश
- करालय बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड, पटना, बिहार
- कर्नाटक टेक्स्ट बुक सोसाइटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
- खन्ना पेपर मिल्स लिमिटेड, अमृतसर, पंजाब
- किसान प्रिंटर्स एंड पैकर्स, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश
- कृष्णा एंड संस पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, रतनपुरी, उत्तराखंड
- कृष्णा इंडस्ट्रीज, अहमदाबाद, गुजरात
- कृष्णांचल पल्प एंड पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- क्वांटम पेपर लिमिटेड, होशियारपुर, पंजाब
- कुमाऊं जियोरिसोर्स प्राइवेट लिमिटेड, हरिपुर, जमनसिंह, उत्तराखंड
- कुमार प्रिंटर्स एंड स्टेशनर्स, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश

- कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीट्यूट, जयपुर, राजस्थान
- लधार पेपर मिल्स, जालंधर, पंजाब
- लवली ऑफसेट प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, शिवकाशी, तमिलनाडु
- लखनऊ प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- एम.एल. पेपर कन्वर्टर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश
- मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश
- मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर, राजस्थान
- माध्यमिक शिक्षा मंडल छत्तीसगढ़, रायपुर, छत्तीसगढ़
- माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश, भोपाल, मध्य प्रदेश
- माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
- मैग्नम वेंचर्स लिमिटेड, साहिबाबाद, उत्तर प्रदेश
- महार्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा
- माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश
- मनोहर प्रिंटिंग प्रेस, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- मारुति पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, शामली, उत्तर प्रदेश
- मैक्सिम स्पेशलिटी केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश
- मीनू पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- माइक्रॉनिक्स कंप्यूटर्स, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- मित्रा डेटा केयर, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- मुकेश एजुकेशनल स्टोर, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश
- मुकेश फर्निशिंग प्राइवेट लिमिटेड, पानीपत, हरियाणा
- मैसूर सेल्स इंटरनेशनल लिमिटेड, बेंगलुरु, कर्नाटक
- नैनी पेपर्स लिमिटेड, काशीपुर, उत्तराखंड
- नारंग ट्रेडर्स, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश
- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा, उत्तर प्रदेश
- राष्ट्रीय जूट बोर्ड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
- नेशनल प्रिंटर्स, राँची, झारखंड
- न्यू लोकमान्य प्रेस, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- निर्मल ट्रेडर्स, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
- उत्तर बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, पटना, बिहार

- नॉर्दर्न इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
- नोवट्योर इलेक्ट्रिकल एंड डिजिटल सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, नासिक, महाराष्ट्र
- एन.पी. एंटरप्राइजेज, मेरठ, उत्तर प्रदेश
- एन.पी.टी. पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली
- सीमा शुल्क आयुक्त (निर्यात) कार्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र
- ओमश्री पेपरटेक प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना
- ऑर्गेनो केमिकल इंडस्ट्रीज, मुंबई, महाराष्ट्र
- ओरिएंट बोर्ड एंड पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- ओरिएंट पेपर मिल्स, शहडोल, मध्य प्रदेश
- ऑयस्टर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
- पक्का इम्पैक्ट लिमिटेड, बेंगलुरु, कर्नाटक
- पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- पराग डी. नाथे, ठाणे, महाराष्ट्र
- पारस प्रिंटर्स, दिल्ली
- पार्कसंस पैकेजिंग लिमिटेड, रुद्रपुर, उत्तराखंड
- पर्ल माइनकेम, उदयपुर, राजस्थान
- पी.आई. हेम्प प्राइवेट लिमिटेड, सोलन, हिमाचल प्रदेश
- पायनियर प्रिंटर्स, आगरा, उत्तर प्रदेश
- पिताम्बरा बुक्स प्राइवेट लिमिटेड, झाँसी, उत्तर प्रदेश
- पूजा ट्रेडर्स, इटावा, उत्तर प्रदेश
- प्रकाश पैकेजर्स, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- प्रारम्भिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान, भोजपुर, बिहार
- प्रिंट ओ लैंड, जयपुर, राजस्थान
- प्रिंट प्लस प्राइवेट लिमिटेड, ठाणे, महाराष्ट्र
- प्रिन्टेक्स इंडिया, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश
- मुद्रण एवं स्टेशनरी विभाग, पंचकुला, हरियाणा
- प्रो. राजेन्द्र सिंह (राज्जू भैया) विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश
- पी.एस.बी. पेपर लिमिटेड, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड
- पल्प एंड पेपर रिसर्च इंस्टीट्यूट, जेकेपुर, रायगढ़ा, ओडिशा
- पंजाब नेशनल बैंक, नोएडा, उत्तर प्रदेश
- पंजाब राज्य लॉटरी विभाग, चंडीगढ़, पंजाब
- क्वार्टरफोल्ड प्रिंटेबिलिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- आर.के. ट्रेडिंग कंपनी, कासगंज, उत्तर प्रदेश

- रैडेक्स स्टेशनरी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली
- राघव पेपर कॉरपोरेशन, चंडीगढ़
- राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मण्डल, जयपुर, राजस्थान
- राजीव केमिकल प्राइवेट लिमिटेड, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
- राजीव प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
- राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ नॉलेज टेक्नोलॉजीज, नुजविद, आंध्र प्रदेश
- राजीव मशीन प्राइवेट लिमिटेड, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
- राज्य केंद्रीय मुद्रणालय, जयपुर, राजस्थान
- राज्य परियोजना निदेशक, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- राम श्याम पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, बरेली, उत्तर प्रदेश
- रायना पेपर बोर्ड इंडस्ट्रीज लिमिटेड (यूनिट–I), संत कबीर नगर, उत्तर प्रदेश
- रिन्यूसिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- राइनो रूफिंग प्रोडक्ट लिमिटेड, कोलंबो, श्रीलंका
- ऋषभ मेटल्स एंड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- रुचिरा पेपर्स लिमिटेड, सिरमौर, हिमाचल प्रदेश
- एस.के. एंड कंपनी, बदायूं, उत्तर प्रदेश
- एस.के. पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, धन्देरा, उत्तर प्रदेश
- सहोता पेपर्स लिमिटेड, जसपुर, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड
- सह्याद्री इंडस्ट्रीज लिमिटेड, पुणे, महाराष्ट्र
- सलीम, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश
- समेकित बाल विकास सेवाएँ निदेशालय (आई.सी.डी.एस.), पटना, बिहार
- संजय पब्लिसिटी एंड स्टेशनर्स, कासगंज, उत्तर प्रदेश
- संयुक्त आयुक्त, मद्यनिषेध, पटना, बिहार
- एस.ए.पी. प्रिंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय, पंचकुला, हरियाणा
- स्यूराप्रिंट प्राइवेट लिमिटेड, फरीदाबाद, हरियाणा
- सिक्योरिटी प्रिंटर्स ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कानपुर, उत्तर प्रदेश
- शाह पेपर मिल लिमिटेड, वापी, गुजरात
- शारदा पेपर्स, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- शिव एंटरप्राइजेज, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
- शिवा हैंडमेड पेपर्स, हरिद्वार, उत्तराखंड
- शिवम ऑफसेट, कोल्हापुर, महाराष्ट्र
- श्री भागेश्वरी पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश

- श्री केलाजी बुक्स प्राइवेट लिमिटेड, आगरा, उत्तर प्रदेश
- श्री कृष्णा पेपर मिल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड, नई दिल्ली
- श्री शिवाय एंटरप्राइजेज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- श्री सिद्धबली पेपर मिल्स लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- श्री वृंदावन एंटरप्राइजेज, नोएडा, उत्तर प्रदेश
- श्रेयांस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, अहमदगढ़, पंजाब
- श्री बालाजी ट्रेडलिंक, तारोड़ी, नागपुर, महाराष्ट्र
- श्री प्रेमा एंटरप्राइजेज, नोएडा, उत्तर प्रदेश
- श्री राम एंटरप्राइजेज, नोएडा, उत्तर प्रदेश
- श्री स्वरूप एंटरप्राइजेज, नोएडा, उत्तर प्रदेश
- श्रीराम औद्योगिक अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
- सिगवक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, अलवर, राजस्थान
- सिल्वरटन पेपर्स लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- सिल्वरटन पल्प एंड पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- सिंघल एजेंसियाँ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- स्काईलार्क प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- श्रीमती निहारिका गुप्ता, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- दक्षिण बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, पटना, बिहार
- स्पार्टन पल्प प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
- श्री बालमुरुगन पेपर्स एंड बोर्ड्स, नामक्कल जिला, तमिलनाडु
- श्री हर्षा कंक्रीट प्रोजेक्ट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना
- श्रीनिवास पेपर एजेंसियाँ प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, तमिलनाडु
- एस.एस. एंटरप्राइजेज, धार, मध्य प्रदेश
- स्टार पेपर मिल्स लिमिटेड, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश
- राज्य स्वास्थ्य सोसाइटी, पटना, बिहार
- राज्य अति निर्धन एवं सामाजिक कल्याण सोसाइटी, पटना, बिहार
- सुचित्रा डाइंग एंड प्रिंटिंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, बालेसर, गुजरात
- सूचना एवं जन संपर्क विभाग, पटना, बिहार
- सन प्लास्ट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
- सन वुड इंडस्ट्री, यमुनानगर, हरियाणा
- सनसिटी केमिकल एंड मिनरल प्राइवेट लिमिटेड, जोधपुर, राजस्थान
- सूरत नगर निगम, सूरत, गुजरात
- सूर्यांश पल्प एंड बोर्ड प्राइवेट लिमिटेड, कुरुक्षेत्र, हरियाणा

- स्वस्तिक प्रिंटवेल (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- सिस्टोमैट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- टीटीडी प्रेस, तिरुपति, आंध्र प्रदेश
- टिहरी पल्प एंड पेपर लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- असम राज्य पाठ्यपुस्तक उत्पादन एवं प्रकाशन निगम लिमिटेड, गुवाहाटी, असम
- द इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, नोएडा, उत्तर प्रदेश
- द इंस्टिट्यूट आूफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स आूफ इंडिया, दिल्ली
- द संदेश लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
- द सिरपुर पेपर मिल्स लिमिटेड, कागजनगर, आदिलाबाद, तेलंगाना
- द ट्रैश कंपनी, अहमदाबाद, गुजरात
- द ट्रिब्यून ट्रस्ट, चंडीगढ़
- द वेस्ट कोस्ट पेपर मिल्स लिमिटेड, डांडेली, कर्नाटक
- तिरुपति बालाजी फाइबर्स प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- ट्रेडकॉम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली
- यू.वी. एंटरप्राइजेज, आगरा, उत्तर प्रदेश
- यूफ्लेक्स लिमिटेड, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश
- उमेश के.आर.एन. त्यागी, देहरादून, उत्तराखंड
- यूनिलीवर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- यूनिवर्सल इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश
- अपर राज्य परियोजना निदेशक, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- उर्वशी पल्प एंड पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, अंकलेश्वर, गुजरात
- वी.एस. प्रिंट ग्राफिक्स, झाँसी, उत्तर प्रदेश
- वीर नरमद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत, गुजरात
- विद्या विहार, नई दिल्ली
- विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, मध्य प्रदेश
- विपिन पेपर एजेंसियाँ, बेंगलुरु अर्बन, कर्नाटक
- विसाका इंडस्ट्रीज लिमिटेड, नलगोंडा, तेलंगाना
- विश्व परिवार, रायपुर, छत्तीसगढ़
- वेस्ट कोस्ट पेपर मिल्स लिमिटेड, डांडेली, कर्नाटक
- व्हेल स्टेशनरी प्रोडक्ट्स लिमिटेड, देहरादून, उत्तराखंड
- यश पक्का लिमिटेड, अयोध्या, उत्तर प्रदेश
- यश प्रिंटिंग प्रेस, बिजनौर, उत्तर प्रदेश
- यॉर्क सेल्यूलोज प्राइवेट लिमिटेड, यमुनानगर, हरियाणा

- जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, पटना, बिहार
- जिला जन संपर्क पदाधिकारी, समस्तीपुर, बिहार

परामर्श सेवाएँ

पर्यावरण विभाग द्वारा निम्नलिखित परामर्श प्रदान किए गए

शून्य तरल अपशिष्ट उत्सर्जन व्यवहार्यता मूल्यांकन

- गर्जया पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, बाजपुर, उत्तराखंड
- हर हर महादेव पेपर मिल्स एलएलपी, जब्बार टप्पा मेहदावल, संत कबीर नगर, उत्तर प्रदेश

अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र प्रदर्शन मूल्यांकन

-
- श्री भागेश्वरी पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड (यूनिट 2), मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- बिंडल्स पेपर मिल्स लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- टिहरी पल्प एंड पेपर लिमिटेड (यूनिट–I), मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- टिहरी पल्प एंड पेपर लिमिटेड (यूनिट-II), मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- गर्ग डुप्लेक्स एंड पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- सिल्वरटन पल्प एंड पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड (यूनिट-I), मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- सिल्वरटन पल्प एंड पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड (यूनिट-II), भोपा रोड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- सिद्धबली पेपर मिल्स लिमिटेड, भोपा रोड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- मीनू पेपर मिल्स, भोपा रोड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- तिरुपति बालाजी फाइबर्स प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश

इ टी पी की पर्याप्तता मूल्यांकन

- **पल्पिंग और ब्लीचिंग के क्षेत्र में परामर्श सेवाएँ प्रदान की गई निम्नलिखित इकाइयों को**
- एब्सोल्यूट साइंटिफिक सॉल्यूशंस, जगाधरी, जिला यमुनानगर, हरियाणा
- कोहिनूर पल्प एंड पेपर प्राइवेट लिमिटेड, असम
- हरिहर पॉलीफाइबर, कुमारपट्टनम, जिला हावेरी, कर्नाटक
- ए.बी.एस.टी.सी.एल., मुंबई, महाराष्ट्र

- देवी एनर्जीज, हैदराबाद, तेलंगाना
- मुकेश फर्निशिंग्स प्राइवेट लिमिटेड, पानीपत, हरियाणा
- वेस्ट कोस्ट पेपर मिल, बंगुर नगर, डांडेली, कर्नाटक
- वेस्ट कोस्ट पेपर मिल, बंगुर नगर, डांडेली, कर्नाटक
- रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई), जी.टी. रोड, कानपुर, उत्तर प्रदेश

बैठकें आयोजित/प्रतिभाग

सीपीपीआरआई की आर.ए.सी एवं आर.एस.सी की महत्वपूर्ण बैठकें

आर.ए.सी. तकनीकी समिति की बैठक

सीपीपीआरआई की आर.ए.सी तकनीकी समिति की बैठक ४ दिसंबर २०२४ को हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई। बैठक का समन्वय डॉ. आशीष कुमार (निदेशक, सीपीपीआरआई) द्वारा किया गया। तकनीकी समिति के सदस्य एवं प्रतिनिधियों ने ऑनलाइन माध्यम से बैठक में भाग लिया। बैठक में आर.ए.सी. की पाँच परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट संबंधित परियोजना प्रमुखों द्वारा प्रस्तुत की गई। सदस्यों द्वारा दी गई महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ और सुझाव बैठक की कार्यवृत्त में दर्ज किए गए। बैठक के दौरान "स्टेट–ऑफ–द–आर्ट केमिकल रिकवरी लेबोरेटरी" नामक परियोजना के परियोजना–अन्वेषक डॉ. ए.के. दीक्षित द्वारा परियोजना की अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया गया, जिसकी अनुशंसा समिति द्वारा की गई।

सीपीपीआरआई अनुसंधान परामर्श समिति

सीपीपीआरआई की आर.ए.सी बैठक १८ अक्टूबर २०२४ को हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई। बैठक में श्री एन.के. वाधवा (निदेशक, डीपीपीआइटी) ने निदेशक सीपीपीआरआई द्वारा प्रस्तुत विभिन्न एजेंडा बिंदुओं का अवलोकन किया। बैठक की अध्यक्षता श्री संजीव (संयुक्त सचिव, डीपीपीआइटी) द्वारा की गई। डॉ. आशीष, निदेशक सीपीपीआरआई, ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया। समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने आर.ए.सी की पाँच परियोजनाओं की प्रगति का अवलोकन किया। परियोजनाओं से संबंधित मूल्यवान सुझावों को कार्यवृत्त में दर्ज किया गया तथा अध्यक्ष की स्वीकृति के उपरांत सदस्यों में प्रसारित किया गया। बैठक के दौरान "स्टेट–ऑफ–द–आर्ट केमिकल रिकवरी लेबोरेटरी" परियोजना के अन्वेषक डॉ. ए.के. दीक्षित द्वारा परियोजना की अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया गया, जिसे आर.ए.सी के अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया।

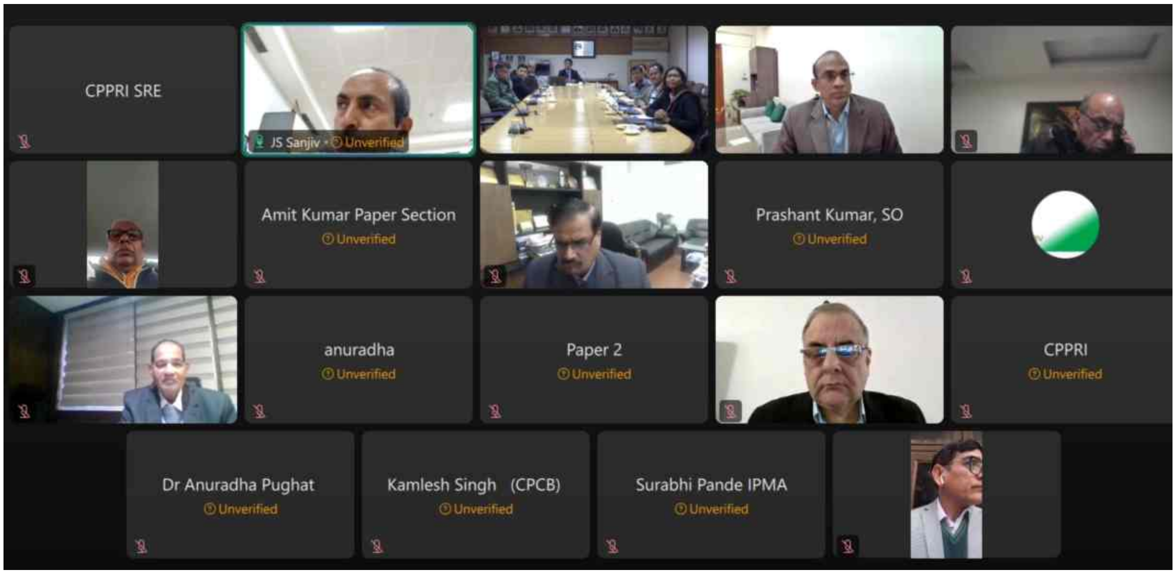

लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योगों के लिए विकास परिषद की बैठक

लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योगों के लिए विकास परिषद की बैठक

१९ जुलाई २०२४ को हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्री संजीव, संयुक्त सचिव, डीपीआइआइटी द्वारा की गई। बैठक में डॉ. एल.पी. सिंह, निदेशक, सीपीपीआरआई एवं सदस्य सचिव, ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया। बैठक में एक्शन टेकन रिपोर्ट तथा लुग्दी और कागज उद्योग से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गई। उद्योग से संबंधित प्रमुख तकनीकी और नीतिगत विषयों पर विचार–विमर्श कर आवश्यक सुझाव प्रस्तुत किए गए।

लुग्दी, कागज़ और संबद्ध उद्योगों के लिए विकास परिषद की तकनीकी उप–समिति की बैठक

आरएस सी–डीसीपीपीएआई की तकनीकी उप–समिति की बैठक २४ अक्टूबर २०२४ को श्री नीहार अग्रवाल की अध्यक्षता में हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई। बैठक में अन्य सदस्य – डॉ. धर्मदत्त (आईआईटी रुड़की, सहारनपुर परिसर), डॉ. विवेक कुमार (आईआईटी दिल्ली), डॉ. सी.एस. काशीकर (ओरिएंट कागज़ मिल्स लि.), श्री सुरेश बाबू (खन्ना कागज़ मिल्स लि.) उपस्थित रहे। डॉ. नितिन एंडले (वरिष्ठ वैज्ञानिक), सीपीपीआरआई ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया। समिति ने चल रही परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की तथा नई परियोजनाओं के प्रस्तावों पर विचार किया।

लुग्दी, कागज़ और संबद्ध उद्योगों के लिए विकास परिषद की बैठक

लुग्दी, कागज़ एवं संबद्ध उद्योगों के लिए विकास परिषद् की अनुसंधान संचालन समिति की बैठक २६ दिसंबर २०२४ को वाणिज्य

भवन, नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्री संजीव, संयुक्त सचिव, डीपीआइआइटी द्वारा की गई। डॉ. आशीष कुमार, निदेशक सीपीपीआरआई एवं सदस्य सचिव, ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया। बैठक हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई। समिति ने चल रही परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की और तकनीकी उप–समिति द्वारा नई परियोजनाओं के लिए दी गई सिफारिशों पर चर्चा की। इन सिफारिशों को समिति द्वारा अनुमोदित किया गया।

बैठकों मे प्रतिभाग

- २४ अप्रैल २०२५ को एक बैठक आयोजित की गई जिसमें श्री एन.के. जैन (सीईओ, कोहिनूर लुग्दी एंड कागज प्रा. लि.) तथा सीपीपीआरआई के निदेशक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक – डॉ. ए.के. दीक्षित, डॉ. प्रीति एस. लाल, डॉ. संजय त्यागी और श्री आलोक गोयल उपस्थित रहे। बैठक में पूर्वोत्तर भारत में कागज निर्माण हेतु बाँस की उपलब्धता और उच्च गुणवत्ता वाले कागज उत्पादन में इसके उपयोग से संबंधित संध्यता रिपोर्ट पर चर्चा की गई। श्री एन.के. जैन द्वारा संध्यता रिपोर्ट तैयार करने की परियोजना का प्रायोजन सीपीपीआरआई को प्रदान किया गया।

कोहिनूर लुग्दी एंड कागज प्राइवेट लिमिटेड के साथ आयोजित बैठक

- डॉ. संजय त्यागी एवं श्री आलोक कुमार गोयल ने सी एच डी १५ की तकनीकी समिति की बैठक में भाग लिया, जो २५ अप्रैल २०२४ को सीपीपीआरआई, सहारनपुर में हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई।
- डॉ. ए.के. दीक्षित, डॉ. प्रीति एस. लाल एवं डॉ. अरविंद शर्मा ने आर एस सी परियोजना "पराली उपयोग पर संध्यता रिपोर्ट" से संबंधित प्रथम बैठक में भाग लिया। बैठक में एस. जी. (आई. ए. आर. पी. एम. ए.) से डॉ. बी.पी. थपलियाल एवं श्री धनंजय कुमार, श्री मुकेश (कोल्विन) तथा सुश्री सिमरन (यूप्रेक्सिया एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड) उपस्थित रहे। यह बैठक ३ मई २०२४ को सीपीपीआरआई बोर्ड रूम में आयोजित हुई।
- डॉ. संजय त्यागी एवं श्री आलोक कुमार गोयल ने १३ मई २०२४ को कागज सेक्शन, नई दिल्ली का दौरा किया तथा सीपीपीआरआई फंड्स, पी एफ एम एस कार्यालय (शिवाजी स्टेडियम) एवं बीआइएस मनक भवन में पी ९ समिति की बैठक में संयोजक के रूप में भाग लिया।

- डॉ. प्रीति एस. लाल ने २७ मई २०२४ को सेतिया कागज़ मिल्स लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में भाग लिया। यह बैठक कंपनी के चंडीगढ़ कार्यालय में आयोजित की गई।

- श्रीमती अनुराधा वी. जनबादे एवं डॉ. नितिन कुमार ने २८ मई २०२४ को ऑनलाइन बैठक में भाग लिया। इस बैठक में कनाडा के एक स्टार्टअप के प्रतिनिधि श्री जियोफ फिशर एवं श्री दिनेश पटेल उपस्थित रहे, जो टेक्सटाइल उद्योग में हेम्प फाइबर के उपयोग पर कार्यरत हैं। बैठक में सीपीपीआरआई की प्रयोगशाला अवसंरचना एवं एंजाइमेटिक हाइड्रोलिसिस आधारित हेम्प फाइबर प्रीट्रीटमेंट की क्षमताओं पर चर्चा की गई।

- डॉ. विवेक प्रसाद शॉ, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, सी. सी. आर. आई., कॉयर बोर्ड (एम एस एम ई मंत्रालय, भारत सरकार) ने २९-३० मई २०२४ को सीपीपीआरआई का दौरा किया और पीसीपीबी डिवीजन के वैज्ञानिकों के साथ बैठक की। बैठक में नारियल रेशा के उपयोग द्वारा विभिन्न ग्रेड के लुग्दी, कागज और बोर्ड निर्माण से संबंधित संयुक्त परियोजना पर चर्चा हुई।

- डॉ. प्रीति एस. लाल एवं डॉ. अरविंद शर्मा ने ०३ जून २०२४ को आयोजित "विस्कोस फाइबर के लिए पायलट स्तर पर संपूर्ण जूट घुलनशील लुग्दी का उत्पादन" परियोजना की समीक्षा बैठक में भाग लिया। यह बैठक विशेषग्य निरीक्षण समिति द्वारा आयोजित की गई थी, जिसकी अध्यक्षता जूट आयुक्त द्वारा की गई। बैठक हाइब्रिड मोड में पटसन भवन, न्यू टाउन, कोलकाता में आयोजित हुई।

- डॉ. संजय त्यागी एवं श्री आलोक कुमार गोयल ने १३-१४ जून २०२५ को बी आई एस मनक भवन, नई दिल्ली में आयोजित आई एस ओ / टी सी -०६ की बैठक में संयोजक के रूप में भाग लिया।

- श्री आलोक कुमार गोयल और श्री सत्यदेव नेगी ने २६-२७ जून २०२४ को एन.सी.सी.बी.एम., बल्लभगढ़, फरीदाबाद का दौरा किया जहाँ क्रय एवं वित्तीय विषयों पर चर्चा की। इसके पश्चात उन्होंने आई. ए.आर.पी.एम.ए., नई दिल्ली में आयोजित बैठक में भाग लिया जिसमें डब्लू पी आर पी सी परियोजना ब्लूप्रिंट के अंतिम रूप पर विचार किया गया।

- डॉ. प्रीति एस. लाल, श्री आलोक कुमार गोयल एवं श्री सत्यदेव नेगी ने ४-५ जुलाई २०२४ को आई. ए. आर. पी. एम. ए., नई दिल्ली में आयोजित बैठक में भाग लिया। इस बैठक में "वन स्टेप ग्रीनर", औद्योगिक क्षेत्र, गुरुग्राम के कार्य प्रणाली से संबंधित विषयों पर चर्चा हुई। बैठक में आई. ए. आर. पी. एम. ए. के महासचिव डॉ. बी.पी. थपलियाल भी उपस्थित रहे।

सी. पी. पी. आर. आई. के वैज्ञानिकों और वन स्टेप ग्रीनर सदस्यों के साथ बैठक

- डॉ. प्रीति एस. लाल ने राष्ट्रीय जूट बोर्ड की ३०वीं बोर्ड बैठक में भाग लिया, जो ०५ जुलाई २०२४ को उद्योग भवन, नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वस्त्र सचिव द्वारा की गई। बैठक में डॉ. प्रीति एस. लाल ने परियोजना "विस्कोस फाइबर के लिए संपूर्ण जूट से घुलनशील श्रेणी के लुग्दी का उत्पादन" की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

- डॉ. संजय त्यागी ने लुग्दी एंड कागज सेक्टर की 4वीं सेक्टोरल एडवाइजरी ग्रुप बैठक में १२ जुलाई २०२४ को ऑनलाइन मोड में भाग लिया।

- डॉ. संजय त्यागी ने कागज सेक्टर हेतु 'सतत अभ्यास' पर आधारित कोड ऑफ प्रैक्टिस तैयार करने के लिए गठित विशेषज्ञ पैनल कार्यदल की पहली बैठक में १८ जुलाई २०२४ को भाग लिया।

- श्री आलोक कुमार गोयल ने १९ जुलाई २०२४ को आयोजित डी सी पी पी ए आई की ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

- डॉ. संजय त्यागी ने २४ जुलाई २०२४ को एन.सी.ई.आर.टी, नई दिल्ली में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया। बैठक में पाठ्यपुस्तकों हेतु निविदा विनिर्देश तैयार करने पर चर्चा की गई।

- डॉ. संजय त्यागी एवं श्री आलोक कुमार गोयल ने २४ जुलाई २०२४ को बीआईएस, मनक भवन, नई दिल्ली में आयोजित सी एह डी १५ की ३३ वीं तकनीकी समिति बैठक में भाग लिया।

- डॉ. संजय त्यागी ने अगस्त २०२४ को "लागत लेखा अभिलेख और लागत लेखा परीक्षण" की वर्तमान रूपरेखा की समीक्षा हेतु आयोजित ऑनलाइन बैठक में भाग लिया। डॉ. प्रीति एस. लाल ने ९ अगस्त २०२४ (शुक्रवार) को सत्या इंडस्ट्रीज लिमिटेड

की बोर्ड, ऑडिट, नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की बैठकें अटेंड कीं। बैठक कंपनी के चंडीगढ़ कार्यालय में आयोजित की गई।

- डॉ. संजय त्यागी ने २७ अगस्त २०२४ को बीईई, सेवा भवन, नई दिल्ली में आयोजित सी सी टी एस की ५वीं बैठक में भाग लिया।

- श्री आलोक कुमार गोयल ने ०६ सितंबर २०२४ को आईआईपी, पटपड़गंज, दिल्ली में आयोजित सीएचडी–१६ तकनीकी समिति की बैठक में भाग लिया।

- श्री आलोक कुमार गोयल ने १९ सितंबर २०२४ को डीपीआईआईटी , उद्योग भवन, नई दिल्ली में सीपीपीआरआई के बजट (ब.इ. एवं आर.इ.) से संबंधित बैठक में भाग लिया।

- श्री आलोक कुमार गोयल ने २९ सितंबर २०२४ को इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा में आयोजित यु पी आई टी एस २०२४ में भाग लिया।

- डॉ. संजय त्यागी एवं श्री आलोक कुमार गोयल ने १८ अक्टूबर २०२४ को बीआईएस मानक भवन, नई दिल्ली में आयोजित बैठक में भाग लिया। बैठक का उद्देश्य आइएस:१८४८ (भाग–I) मानक के संशोधन पर विचार करना था।

- डॉ. संजय त्यागी एवं श्री आलोक कुमार गोयल ने २३ अक्टूबर २०२४ को बीआईएस, मानक भवन, नई दिल्ली में आयोजित ३४वीं तकनीकी समिति की बैठक में भाग लिया।

- श्रीमती अनुराधा वी. जनबादे एवं डॉ. नितिन कुमार ने २४ अक्टूबर २०२४ को सीपीपीआरआई में आयोजित आर. एस. सी. डी. सी. पी. पी. ए. आई. परियोजना समीक्षा बैठक में भाग लिया। बैठक में चल रही परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा तथा नई प्रस्तुत परियोजनाओं पर चर्चा की गई।

- डॉ. संजय त्यागी ने २९ अक्टूबर २०२४ को बीईई में आयोजित राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार २०२४ से संबंधित तकनीकी समिति की बैठक में भाग लिया।

- श्रीमती अनुराधा वी. जनबादे ने ४ नवंबर २०२४ को वाणिज्य भवन, नई दिल्ली में आयोजित आर. एस. सी. डी. सी. पी. पी. ए. आई. तकनीकी समिति बैठक में भाग लिया।

- श्रीमती अनुराधा वी. जनबादे एवं ड0. नितिन कुमार ने ४ नवंबर २०२४ को सी.पी.पी.आर.आई में आयोजित अनुसंधान परामर्श समिति की बैठक में भाग लिया।

- डॉ. संजय त्यागी ने १३ नवंबर २०२४ को वाणिज्य भवन, नई दिल्ली में संयुक्त सचिव, डीपीपीआइटी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में भाग लिया, जिसका उद्देश्य यूनिडो के प्रस्तावित फेज–III परियोजनाओं पर चर्चा करना था।

- डॉ. प्रीति एस. लाल ने १३ नवंबर २०२४ को सेतिया कागज़ मिल्स लिमिटेड की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स बैठक में भाग लिया। बैठक कंपनी के चंडीगढ़ कार्यालय में आयोजित हुई।

- डॉ. प्रीति एस. लाल एवं डॉ. अरविंद शर्मा ने ०८ नवंबर २०२४ को ए.बी.एस.टी.सी.एल., मुंबई के श्री राकेश पुंडीर के साथ डिसॉल्विंग ग्रेड लुग्दी निर्माण हेतु बाँस के उपयोग पर चर्चा हेतु बैठक में भाग लिया।

- डॉ. संजय त्यागी ने २२ नवंबर २०२४ को बीईई में आयोजित राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार २०२४ से संबंधित तकनीकी समिति की बैठक में भाग लिया।

- डॉ. संजय त्यागी एवं श्री आलोक कुमार गोयल ने २६ नवंबर २०२४ को बीआइएस, मानक भवन, नई दिल्ली में आयोजित आई एस ओ / टी सी ०६/एस सी –२/डब्लु जी –२४ बैठक में भाग लिया, जो नालीदार फाइबर बोर्ड परीक्षण विधि से संबंधित थी।

- श्री आलोक कुमार गोयल ने २७ नवंबर २०२४ को डीपीपीआईटी, उद्योग भवन, नई दिल्ली में आयोजित ऑडिट एडहॉक समिति की पहली बैठक में भाग लिया, जिसका उद्देश्य लंबित के निपटान पर चर्चा करना था।

- डॉ. संजय त्यागी ने १० दिसंबर २०२४ को हाइब्रिड मोड में आयोजित बैठक में भाग लिया, जिसका विषय था आसिआन देशों से बिना कर वाले कागज आयात पर चर्चा।

- डॉ. संजय त्यागी एवं श्री आलोक कुमार गोयल ने ११ दिसंबर २०२४ को संयुक्त सचिव, डी पी आई आई टी श्री संजीव जी की अध्यक्षता में आयोजित 'आयात में तीव्र वृद्धि' विषयक ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

- डॉ. प्रीति एस. लाल ने १६ दिसंबर २०२४ को पटसन भवन, न्यू टाउन, कोलकाता में आयोजित एन. जे. बी. विशेषज्ञ एवं निगरानी समिति की बैठक में भाग लिया। उन्होंने परियोजना "विस्कोस फाइबर के लिए पायलट स्तर पर संपूर्ण जूट घुलनशील लुग्दी का उत्पादन" की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

- डॉ. संजय त्यागी एवं श्री आलोक कुमार गोयल ने २६ दिसंबर २०२४ को डी. पी. आई. आई. टी., वाणिज्य भवन, नई दिल्ली में आयोजित आर. एस. सी. डी. सी. पी. पी. ए. आई बैठक में भाग लिया।

- डॉ. एल.पी. सिंह, डॉ. ए.के. दीक्षित, सुश्री अनुराधा वी. जनबादे एवं सुश्री बर्नाली शोम ने २६ दिसंबर २०२४ को डी. पी. आई. आई. टी., उद्योग भवन, नई दिल्ली में कागज़ सेक्शन के निदेशक के साथ बैठक की। बैठक का उद्देश्य सीपीपीआरआई की भर्ती प्रक्रिया से संबंधित स्पष्टीकरणों पर चर्चा करना था।

- डॉ. संजय त्यागी एवं श्री आलोक कुमार गोयल ने ०६ जनवरी २०२५ को डॉ. आशीष कुमार (निदेशक, सीपीपीआरआई) के साथ क्यूसी ओ (आई. एस.: १८४८ एवं आई. एस.:४६५८) से संबंधित बैठक में भाग लिया, जिसकी अध्यक्षता संयुक्त सचिव, डीपीपीआईटी श्री संजीव जी ने वाणिज्य भवन, नई दिल्ली में की।

- डॉ. संजय त्यागी ने ०९ जनवरी २०२५ को सी पी सी बी – सदस्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित कागज उत्पादों के तकनीकी मानदंड विकसित करने हेतु पहली तकनीकी समिति बैठक में भाग लिया। बैठक हाइब्रिड मोड में हुई।

- श्री आलोक कुमार गोयल ने ११ जनवरी २०२५ को यु बी क्यू प्रतिनिधियों के साथ ऑनलाइन बैठक में भाग लिया। बैठक का उद्देश्य यु बी क्यू को तकनीकी सहायता प्रदान करने के सर्वोत्तम उपायों पर चर्चा करना था।

- श्री सत्यदेव नेगी ने १३ जनवरी २०२५ को डब्लू पी आर पी सी सेंटर, नई दिल्ली का दौरा किया और वहाँ नव-नियुक्त परियोजना सहयोगी एवं क्षेत्र सहायक कर्मियों के साथ बैठक की। बैठक में परियोजना की प्रगति की समीक्षा की गई।

- डॉ. संजय त्यागी ने २० जनवरी २०२५ को वाणिज्य भवन, नई दिल्ली में आयोजित यूनिडो इंडिया सी पी २०१८ -२२ परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में भाग लिया।

- डॉ. संजय त्यागी ने २२ जनवरी २०२५ को एन्वोपेप के प्रतिनिधियों के साथ ऑनलाइन बैठक की। बैठक का विषय था "३०० जी एस एम् कार्बन बोर्ड का विकास (पीसे हुए सॉफ्टवुड रेशे से)"।

- डॉ. ए.के. दीक्षित, डॉ. प्रीति एस. लाल एवं डॉ. अरविंद शर्मा ने ०६ फरवरी २०२५ को नई दिल्ली स्थित सीपीपीआरआई कार्यालय में डॉ. बी.पी. थपलियाल के साथ प्रौद्योगिक-आर्थिक व्यवहार्यता पर विचार-विमर्श हेतु बैठक की।

- डॉ. प्रीति एस. लाल ने ११ फरवरी २०२४ को सेतिया कागज़ मिल्स लिमिटेड की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स बैठक में भाग लिया, जो कंपनी के पंजीकृत कार्यालय, वीपीओ रूपाना, मलोट मुक्तसर रोड, जिला मुक्तसर, पंजाब में आयोजित हुई।

- डॉ. संजय त्यागी ने ११ फरवरी २०२५ को सी सी टी एस के तहत गठित कार्य समूह की ६वीं बैठक (ऑनलाइन) में भाग लिया।

- श्रीमती अनुराधा वी. जनबादे एवं डॉ. नितिन कुमार ने १२ फरवरी २०२५ को सरकारी इंट्रानेट सेवाएँ पर आयोजित ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

- डॉ. प्रीति एस. लाल, डॉ. संजय त्यागी एवं श्री आलोक कुमार गोयल ने १३-१४ फरवरी २०२५ को आईआईटी सहारनपुर परिसर में आयोजित सी एह डी -१६ बैठक में भाग लिया।

- डॉ. संजय त्यागी ने १७ फरवरी २०२५ को उत्तर पूर्व प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग एवं अनुसंधान केंद्र, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के परियोजना समन्वयक के साथ ऑनलाइन बैठक की। बैठक का विषय था "मूल्य संवर्धित उत्पादों के लिए केले के छद्म तने के उपयोग पर एक मूल्य श्रृंखला"।

- डॉ. संजय त्यागी ने २१ फरवरी २०२५ को यूनिडो कागज फेज २ परियोजना पर चर्चा हेतु ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

- डॉ. संजय त्यागी ने फरवरी २७, २०२५ को डीपीपीआईटी के संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक में भाग लिया, जिसमें कागज सेक्टर के आइटम्स को सार्वजनिक खरीद में सूचीबद्ध करने पर चर्चा की गई।

- डॉ. संजय त्यागी ने २८ फरवरी २०२५ को सी सी टी एस के तहत गठित कार्य समूह की ७वीं बैठक (ऑनलाइन) में भाग लिया। बैठक एम् ओ पी एवं पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अतिरिक्त सचिवों की सह-अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसका विषय था कार्बन क्रेडिट व्यापार योजना २०२३ के अनुपालन तंत्र (अनुपालन तंत्र) पर चर्चा।

- डॉ. संजय त्यागी ने ३ मार्च २०२५ को सी पी सी बी सदस्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित कागज उत्पादों के तकनीकी मानदंड विकसित करने हेतु द्वितीय तकनीकी समिति बैठक में भाग लिया। बैठक हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई।

- डॉ. संजय त्यागी ने ११ मार्च २०२५ को एह उ आई डी, यूनाइटेड किंगडम के मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी के साथ ऑनलाइन बैठक की। बैठक में प्याज के छिलकों से कागज एवं मोल्डेड फाइबर उत्पाद निर्माण हेतु निष्कर्षण विधि के अपस्केलिंग की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

- डॉ. संजय त्यागी ने ११ मार्च २०२५ को डब्लूडब्लूएफ इंडिया द्वारा नियुक्त जीटी भारत के साथ बैठक में भाग लिया। बैठक का उद्देश्य था "वाणिज्यिक वस्तुओं के व्यापारिक पदचिह्नों में निहित जोखिमों पर रिपोर्ट" के अंतर्गत कागज सहित छह वस्तुओं में भारत के व्यापार प्रभाव का मूल्यांकन।

- डॉ. संजय त्यागी ने १३ मार्च २०२५ को डीपीपीआईटी, उद्योग भवन, नई दिल्ली में आयोजित हाइब्रिड मोड बैठक में भाग लिया, जिसका विषय था वर्जिन बहुस्तरीय कागजबोर्ड के लिए भारत में न्यूनतम आयात मूल्य निर्धारण पर चर्चा।

- श्री आलोक कुमार गोयल एवं श्री सत्यदेव नेगी ने २४ २५ मार्च २०२५ को एपीजे बिजनेस सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित बैठक में भाग लिया। बैठक का विषय था पैकेजिंग के अंतिम जीवनचक्र हेतु सतत संग्रह एवं पुनःचक्रण मार्ग पर विचार। दोनों अधिकारियों ने डब्लूपीआरपीसी सेंटर, नई दिल्ली का दौरा कर परियोजना की प्रगति की समीक्षा भी की।

- श्री आलोक कुमार गोयल ने २५ मार्च २०२५ को एपीजे बिजनेस सेंटर, अरुणाचल बिल्डिंग, ६वीं मंजिल, बाराखंबा रोड, नई दिल्ली में आयोजित बैठक में भाग लिया। बैठक का विषय था कोटेड कागज पैकेजिंग के लिए उपयोगोत्तर पुनःचक्रण मार्ग।

- डॉ. संजय त्यागी ने २६ मार्च २०२५ को सी एच डी–१५: पैनल पी५ की तकनीकी समिति बैठक में वर्चुअल मोड से भाग लिया।

कार्यशालाएँ / प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

केंद्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान (सीपीपीआरआई), सहारनपुर द्वारा अक्टूबर २०२४ से मार्च २०२५ की अवधि में विभिन्न विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य लुग्दी और कागज़ क्षेत्र में तकनीकी दक्षता को बढ़ाना तथा नवाचार को प्रोत्साहित करना था। प्रत्येक सत्र में उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं एवं तकनीकी कार्मिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

आर. एस. सी. डी. सी. पी. पी. ए. आई. परियोजना के अंतर्गत किये गए प्रशिक्षण कार्यक्रम

आर. एस. सी. डी. सी. पी. पी. ए. आई. परियोजना के अंतर्गत "लुग्दी और कागज़ उद्योग में तकनीकी कार्मिकों के लिए सतत शिक्षा" शीर्षक परियोजना के तहत २०२४–२०२५ के दौरान कुल ६ प्रशिक्षण कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित किए गए।

"लुग्दी और कागज़ निर्माण में गुणवत्ता प्रोबंधन" तिथि: २५ अक्टूबर २०२४, स्थान: सीपीपीआरआई, सहारनपुर

इस कार्यक्रम का उद्देश्य लुग्दी और कागज निर्माण में प्रभावी गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन पर केंद्रित था। प्रतिभागियों ने मानकों, गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रियाओं और सतत सुधार रणनीतियों के बारे में गहन जानकारी प्राप्त की।

"उच्च गुणवत्ता वाली लुग्दी के लिए कच्चे माल की तैयारी, लुग्दीकरण और विरंजन की नवाचारपूर्ण विधियाँ", तिथि: ११–१२ नवम्बर २०२४, स्थान: सीपीपीआरआई, सहारनपुर

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कच्चे माल की तैयारी, लुग्दीकरण और विरंजन की उन्नत तकनीकों पर केंद्रित था। कार्यक्रम में लुग्दी की गुणवत्ता सुधारने, प्रक्रिया की दक्षता बढ़ाने, तथा पर्यावरणीय मानकों के अनुरूपता सुनिश्चित करने के नवीन दृष्टिकोणों पर विशेष बल दिया गया।

प्रशिक्षण प्रोग्राम के झलकियां

"कागज़ निर्माण की गुणवत्ता पर वेट एंड रसायन विज्ञान का प्रभाव", तिथि: २८–२९ नवम्बर २०२४. **स्थान:** होटल मैनर, काशीपुर, उत्तराखंड

इस कार्यक्रम में वेट एंड कैमिस्ट्री के मूल सिद्धांतों और उनके अनुप्रयोगों पर विस्तार से चर्चा की गई। सत्रों में यह बताया गया कि वेट एंड कैमिस्ट्री का कागज़ की गुणवत्ता पर कितना महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। विभिन्न विशेषज्ञों ने केस स्टडीज प्रस्तुत कीं और कागज निर्माण संचालन को अनुकूलित करने हेतु समस्या समाधान तकनीकों को साझा किया।

"रासायनिक पुन:प्राप्ति संचालन में हाल के विकास", तिथि: २६–२७ दिसम्बर २०२४, **स्थान:** सीपीपीआरआई, सहारनपुर

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम रासयनिक पुन:प्राप्ति परिचालनों में नवीनतम प्रगति पर केंद्रित था। सत्रों में संचालन दक्षता, प्रौद्योगिकीय अद्यतन तथा पर्यावरणीय स्थिरता जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को पुन:प्राप्ति प्रक्रियाओं के बेहतर प्रबंधन एवं अनुकूलन के लिए नवीन तकनीकी समाधान प्रस्तुत किए गए।

"लुग्दी और कागज़ उद्योग के लिए जैव-शोधन और जैव-प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण", तिथि: २६–२७ मार्च 2025, **स्थान:** सीपीपीआरआई, सहारनपुर

इस सत्र में प्रतिभागियों को जैव–शोधन और जैव–प्रौद्योगिकी के उभरते हुए दृष्टिकोणों से अवगत कराया गया, जिनका उद्देश्य लुग्दी और कागज उद्योग को अधिक सतत और संसाधन–दक्ष क्षेत्र में रूपांतरित करना है।

प्रत्येक कार्यक्रम ने उद्योग में क्षमता निर्माण को सुदृढ़ करने, ज्ञान के आदान–प्रदान को बढ़ावा देने और नवोन्मेषी प्रथाओं को अपनाने हेतु प्रतिभागियों को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आर. एस. सी. डी. सी. पी. पी. ए. आई. ने लुग्दी एवं कागज क्षेत्र में कौशल विकास और तकनीकी उन्नयन के लिए निरंतर सहयोग एवं प्रशिक्षण पहलों के माध्यम से अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

"हस्तनिर्मित कागज़ पैकेजिंग सामग्री का उत्पादन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्योगिनी

पीसीपीबी डिवीजन द्वारा "हस्तनिर्मित पैकेजिंग सामग्री का उत्पादन" पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम २३–२७ सितम्बर २०२४ के दौरान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उद्योगिनी संस्था से पाँच प्रतिभागियों (चार महिला एवं एक पुरुष प्रशिक्षु) ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को कच्चे माल की तैयारी, लुग्दीकरण एवं विरंजन तकनीकों तथा हस्तनिर्मित कागज उत्पादन विधियों से संबंधित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम को पीसीपीबी वैज्ञानिकों द्वारा आयोजित कक्षा व्याख्यानों और व्यावहारिक अभ्यास सत्रों के संयोजन से संचालित किया गया। २७ सितम्बर २०२४ को सीपीपीआरआई द्वारा प्रतिभागियों के लिए हापुड़, उत्तर प्रदेश स्थित हस्त निर्मित कागज यूनिट में पायलट प्लांट भ्रमण का आयोजन किया गया, जिससे प्रतिभागियों को औद्योगिक प्रक्रियाओं और वास्तविक संचालन का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम ने प्रतिभागियों की तकनीकी समझ और व्यावहारिक कौशल को सतत हैंडमेड पैकेजिंग सामग्री उत्पादन में उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ किया।

जैव प्रोद्योगिकी शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान के इस उद्देश्य के अनुरूप की लुग्दी एवं कागज़ क्षेत्र के लिए दक्ष मानव संसाधन का विकास किया जाए, बायोटेक्नोलॉजी डिवीजन ने वर्ष भर में स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को शैक्षणिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान अनुभव प्रदान करने में सक्रिय भूमिका निभाई। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान कुल १९ विद्यार्थियों ने विभागीय मार्गदर्शन में अपना प्रोजेक्ट प्रतिवेदन कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया। ये विद्यार्थी विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों से सम्बद्ध थे, जिनमें शामिल हैं, ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय, देहरादून (उत्तराखंड); गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यायल, हरिद्वार (उत्तराखंड); उत्तरांचल विश्वविद्यालय, देहरादून; आईआईएमटी विश्वविद्यालय, मेरठ; आईएफटीएम विश्वविद्याल;, मुरादाबाद; डीपीएमसी, देहरादून; सीएईएचएस, मेरठ; तथा चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेजेज (सीजीसी)। यह प्रशिक्षण मुख्यत: "लुग्दी और कागज उद्योग में जैव-प्रौद्योगिकी और उसके अनुप्रयोग" विषय पर केंद्रित था, जिसमें विद्यार्थियों को प्रयोगशाला अभ्यास, जैव प्रौद्योगिकीय विधियों और विश्लेषणात्मक तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया।

प्रमाण पत्र वितरण समारोह

भौतिक रसायन, लुग्दीकरण एवं विरंजन प्रभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीपीपीआरआई के वार्षिक सत्र २०२४–२५ के दौरान अनेक प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कच्चे माल की तैयारी, लुग्दीकरण एवं विरंजन आदि विषयों पर सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक ज्ञान प्रदान करना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम सीपीपीआरआई के वैज्ञानिकों द्वारा कक्षा व्याख्यानों एवं व्यवहारिक सत्रों के संयोजन के माध्यम से आयोजित किया गया। भौतिक रसायन, लुग्दीकरण एवं विरंजन विभाग में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षुओं पर्वेश, प्रिया चमोली, अथर्व और रितिका को प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षु का नाम	प्रशिक्षु का पता	प्रशिक्षण की अवधि	कार्य विवरण
श्री परवेश	इंद्रशील विश्वविद्यालय	सितंबर 2024–दिसंबर 2024	लुग्दिकरण एवं विरंजनीकरण
सुश्री प्रिया चमोली	ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय, देहरादून	फरवरी 2024–जुलाई 2024	पीएचडी कार्य (ज्वार के कच्चे माल पर कार्य)
श्री अर्थव	क्रास्ट प्राइवेट लिमिटेड, पुणे, महाराष्ट्र	मार्च का एक सप्ताह	चावल के पुआल का निकटानुपाती विश्लेषण तथा लुग्दीकरण एवं ब्लीचिंग
सुश्री रीतिका	ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय, देहरादून	सितंबर का एक सप्ताह	लुग्दीकरण एवं विरंजनीकरण

सेमिनार, कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता

सीपीपीआरआई के वैज्ञानिकों ने वर्ष २०२४–२५ के दौरान वेबिनार, कॉन्फ्रेंस, प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं कार्यशालाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसका उद्देश्य लुग्दी एवं कागज प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं में नवीनतम विकासों की जानकारी प्राप्त करना तथा अपने ज्ञान को अद्यतन करना था।

- बायोडिग्रेडेबल एक्सपो २०२४ एक तीन दिवसीय व्यापार प्रदर्शनी, जिसमें बायोडिग्रेडेबल, कम्पोस्टेबल और सतत उत्पादों, मशीनरी, कच्चे माल और संबद्ध उद्योगों को प्रदर्शित किया गया। यह कार्यक्रम ग्रीन सोसाइटी ऑफ इंडिया और इंडियन एग्जिबिशन सर्विसेज द्वारा ५–७ जून २०२४ को इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा, एनसीआर, उत्तर प्रदेश (भारत) में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सुश्री अनुराधा वी. जनबादे एवं डॉ नितिन कुमार ने भाग लिया।

सुश्री अनुराधा वी. जनबादे और डॉ. नितिन कुमार – बायोडिग्रेडेबल एक्सपो २०२४, ग्रेटर नोएडा

- एक दिवसीय कार्यशाला सह ब्रेनस्टॉर्मिंग सत्र तकनीकी समिति सदस्यों के लिए बीआईएस / एनआईटीएस द्वारा नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ ट्रेनिंग फॉर स्टैंडर्डाइजेशन, नोएडा में १५ जुलाई २०२४ को आयोजित किया गया – श्री आलोक कुमार गोयल और डॉ. संजय त्यागी

- अर्धदिवसीय कार्यशाला "लुग्दी और कागज उद्योग में नए रुझान एवं मानकों की भूमिका" विषय पर बीआईएस, मनक भवन, नई दिल्ली में २४ जुलाई २०२४ को आयोजित – डॉ. संजय त्यागी और श्री आलोक कुमार गोयल

- वेबिनार "रोड टू एक्सीलेंस" तकनीकी समिति सदस्यों हेतु बीआईएस द्वारा ७ अगस्त २०२४ को आयोजित – डॉ. संजय त्यागी

- अर्धदिवसीय कार्यशाला "कागज-आधारित पैकेजिंग सामग्रियों में हाल की नवाचार" पर आईआईपी, पाटपड़गंज, दिल्ली में ६ सितम्बर २०२४ को आयोजित – डॉ. संजय त्यागी और श्री आलोक कुमार गोयल

- स्वच्छता ही सेवा के नोडल अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम – एस. एच. एस. के आईटी पोर्टल पर, आईटी सेक्शन, डीपीआईआईटी द्वारा ७ सितम्बर २०२४ को आयोजित – डॉ. नितिन एंडले और श्री सत्य देव नेगी

- ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम – स्वच्छता ही सेवा के नोडल अधिकारियों हेतु, आईटी सेक्शन, डीपीआईआईटी द्वारा ९ सितम्बर २०२४ को आयोजित – डॉ. नितिन एंडले और श्री सत्य देव नेगी

- सीपीसीबी वेबिनार – "गंगा नदी में फीकल प्रदूषण" विषय पर ३ अक्टूबर २०२४ को आयोजित – डॉ. नितिन एंडले

- दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला – "वुड हैंडीक्राफ्ट आर्टिजन की व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा" विषय पर, होटल रॉयल रेजीडेंसी, सहारनपुर में श्रीराम इंस्टीट्यूट फॉर इंडस्ट्रियल रिसर्च, दिल्ली द्वारा ४-५ अक्टूबर २०२४ को आयोजित – डॉ. अश्विनी के. दीक्षित, डॉ. प्रीति एस. लाल, डॉ. अरविंद कुमार शर्मा एवं एम.एस..सी के छात्र

- ओरिएंटेशन मॉड्यूल ऑन मिशन लाइफ – पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया; कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग डी ओ पी टी के आई गोट कर्मयोगी पोर्टल और कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन के माध्यम से राष्ट्रीय लर्निंग सप्ताह (२२ अक्टूबर २०२४) के दौरान आयोजित – डॉ. नितिन एंडले

- अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन – "सततता के लिए नैनो सामग्री और हरित प्रौद्योगिकी (आई सी एन एम जी टी २०२४)" उत्तरांचल विश्वविद्यालय, देहरादून में २५-२६ अक्टूबर २०२४ को आयोजित – डॉ. संजय त्यागी

- दो दिवसीय संयुक्त प्रौद्योगिकीय सम्मेलन – "वस्त्र एवं उसके औद्योगिक अनुप्रयोगों से संबंधित किए गए अनुसंधान एवं विकास: उच्च शुद्धता वाली सेल्यूलोज के लिए बांस, संपूर्ण भांग और जूट रेशे की उपयुक्तता" नॉर्दर्न इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन (नितरा), राज नगर, गाजियाबाद में २४-२५ अक्टूबर २०२४ को आयोजित – डॉ. प्रीति एस. लाल, डॉ. अरविंद शर्मा और सुश्री गुंजन

- ऑनलाइन ब्रेनस्टॉर्मिंग कार्यशाला – "वनाग्नि" विषय पर, गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखंड द्वारा १५ नवम्बर २०२४ को आयोजित – डॉ. प्रीति एस. लाल और डॉ. अरविंद के. शर्मा

- दो दिवसीय क्षेत्रीय संगोष्ठी – "पैकेजिंग उद्योग की उभरती मांग को पूरा करने हेतु विभिन्न ग्रेड के कागज निर्माण" विषय पर, आईपीपीटीए द्वारा संभाजीनगर में १६-१७ नवम्बर २०२४ को आयोजित – डॉ. प्रीति एस. लाल

- ७वाँ अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन – "कागज और पैकेजिंग उद्योग – वास्तविकताएँ और नए अवसर" विषय पर, साउथ कागजएक्स अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, इंटरनेशनल ट्रेड सेंटर, चेन्नई में ५–६ दिसम्बर २०२४ को आयोजित – डॉ. ए.के. दीक्षित, डॉ. प्रीति एस. लाल, डॉ. नितिन एंडले और डॉ. संजय त्यागी

डॉ. प्रीति एस. लाल और डॉ. नितिन एंडले – कागजएक्स साउथ इंडिया, २०२४

- "कागज और कागज पैकेजिंग के क्षेत्र में नवीन नवाचार" विषय पर अर्धदिवसीय कार्यशाला, डीपीटी, आईआईटी रुड़की (सहारनपुर परिसर) में १३ दिसम्बर २०२४ को आयोजित – डॉ. संजय त्यागी

- एनआईटीएस, बीआईएस, नोएडा में "आई एस ओ ऑनसाइट ओएसडी प्रशिक्षण कार्यक्रम फॉर बीआईएस इंडिया" में भागीदारी १८ दिसम्बर २०२४ को – श्री आलोक कुमार

- राष्ट्रीय सम्मेलन "पर्यावरण और सततता (नाकोंस –२०२५) विषय पर, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा में २४ जनवरी २०२५ को आयोजित – डॉ. शुभांग भारद्वाज

- "डिजिटल मार्ग पर अग्रसर: ऑनलाइन यात्रा की सुरक्षा" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा सेफ इंटरनेट डे के उपलक्ष्य में ११ फरवरी २०२५ को आयोजित – डॉ. नितिन एंडले और श्री एन.के. नाइक

- डीपीआईआईटी द्वारा आयोजित ई–ऑफिस पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम १२ फरवरी २०२५ को आयोजित – श्री आलोक कुमार गोयल

- आईटी सेक्शन, डीपीआईआईटी द्वारा आयोजित गवर्नमेंट पोर्टल पर ऑनलाइन प्रशिक्षण १२ फरवरी २०२५ को आयोजित – डॉ. नितिन एंडले

- बीआईएस की सीएचडी–15 तकनीकी समिति की कार्यशाला, आईआईटी रुड़की में १३ फरवरी २०२५ को आयोजित – डॉ. प्रीति एस. लाल और डॉ. संजय त्यागी

- एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "जूट, अबाका, कॉयर, केनाफ, सिसल तथा संबद्ध रेशों का उपयोग कर सतत समाधान" विषय पर, भारत मंडपम, नई दिल्ली में फरवरी २०२५ को आयोजित – डॉ. प्रीति एस. लाल और डॉ. अरविंद कुमार शर्मा

- भारत टेक्स राष्ट्रीय जूट बोर्ड द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी, जिसमें सीपीपीआरआई स्टॉल लगाया गयाय भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में १६–१७ फरवरी २०२५ को आयोजित – श्री आलोक कुमार गोयल

- प्रथम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "कार्बन बाजार – प्रकृति २०२५ (परिवर्तनात्मक पहलों के एकीकरण हेतु लचीलापन, जागरूकता, ज्ञान और संसाधन को प्रोत्साहित करना)"

- होटल हयात रीजेंसी, नई दिल्ली में २४ फरवरी २०२५ को आयोजित, बीईई, ऊर्जा मंत्रालय द्वारा विश्व बैंक एवं इंटरनेशनल एमिशन ट्रेडिंग एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित – डॉ. संजय त्यागी

- ६० वीं आईपीपीटीए वार्षिक आम सभा एवं सेमिनार – "उभरती हुई कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकी के माध्यम से उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार" विषय पर, मोहाली, पंजाब में २८ फरवरी १ मार्च २०२५ के बीच आयोजित – डॉ. संजय त्यागी और श्री आलोक कुमार गोयल

- वेबिनार "सुरक्षा सुनिश्चित: सुरक्षा कोई प्रयोग नहीं, बल्कि एक प्रतिबद्धता है" विषय पर, एजिलेंट द्वारा ४ – मार्च २०२५ को आयोजित – डॉ. जितेन्द्र धीमान

- वाटर सस्टेनेबिलिटी कॉन्फ्रेंस २०२५ ब्यूरो ऑफ वॉटर यूज एफिशिएंस, नेशनल वॉटर मिशन जल शक्ति मंत्रालय तथा द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टिट्यूट द्वारा संयुक्त रूप से एनडीएमसी सेंटर, नई दिल्ली में १२ मार्च २०२५ को आयोजित – डॉ. नितिन एंडले

डॉ. नितिन एंडले – वाटर सस्टेनेबिलिटी कॉन्फ्रेंस २०२५, नई दिल्ली

- एक दिवसीय प्रसार संगोष्ठी – "गैर–संरचनात्मक उपयोगों के लिए जूट–आधारित मिश्रित पदार्थ का विकास" परियोजना के अंतर्गत विकसित उत्पादों पर, नेशनल जूट बोर्ड, कोलकाता द्वारा २० मार्च २०२५ को आयोजित – डॉ. अरविंद कुमार शर्मा

डॉ. अरविंद कुमार शर्मा – नेशनल जूट बोर्ड, कोलकाता में संगोष्ठी भाग लेते हुए

- १५वाँ एशिया लैबेक्स २०२५ – प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी, विश्लेषण, जैव प्रौद्योगिकी, रासायनिक उत्पादों एवं उपभोग्य सामग्रियों की प्रदर्शनी, परेड ग्राउंड, सेक्टर–१७, चंडीगढ़ में २०–२२ मार्च २०२५ को आयोजित – डॉ. नितिन कुमार

डॉ. नितिन कुमार –१५वाँ एशिया लैबेक्स २०२५ प्रदर्शनी, चंडीगढ़

- वेबिनार "ईजीबी प्रौद्योगिकी का उपयोग कर ढलान चालित बॉयलर के मिशन मानकों की प्राप्ति" विषय पर, एनवायरोपूल द्वारा २४ मार्च २०२५ को आयोजित – डॉ. संजय त्यागी

प्रस्तुत शोध पत्र और दिए गए व्याख्यान

कार्यशालाओं और सेमिनारों में प्रस्तुत शोधपत्र

- गुंजन धीमान, अरविंद शर्मा, दीपक शर्मा और डॉ. प्रीति एस. लाल ने दो दिवसीय संयुक्त तकनीकी सम्मेलन (जे टी सी) में "वस्त्र एवं इसके औद्योगिक अनुप्रयोगों से संबंधित किए गए अनुसंधान एवं विकास" विषय पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया। पोस्टर का शीर्षक था – "उत्तरी भारत में अत्यधिक शुद्ध सेल्युलोज के लिए बांस, संपूर्ण भांग और जूट रेशे की उपयुक्तता"। यह सम्मेलन नॉर्दर्न इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन (नितरा), राज नगर, गाजियाबाद में २४–२५ अक्टूबर, २०२४ को आयोजित किया गया।

- डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने जंगल की आग पर आयोजित एक ऑनलाइन विचार–विमर्श कार्यशाला में पोस्टर प्रस्तुत किया। यह कार्यशाला गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखंड द्वारा १५ नवम्बर, २०२४ को आयोजित की गई।

- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल ने – "सतत पैकेजिंग सामग्री (मोल्डेड उत्पाद, कागज एवं बोर्ड) के उत्पादन हेतु धान के पुआल के उपयोग का अनुकूलन" पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया। यह शोध–पत्र इंडियन लुग्दी एंड कागज़ टेक्निकल एसोसिएशन इप्टा के सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया, जो १७ नवम्बर, २०२४ को छत्रपति संभाजीनगर (महाराष्ट्र) में आयोजित हुआ।

डॉ. प्रीति शिवहरे लाल पेपर प्रस्तुति का पुरस्कार प्राप्त करते हुए

- डॉ. प्रीति एस. लाल ने "ओजोन ब्लीचिंग प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग – भारतीय लुग्दी एवं कागज उद्योग का दृष्टिकोण" विषय पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया। यह पोस्टर 7वें अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन (जो लुग्दी, कागज एवं सहायक उद्योगों पर आधारित था) में प्रस्तुत किया गया, जो चेन्नई ट्रेड सेंटर, चेन्नई (भारत) में ५–७ दिसंबर, २०२४ को आयोजित हुआ।

- नितिन एंडले, मोहम्मद सालिम एवं अमिताभ त्रिपाठी ने "चार्टर ३.0: २०२४ – भारतीय कागज उद्योग के लिए आवश्यकता, चुनौतियाँ एवं प्रभाव" विषय पर एक तकनीकी शोधपत्र प्रस्तुत किया। यह शोधपत्र कागजएक्स साउथ इंडिया २०२४ सम्मेलन की कार्यवाही में ५–७ दिसंबर, २०२४ को सम्मिलित किया गया।

- डॉ. संजय त्यागी ने "स्थिति निदान तकनीकें कागज उद्योग की लाभप्रदता बढ़ाने का नया दृष्टिकोण" शीर्षक से एक तकनीकी शोधपत्र प्रकाशित किया। यह शोधपत्र "कागजएक्स साउथ इंडिया" के अंतर्गत आयोजित ७वें अंतरराष्ट्रीय तकनीकी सम्मेलन (जो लुग्दी, कागज एवं सहायक उद्योगों पर आधारित था) में प्रकाशित हुआ, जिसका विषय था – "कागज एवं पैकेजिंग उद्योग: वास्तविकताएँ एवं नई संभावनाएँ"। यह सम्मेलन ५–७ दिसंबर, २०२५ को आयोजित किया गया।

- डॉ. प्रीति एस. लाल ने "कागज का पुनर्चक्रण एवं सिंगल यूज प्लास्टिक में कमी सतत विकास की दिशा में एक मार्ग" विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया। यह प्रस्तुति "सतत विकास और जलवायु परिवर्तन" विषयक ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान की गई, जिसे शासकीय दिग्विजय स्वायत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनंदगांव द्वारा ४–६ मार्च, २०२५ को आयोजित किया गया।

आरएससी–डीसीपीपीएआई के अंतर्गत आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में दिए गए व्याख्यान

९वां द्विवसीय आरएससी–डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम: कच्चे माल की तैयारी, पल्पिंग एवं ब्लीचिंग में नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण – बेहतर गुणवत्ता के लुग्दी हेतु, सीपीपीआरआई, सहारनपुर, ११–१२ नवम्बर, २०२४

- डॉ. प्रीति एस. लाल ने "लुग्दी उत्पादन में सुधार से संबंधित कारक" विषय पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. प्रीति एस. लाल ने "लुग्दी ब्लीचिंग प्रौद्योगिकी में प्रगति" विषय पर भी व्याख्यान प्रस्तुत किया।

10वां आरएससी–डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम–आद्रता अंत रसायन विज्ञान और कागज बनाने की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव, काशीपुर, २८–२९ नवम्बर, २०२४

- डॉ. संजय त्यागी ने "फिलर्स एवं रासायनिक पदार्थो का कागज की गुणवत्ता एवं आद्रता अंत अनुकूलन का प्रभाव" विषय पर व्याख्यान दिया।

- डा. संजय त्यागी ने “फाइन्स उनका लक्षण, पारस्परिक क्रिया एवं कागज निर्माण स्टॉक पर प्रभाव” विषय पर भी व्याख्यान दिया।

- श्री सत्य देव नेगी ने “आरसीएफ आधारित मिलों में स्टिकीज प्रबंधन” विषय पर व्याख्यान दिया।

७वां अंतरराष्ट्रीय तकनीकी सम्मेलन कागज एवं पैकेजिंग उद्योग – वास्तविकताएँ एवं नई संभावनाएँ, कागजएक्स दक्षिण भारत २०२४, चेन्नई, ५-७ दिसंबर, २०२४

- डॉ. नितिन एंडले ने “चार्टर ३.०: २०२४ – भारतीय कागज उद्योग के लिए आवश्यकता, चुनौतियाँ एवं प्रभाव” विषय पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. संजय त्यागी ने “स्थिति निदान तकनीक – कागज उद्योग की लाभप्रदता बढ़ाने का नया दृष्टिकोण” विषय पर तकनीकी व्याख्यान प्रस्तुत किया।

पेपरेक्स साउथ इंडिया में डॉ. नितिन एंडले द्वारा प्रस्तुति

आरएससी-डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम “रासायनिक पुनः प्राप्ति परिचालन में हाल के विकास” केंद्रीय कागज एवं लुग्दी अनुसंधान संस्थान (सीपीपीआरआई), सहारनपुर, उत्तर प्रदेश में २७ दिसंबर, २०२४

- डॉ. ए. के. दीक्षित ने “काले द्राव के गुण एवं रासायनिक पुन: प्राप्ति संचालन मे इसका महत्व” विषय पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. ए. के. दीक्षित ने “रासायनिक पुन: प्राप्ति संचालन मे स्केलिंग एवं जमाव संबंधी समस्याएँ” विषय पर भी व्याख्यान प्रस्तुत किया।

- श्री अंशु ने "ऊष्मा उपचार के बाद खोई –आधारित क्राफ्ट काले द्रव के बेहतर गुण" विषय पर व्याख्यान दिया।

आरएससी-डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम "लुग्दी एवं कागज उद्योग हेतु जैव-शोधन और जैव प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण" केंद्रीय कागज एवं लुग्दी अनुसंधान संस्थान (सीपीपीआरआई), सहारनपुर, उत्तर प्रदेश में २६-२७ मार्च, २०२५

- डॉ. ए. के. दीक्षित ने "सतत विकास हेतु" लुग्दी एवं कागज मिल आधारित जैव–शोधन दृष्टिकोण विषय पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. प्रीति एस. लाल ने "धान के पुआल का मूल्य संवर्धन: ऊर्जा, लुग्दी एवं कागज विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

- श्री कुमार अनुपम ने "लुग्दी एवं कागज उद्योग में रासायनिक पुन: प्राप्ति आधारित जैव–शोधन दृष्टिकोण" विषय पर व्याख्यान दिया।

अन्य

- डॉ. प्रीति एस. लाल ने २३–२६ सितंबर, २०२४ को सीपीपीआरआई, सहारनपुर में आयोजित एनजीओ उद्योगिनी की ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत "कृषि अपशिष्ट एवं बेकार कागज से हस्तनिर्मित कागज निर्माण" विषय पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. प्रीति एस. लाल ने ४–५ अक्टूबर, २०२४ को होटल रॉयल रेजीडेंसी, सहारनपुर में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला "लकड़ी की नक्कासी उधोग मे व्यावसायिक स्वास्थय खतरो" के दौरान "लकड़ी मे हस्तशिल्प कारीगरों की व्यावसायिक स्वास्थ्य सुरक्षा" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। यह कार्यशाला श्री राम इंस्टीट्यूट फॉर इंडस्ट्रियल रिसर्च, दिल्ली द्वारा आयोजित की गई थी।

- श्री कुमार अनुपम ने २५ अक्टूबर, २द्द२४ को केंद्रीय कागज एवं लुग्दी अनुसंधान संस्थान द्धसीपीपीआरआईञ्, सहारनपुर में आयोजित आरएससी–डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम "भारतीय कागज उद्योग मे एनएबीएल प्रत्यायन की प्रगति और स्थिति"के अंतर्गत "लुग्दी और कागज निर्माण मे गुणवत्ता प्रबंधन" विषय पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. नितिन एंडले ने ५ नवम्बर, २०२४ को सीपीपीआरआई, सहारनपुर में आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर "साइबर सुरक्षा एवं साइबर स्वच्छता जागरूकता विषय पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. संजय त्यागी ने ३१ जनवरी, २०२४ को केएनएचपीआई, जयपुर में ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान के रूप में "कागज प्लेट / कागज बाउल निर्माण हेतु खाद्य ग्रेड कागज की आवश्यकता एवं उपलब्धता" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

- श्रीमती अनुराधा वी. जनबादे ने महिला दिवस समारोह (मार्च २०२५) के अवसर पर सीपीपीआरआई, सहारनपुर में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

- डॉ. नितिन एंडले ने १२ मार्च, २०२५ को एनडीएमसी सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित जल स्थिरता सम्मेलन २०२५ मे "लुग्दी एवं कागज के क्षेत्र मे जल उपयोग दक्षता रुझान एयूआर रणनीतियां" विषय पर व्याख्यान दिया। यह सम्मेलन ब्यूरो ऑफ वाटर यूज एफिशिएंसी, नेशनल वाटर मिशन (जल शक्ति मंत्रालय) एवं टेरी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

डॉ. नितिन एंडले द्वारा जल स्थिरता सम्मेलन में प्रस्तुति

- सुश्री अनुराधा वी. जनबादे ने १८ मार्च, २०२५ को सीपीपीआरआई, सहारनपुर में आयोजित आरएससी–डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम "कागज उद्योग में जैव प्रौद्योगिकी और जैव–शोधन दृष्टिकोण" के दौरान "लुग्दी एवं कागज उद्योग में जैविक हस्तक्षेप के माध्यम से उत्पादकता वृद्धि" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

- डॉ. नितिन एंडले ने आरएससी–डीसीपीपीएआई – प्रशिक्षण कार्यक्रम "जैव–शोधन एवं जैव प्रौद्योगिकीय अनुप्रयोग" के अंतर्गत "लुग्दी और कागज उद्योग मे बायोमिथनेशन अनुप्रयोग – मूल बातें, जैव प्रौद्योगिकी और मामले के अध्यन की भूमिका" विषय पर व्याख्यान दिया।

- सुश्री अनुराधा वी. जनबादे, डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. प्रीति एस. लाल और डॉ. नितिन एंडले ने सीपीपीआरआई, सहारनपुर में पोश अधिनियम की ११वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित वार्तासत्र में व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस वार्तासत्र का उद्देश्य पीओएसएच अधिनियम, सी बोक्स पोर्टल और जेंडर संवेदनशीलता के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। सीपीपीआरआई आंतरिक शिकायत समिति के अध्यक्ष के रूप में यह कार्यक्रम ९ दिसंबर, २०२५ को आयोजित किया गया।

बाह्य समितियों में प्रतिनिधित्व

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार

- सदस्य, पर्यावरण मूल्यांकन समिति – उद्योग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार – डॉ. आशीष कुमार

लुग्दी, कागज एवं संबद्ध उद्योगों के लिए विकास परिषद

- सदस्य–सचिव, लुग्दी, कागज़ एवं संबद्ध उद्योगों के लिए विकास परिषद – डॉ. आशीष कुमार

लुग्दी, कागज एवं संबद्ध उद्योगों के लिए विकास परिषद की अनुसंधान संचालन समिति

- सदस्य–सचिव, अनुसंधान संचालन समिति (पूर्व में सेस समिति)– डॉ. आशीष कुमार

अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन

- संयोजक आई एस ओ / टी सी ६/एस सी २ /डब्लू जी २५(आई एस ओ समिति) – सतह की खुरदरापन परीक्षण विधि हेतु श्री आलोक कुमार गोयल

- विशेषज्ञ, आई एस ओ / टी सी ६/एस सी २ /डब्लू जी २५(आई एस ओ समिति) सतह की खुरदरापन परीक्षण विधि हेतु – डॉ. संजय त्यागी

- विशेषज्ञ, आई एस ओ /टी सी ६/एस सी २ /डब्लू जी ३० (आई एस ओ समिति) तन्यता गुण परीक्षण विधि हेतु – डॉ. संजय त्यागी

- विशेषज्ञ, आई एस ओ /टी सी ६/एस सी २ ध्डब्लू जी ४५(आई एस ओ समिति) नालीदार फाइबर बोर्ड परीक्षण विधि हेतु – डॉ. संजय त्यागी

- विशेषज्ञ, आई एस ओ /टी सी ६/एस सी २ /डब्लू जी ५० (आई एस ओ समिति) नमूना परीक्षण विधि हेतु – डॉ. संजय त्यागी

- विशेषज्ञ, आई एस ओ /टी सी ६/एस सी २ /डब्लू जी १३० (आई एस ओ समिति)– प्रिंटेबिलिटी परीक्षण विधि हेतु – डॉ. संजय त्यागी

भारतीय मानक ब्यूरो , नई दिल्ली

- अध्यक्ष, कागज एवं इसके उत्पाद खंडीय समिति सी एच डी १५, भारतीय मानक ब्यूरो डॉ. आशीष कुमार
- संयोजक, साधारण कॉपियर पेपर (सी एच डी १५: पी ९ अलर्ट पैनल, भारतीय मानक ब्यूरो – श्री आलोक कुमार गोयल
- कागज़ और कागज़ उत्पाद के लिए सी एच डी १५ समिति के मुख्य और वैकल्पिक सदस्य, बी आई एस – डॉ. संजय त्यागी, श्री आलोक कुमार गोयल
- कागज़ और कागज़ उत्पाद के लिए सी एच डी १६ समिति के मुख्य और वैकल्पिक सदस्य, बी आई एस – डॉ. संजय त्यागी, श्री आलोक कुमार गोयल
- कागज़ एवं इसके उत्पाद खंडीय समिति सी एच डी 15 की अलर्ट ग्रुप के संयोजक, भारतीय मानक ब्यूरो – डॉ. संजय त्यागी
- औद्योगिक प्रयोजनों के लिए जल गुणवत्ता खंडीय समिति (सी एच डी १३) के बी आई एस समिति के मुख्य सदस्य – डॉ. नितिन एन्डले
- औद्योगिक प्रयोजनों के लिए जल गुणवत्ता में जल उपचार रसायनों (सी एच डी १३: पी२) के बी आई एस अलर्ट पैनल के अध्यक्ष डॉ. नितिन एन्डले

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो

- अध्यक्ष, कार्बन क्रेडिट रेटिंग योजना–२०२३ के तहत गठित कार्यसमूह – लुग्दी एवं कागज़ क्षेत्र के लिए उत्सर्जन तीव्रता के अंतिमकरण हेतु – डॉ. आशीष कुमार
- सदस्य, सेक्टोरल एडवाइजरी ग्रुप, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो – कम कार्बन / ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकियों की पहचान व कार्यान्वयन हेतु डॉ. संजय त्यागी

सेतिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड

सेतिया पेपर मिल्स निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशक के रूप में सीपीपीआरआई का प्रतिनिधित्व – डॉ. प्रीति शिवहरे लाल

अन्य

- अध्यक्ष, कुमारप्पा राष्ट्रीय हस्तनिर्मित कागज संस्थान की अनुसंधान एवं विकास समिति – डॉ. आशीष कुमार
- प्रधान संपादक, भारतीय लुग्दी एवं कागज तकनीकी संघ – डॉ. आशीष कुमार
- नीति आयोग, नई दिल्ली द्वारा दिनांक १७ मई २०२४ के कार्यालय ज्ञापन के माध्यम से गठित विशेषज्ञ समिति में सदस्य – "बांस मूल्य श्रृंखला के विकास हेतु रणनीति" शीर्षक तकनीकी–वाणिज्यिक मसौदा रिपोर्ट की समीक्षा हेतु – सीपीपीआरआई की ओर से विशेषज्ञ के रूप में नामित – डॉ. प्रीति शिवहरे लाल
- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों हेतु मैपलिथो कागज की तकनीकी विशिष्टताओं की समीक्षा हेतु तकनीकी समिति के सदस्य – डॉ. संजय त्यागी
- सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता को संस्थागत रूप देने और लंबित मामलों को न्यूनतम करने हेतु गठित 'विशेष अभियान ४.0' की दो समितियों के सदस्य – डॉ. संजय त्यागी
- सदस्य, बीईई, विद्युत मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा गठित तकनीकी समिति लुग्दी, कागज एवं क्लोरो–अल्कली क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार २०२४ हेतु आवेदनों के मूल्यांकन हेतु – डॉ. संजय त्यागी
- सदस्य, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा गठित विशेषज्ञ समूह लेखन एवं मुद्रण कागज हेतु इको–मार्क मानदंडों की समीक्षा (सी एच डी १५: डब्लू जी ०२) – डॉ. संजय त्यागी
- आजीवन सदस्य, सोसाइटी ऑफ ट्रॉपिकल एग्रीकल्चर, नई दिल्ली – डॉ. नितिन एंडले
- सदस्य, बायोटेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन सेंटर, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की स्क्रीनिंग समिति – डॉ. नितिन एंडले
- विशेषज्ञ सदस्य, वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) (मानित विश्वविद्यालय) के एम.एससी. (पर्यावरण प्रबंधन पाठ्यक्रम) की अध्ययन बोर्ड समिति – डॉ. नितिन एंडले

- सदस्य, कार्यकारी समिति, भारतीय लुग्दी एवं कागज तकनीकी संघ – डॉ. नितिन एंडले
- सलाहकार बोर्ड सदस्य, सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन ऑक्यूपेशनल हेल्थ, सेफ्टी, फायर एंड एनवायरनमेंट, जी.डी. गोयंका विश्वविद्यालय – डॉ. नितिन एंडले
- तकनीकी समिति के सदस्य, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड – लुग्दी एवं कागज मिलों से प्राप्त प्रतिनिधित्वों की समीक्षा हेतु (चार्टर ३.0 के संदर्भ में) डॉ. नितिन एंडले
- आजीवन सदस्य, भारतीय वायु प्रदूषण नियंत्रण संघ, नई दिल्ली – डॉ. नितिन एंडले
- आजीवन सदस्य, भारतीय लुग्दी एवं कागज तकनीकी संघ – डॉ. प्रीति शिवहरे लाल, डॉ. नितिन एंडले, मो. सालिम

प्रकाशन

वर्ष २०२४ –२०२५ के दौरान प्रकाशित प्रकाशनों की सूची निम्नानुसार है:

- दास, एस., अग्रवाल, आर., अंशु, अनुपम, के. एवं दीक्षित, ए. के. (२०२४ – "लुग्दी और कागज मिल के काला द्राव से समाजोपयोगी अनुप्रयोगों हेतु सामग्री की तैयारी।" लघुकरण में नैनो प्रौद्योगिकी: भविष्य के उपकरणों के निर्माण की एक उभरती प्रवृत्ति. चौम: स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड (पृष्ठ ४७१ –४८९)।

- दास, एस., रानी, ए., गहलोत, एम., कपूर, एस., सिसोदिया, एन., शर्मा, ए. (२०२४) – "सेसबानिया एकुलेटा (ढैंचा) तनों के लिए आर एस एम का उपयोग करते हुए क्राफ्ट लुग्दीकरण प्रक्रिया का अनुकूलन।" नॉर्डिक लुग्दी एंड कागज अनुसंधान जर्नल,४0(१) ४७–५९।

- धीमान, जी., शर्मा, ए., एवं लाल, पी. एस. (२०२४) – "बाँस (डेंड्रोकैलमस स्ट्रिक्टस) और नीलगिरी से उच्च शुद्धता वाली घुलनशील ग्रेड लुग्दी का उत्पादन और उनकी तुलना।" इनपेपर इंटरनेशनल, अप्रैल जून, पृष्ठ १८१ –१२१।

- एंडले, एन., सालीम, एम., एवं त्रिपाठी, ए.(२०२४) "चार्टर 3.0: भारतीय कागज उद्योग के लिए आवश्यकताएँ, चुनौतियाँ और प्रभाव।" पेपरेक्स साउथ इंडिया २०२४ कॉन्फ्रेंस की प्रोसीडिंग्स में (पृष्ठ११ –२४)।

- लाल, पी. एस., शर्मा, ए., धीमान, जी., एवं कुमार, ए.(२०२४) – "टिकाऊ पैकेजिंग सामग्री (मोल्डेड उत्पाद, कागज और बोर्ड) के उत्पादन हेतु धान के पुआल के उपयोग का अनुकूलन।" इप्टा जरनल ३६(३),९६–१0१।

- लाल, पी. एस., शर्मा, ए., एवं कुमार, ए.(२०२४) – "ओजोन ब्लीचिंग तकनीक का अनुप्रयोग: भारतीय लुग्दी एवं कागज उद्योग का दृष्टिकोण।" ७वें अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन की प्रोसीडिंग्स (लुग्दी, कागज और सहायक उद्योग) में (पृष्ठ१३५–१४0)।

- त्यागी, एस.(२०२४) – "कंडीशन डायग्नोस्टिक तकनीकें: कागज उद्योग की लाभप्रदता बढ़ाने का एक नया दृष्टिकोण।" पेपरेक्स साउथ इंडिया , 7वां अंतरराष्ट्रीय तकनीकी सम्मेलन लुग्दी, कागज और सहायक उद्योग: कागज एवं पैकेजिंग उद्योग – वास्तविकताएँ और नए अवसर की प्रोसीडिंग्स में (पृष्ठ१२३–१३४)।

प्रतिवेदन

वर्ष २०२४–२०२५ के दौरान विभिन्न प्रतिवेदन तैयार किए गए। उनका विवरण निम्नलिखित है –

जीपीआइ अध्ययन

वर्ष २०२४–२०२५ में सीपीपीआरआई के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा १४३ इकाइयों के जी पी आई – निरीक्षण प्रतिवेदन तैयार किए गए।

कच्चा माल, लुग्दीकरण एवं विरंजन

- गेहूं के पुआल और नीलगिरी लकड़ी के नमूने पर योगात्मक लुग्दी अध्ययन, प्रायोजकः एब्सोल्यूट साइंटिफिक सॉल्यूशंस, जगाधरी, जिला यमुनानगर (हरियाणा)

- उत्तर–पूर्व भारत में लुग्दी एवं कागज निर्माण हेतु बांस के उपयोग की व्यवहार्यता अध्ययन, प्रायोजकः कोहिनूर लुग्दी एंड कागज प्राइवेट लिमिटेड, असम

- मिल लुग्दी की ओजोन विरंजन का अध्ययन, प्रायोजकः हरिहर पॉलीफाइबर, कुमारपट्टम, जिला हावेरी, कर्नाटक

- विस्कोस रेशे हेतु पायलट स्तर पर संपूर्ण जूट घुलनशील लुग्दी का उत्पादन, प्रायोजकः नेशनल जूट बोर्ड, भारत सरकार, नई दिल्ली

- घुलनशील श्रेणी लुग्दी तैयारी हेतु छाल रहित सहजन (मोरिंगा), प्रायोजकः ए बी एस टी सी एल, मुंबई, महाराष्ट्र

- पैकेजिंग श्रेणी लुग्दी निर्माण हेतु वार्षिक घास का उपयोग, प्रायोजकः देवी एनर्जीज, हैदराबाद

- एरैमिड रेशे की परिष्कृत का अनुकूलन अध्ययन, प्रायोजकः मुकेश फर्निशिंग्स प्रा. लि., पानीपत

- एकेशिया की ई सी एफ विरंजन प्रायोजकम्‍ वेस्ट कोस्ट कागज मिल, बांगर नगर, डंडेली

- यूकेलिप्टस की ई सी एफ विरंजन, प्रायोजकः वेस्ट कोस्ट कागज मिल, बांगर नगर, डंडेली

- लगभग ५ किलोग्राम संपूर्ण जूट घुलनशील ग्रेड लुग्दी की तैयारी, प्रायोजकः डिफेंस मटेरियल्स एंड स्टोर्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट इस्टैब्लिशमेंट, जी.टी. रोड, कानपुर

विभिन्न ग्राहकों हेतु फाइबर, भौतिक एवं शक्ति गुणों का मूल्यांकन

- ट्रेडकॉम इंटरनेशनल प्रा. लि., नई दिल्ली
- विशाका इंडस्ट्रीज लिमिटेड, नलगोंडा, तेलंगाना
- स्पार्टन लुग्दी प्रा. लि., अहमदाबाद, गुजरात
- राइनो रूफिंग प्रोडक्ट लि., कोलंबो, श्रीलंका
- ब्राउन ओवरसीज प्रा. लि., जे. बी. नगर, अंधेरी–पूर्व, मुंबई
- सेलपैप मर्केंटाइल एलएलपी, मुंबई, महाराष्ट्र
- सह्याद्री इंडस्ट्रीज लिमिटेड, पुणे, महाराष्ट्र
- इको टेक पेपर्स, गुवाहाटी, असम
- एवरेस्ट इंडस्ट्रीज लिमिटेड, भगवानपुर, उत्तराखंड
- सेंचुरी पल्प एंड पेपर, लालकुआं, उत्तराखंड
- इ सी एफ ए इंडस्ट्रियल कंपनी, रियाद, सऊदी अरब
- यश पक्का लिमिटेड, अयोध्या, उत्तर प्रदेश
- सेलपैप मर्सेंटाइल एलएलपी, मुंबई, महाराष्ट्र
- जॉली बोर्ड लिमिटेड, औरंगाबाद, महाराष्ट्र
- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई), लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- उर्वशी लुग्दी एंड कागज मिल्स प्रा. लि., अंकलेश्वर
- एवरेस्ट इंडस्ट्रीज लिमिटेड, भगवानपुर, उत्तराखंड
- ब्राउन ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड, जे. बी. नगर, अंधेरी–ईस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र
- शिवा हैंडमेड कागज, हरिद्वार, उत्तराखंड
- दुर्गा हैंडमेड पेपर्स, बिहारगढ़, उत्तराखंड
- ट्रेडकॉम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली
- स्पार्टन लुग्दी प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
- जीवीजी कागज मिल्स प्रा. लि., उदुमलाईपट्टी, तमिलनाडु
- श्री बालमुरुगन पेपर्स एंड बोर्ड्स, तमिलनाडु
- श्रीनिवासा पेपर्स एजेंसी प्रा. लि., चेन्नई, तमिलनाडु
- युफ्लेक्स लिमिटेड, पेकेजिंग विभाग, नोएडा, उत्तर प्रदेश
- राइनो रूफिंग प्रोडक्ट लि., कोलंबो, श्रीलंका

फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) एवं पैकेजिंग उद्योगों द्वारा उपयोग किए गए पैकिंग सामग्री की पुनरू लुग्दीकरण क्षमता एवं कागज़ निर्माण क्षमता पर तकनीकी अध्ययन

कुल२५ पैकिंग सामग्री नमूनों का परीक्षण किया गया। इनमें से१६ रिपोर्ट तैयार की गईं –

- इंटेक टेप प्रा. लि., बेंगलुरु, कर्नाटक
- पक्का इम्पैक्ट लि., बेंगलुरु, कर्नाटक
- नोवात्योर इलेक्ट्रिकल एंड डिजिटल सिस्टम प्रा. लि., सिन्नार महाराष्ट्र
- यश पक्का लिमिटेड, अयोध्या, उत्तर प्रदेश
- यूनिलीवर इंडस्ट्रीज प्रा. लि., मुंबई, महाराष्ट्र
- सिर्कला टेक्नोलॉजीज प्रा. लि., मुंबई, महाराष्ट्र
- एवरग्रीन सस्टेनेबल सॉल्यूशन प्रा. लि., यमुनानगर, हरियाणा
- एलिसियम इंडस्ट्रीज इंडिया प्रा. लि., जलालपुर, गुजरात
- द ट्रैश कंपनी, राजकोट, गुजरात
- आउम कागज प्रोडक्ट्स प्रा. लि., कर्नाटक
- मैक्सिम स्पेशल्टी केमिकल्स प्रा. लि., ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
- ग्रीवोस बायोपैक एलएलपी, राजकोट, गुजरात
- पार्कसन्स पैकेजिंग लि., मुंबई, महाराष्ट्र
- सीएसआईआर–एनआईआईएसटी, तिरुवनंतपुरम, केरल
- आईटीसी लिमिटेड, सिकंदराबाद, तेलंगाना
- खन्ना कागज मिल्स लि., अमृतसर,पंजाब

ए-४ कॉपियर कागज, पुराने समाचार पत्र एवं पुस्तकों के स्टॉक के विभिन्न मिश्रणों की चमक व फाइबर गुणों का मूल्यांकन

- गुलशन श्री बालाजी ट्रेडलिंक, नागपुर, महाराष्ट्र

ओ सी सी फाइबर लाइन की स्टिकी प्रोफाइलिंग

- अल धफरा कागज मैन्युफैक्चरिंग कंपनी एलएलसी, अबू धाबी, यूएई

ओ बी ए नमूने का ई–मूल्य परीक्षण

- शाह कागज मिल्स लि., गुजरात

"एम् एफ सी" रसायन के २% अनुप्रयोग का परीक्षण एवं कागज की मजबूती और प्रकाशीय गुणों का मूल्यांकन

- राजीव केमिकल्स प्रा. लि., गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

कागज निर्माण में लुग्दी धूल का उपयोग

- सन प्लास्ट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

घर्षण हानि हेतु फिलर्स (जी सी सी पाउडर) का परीक्षण

- कुमाऊं जियोरिसोर्स प्रा. लि., हल्द्वानी,उत्तराखंड
- गुलशन पॉलीऑल्स लि., मुजफ्फरनगर,उत्तराखंड
- पर्ल माइनेकम, उदयपुर, राजस्थान

लुग्दी का जल धारण मान

- नैनी पेपर्स लि., काशीपुर, उत्तराखंड
- क्वांटम पेपर्स लि., होशियारपुर, पंजाब

गीले छोर पर ०२ ओ बी ए नमूनों का मूल्यांकन

- कृष्णा इंडस्ट्रीज, अहमदाबाद,गुजरात

पॉली लेपित एस बी एस कागज में पॉली सामग्री

- भूपेन्द्र सिंह नेगी, देहरादून, उत्तराखंड

जेड एल डी व्यवहार्यता मूल्यांकन

- गर्जया पेपर्स प्रा. लि., बाजपुर, उत्तराखंड
- हरहरमहादेव कागज मिल्स एलएलपी, संत कबीर नगर, उत्तर प्रदेश

ई टी पी प्रदर्शन मूल्यांकन

- श्री भागेश्वरी पेपर्स प्रा. लि., यूनिट–II, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- बिंदल्स कागज मिल्स लि., मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- टिहरी पल्प एंड पेपर लि., यूनिट–I एवं II, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- गार्ग डुप्लेक्स एंड पेपर्स प्रा. लि., मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- सिल्वर्टन पल्प एंड पेपर्स प्रा. लि., यूनिट–I एवं II, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश

- सिद्धबली कागज मिल्स लि., भोप रोड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- मीनू कागज मिल्स, भोप रोड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- तिरुपति बालाजी फाइबर्स प्रा. लि., मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश

अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र की पर्याप्तता मूल्यांकन

- रेयाना कागज बोर्ड इंडस्ट्रीज लि., खलीलाबाद, उत्तर प्रदेश
- कमाक्षी कागज मिल, गजरौला, उत्तर प्रदेश
- चीमा पेपर्स लि., काशीपुर, उधम सिंह नगर
- रमा श्यामा पेपर्स प्रा. लि., बरेली, उत्तर प्रदेश
- सहोता पेपर्स लि., काशीपुर, उधम सिंह नगर
- कृष्णा एंड संस कागज मिल्स प्रा. लि., बाजपुर, उत्तराखंड
- स्टार कागज मिल्स लि., सहारनपुर, उत्तर प्रदेश

कागज मिलों और अन्य संगठनों का दौरा

- डॉ. एम. के. गुप्ता और सुश्री बरनाली शोम ने डीसीपीपीएआई के एजेंडे पर चर्चा करने और एक बैठक में भाग लेने के लिए १ अप्रैल, २०२४ को उद्योग भवन, दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता ने लुग्दी और कागज तकनीकी अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु ३ अप्रैल, २०२४ को सीएसआईओ, चंडीगढ़ का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित ने ३ अप्रैल, २०२४ को एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के संबंध में बैठक के लिए सीएसआईओ और एनआईटीटीआर, चंडीगढ़ का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले ने कागज उद्योग परियोजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ संयुक्त निरीक्षण और अनुपालन सत्यापन के लिए १ अप्रैल, ८–१० अप्रैल, १५–१६ अप्रैल, १८ अप्रैल, २४–२५ अप्रैल और ३० अप्रैल, २०२४ को उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मुजफ्फरनगर का दौरा किया।
- मोहम्मद सालिम ने सीपीसीबी–जीपीआई, २०२४ परियोजना के तहत मेरठ क्षेत्र में कागज इकाइयों के संयुक्त पर्यावरण निरीक्षण के लिए ४ अप्रैल, २०२४ को उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मेरठ का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता और सुश्री बरनाली शोम ने वकील के साथ चर्चा करने के लिए १३ अप्रैल, २०२४ को उच्च न्यायालय, इलाहाबाद का दौरा किया।
- मोहम्मद सालिम ने सीपीसीबी–जीपीआई, २०२४ परियोजना के तहत मेरठ क्षेत्र में कागज औद्योगिक इकाइयों के संयुक्त निरीक्षण और अनुपालन सत्यापन के लिए २४ अप्रैल, २०२४ और ३० अप्रैल, २०२४ को उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मेरठ का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता ने २५ अप्रैल, २०२४ को नीरी, नागपुर के अधिकारियों के साथ बैठक के लिए नीरी नागपुर का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी और श्री आलोक कुमार गोयल ने सीएचडी–१५ की हाइब्रिड तकनीकी समिति की बैठक में भाग लेने के लिए २५ अप्रैल, २०२४ को वाणिज्य भवन, नई दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता और डॉ. नितिन एंडले ने आरएससी–डीसीपीपीएआई बैठक के संबंध में अवर सचिव के साथ चर्चा करने के लिए ३० अप्रैल, २०२४ को डीपीआईआईटी, दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता और डॉ. नितिन एंडले ने १ मई, २०२४ को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए नीरी, नागपुर का दौरा किया।
- सुश्री बरनाली शोम ने २ मई, २०२४ को केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण एवं मंत्रालय में एक बैठक के लिए केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण एवं मंत्रालय, दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने मिस्ट चैंबर के लिए पौधे एकत्र करने हेतु ६ मई, २०२४ को एफआरआई, देहरादून का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले ने ईटीपी पर्याप्तता और सीपीसीबी चार्टर बैठक के लिए ६ मई, २०२४ को रायना पेपर बोर्ड इंडस्ट्रीज लिमिटेड (यूनिट–I), खलीलाबाद, जिला संत कबीर नगर, उत्तर प्रदेश का दौरा किया।

- डॉ. संजय त्यागी और श्री आलोक कुमार गोयल ने सीपीपीआरआई फंड से संबंधित बैठक में भाग लेने, शिवाजी स्टेडियम स्थित पीएफएमएस कार्यालय के पेपर सेक्शन में आवश्यक कार्य करने और संयोजक के रूप में सीएचडी–१५, पी–९ बैठक में भाग लेने के लिए १३ से १४ मई, २०२४ तक पेपर सेक्शन, डीपीआईआईटी, पीएफएमएस कार्यालय, शिवाजी स्टेडियम और बीआईएस मानक भवन, दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता केएनएचपीआई द्वारा आयोजित आम सभा की बैठक में भाग लेने के लिए १५मई, २०२४ को जयपुर आए।
- श्री पंकज एमएससी सीपीटी छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं एकत्र करने के लिए २४ मई, २०२४ को एफआरआई, देहरादून गए।
- श्रीमती अनुराधा जानबादे और डॉ. नितिन कुमार ने बायोडिग्रेडेबल एक्सपो २०२४ में भाग लेने के लिए ४ जून, २०२४ को नोएडा का दौरा किया।
- डॉ. प्रीति एस. लाल, ६ जून, २०२४ को सीआईआई सेमिनार में भाग लेने के लिए नई दिल्ली आईं।
- डॉ. ए. के. दीक्षित ने ६ जून, २०२४ को सीबीआई कार्यालय गाजियाबाद और एनसीसीबीएम, दिल्ली का दौरा किया और एनसीसीबीएम में निदेशक से मुलाकात की।
- डॉ. ए. के. दीक्षित ने सरकारी कार्य हेतु १० जून, २०२४ को एनसीसीबीएम बल्लभगढ़, डीपीआईआईटी दिल्ली और सीबीआई गाजियाबाद का दौरा किया।
- श्री आलोक कुमार गोयल और डॉ. संजय त्यागी ने १३ जून, २०२४ को आईएसओ/टीसी–६ की बैठक में संयोजक के रूप में भाग लेने के लिए बीआईएस मानक भवन, नई दिल्ली का दौरा किया।
- श्री कुमार अनुपम ने उत्तर पुस्तिकाएं एफआरआई में जमा करने के लिए १३ जून, २०२४ को एफआरआई, देहरादून का दौरा किया।
- श्री आलोक कुमार गोयल और श्री एस. डी. नेगी ने डब्ल्यूपीआरपीसी परियोजना के ब्लूप्रिंट पर चर्चा करने और उसे अंतिम रूप देने के लिए २६ जून, २०२४ को आईएआरपीएमए कार्यालय, नई दिल्ली का दौरा किया।
- श्री एन. के. नाइक ने एनसीबीएम में श्री अमित त्रिवेदी के साथ खरीद संबंधी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए २६ जून, २०२४ को एनसीबीएम, बल्लभगढ़ और दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित और डॉ. प्रीति शिवहरे लाल ने २ जुलाई, २०२४ को यूएनआईडीओ बैठक में भाग लेने के लिए एनसीसीबीएम और डीपीआईआईटी, बल्लभगढ़/दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. प्रीति एस. लाल, श्री आलोक कुमार गोयल और श्री एस. डी. नेगी ने ४ जुलाई, २०२४ को आईएआरपीएमए और वन स्टेप ग्रीनर, वसंत विहार, दिल्ली का दौरा किया और आईएआरपीएमए के एसजी और वन स्टेप ग्रीनर के निदेशक से मुलाकात की तथा वन स्टेप ग्रीनर साइट का दौरा किया।
- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल ने ४ जुलाई, २०२४ को डब्ल्यूपीआरपीसी और एनजेबी की बैठकों में भाग लेने के लिए डब्ल्यूपीआरपीसी और एनजेबी, नई दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. अरविंद कुमार शर्मा और डॉ. प्रीति शिवहरे लाल ने पौधे और पौधों की कटिंग एकत्र करने और एक बैठक में भाग लेने के लिए ९ जुलाई, २०२४ को एफआरआई, देहरादून का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी ने लुग्दी एवं कागज़ सेक्टर में चौथी क्षेत्रीय सलाहकार समूह की बैठक में भाग लेने के लिए १२ जुलाई, २०२४ को बीईई, नई दिल्ली दौरा किया।

- सुश्री बरनाली शोम ने १२ जुलाई, २०२४ को सिविल कोर्ट और भूमि अधिग्रहण कार्यालय, मेरठ में एक बैठक के लिए दौरा किया।
- श्री आलोक कुमार गोयल और डॉ. संजय त्यागी ने तकनीकी समिति के सदस्यों के लिए एक कार्यशाला और विचार–मंथन सत्र में भाग लेने के लिए १५ जुलाई, २०२४ को नोएडा का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित और डॉ. नितिन एंडले ने आरएससी डीसीपीपीएआई बैठक के आयोजन और उसमें भाग लेने के लिए १८ जुलाई, २०२४ को एनसीसीबीएम, बल्लभगढ़ का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी और श्री आलोक कुमार गोयल ने एनसीईआरटी निविदाओं से संबंधित बैठक में भाग लेने, सीएचडी–१५ की ३३वीं तकनीकी समिति की बैठक में भाग लेने और एक कार्यशाला में व्याख्यान देने के लिए २४ जुलाई, २०२४ को एनसीईआरटी और बीआईएस मानक भवन, नई दिल्ली का दौरा किया।
- सुश्री बरनाली शोम ने २५ जुलाई, २०२४ को एनसीसीबीएम, शहरी आवास मामलों के मंत्रालय और बीआईएस, बल्लभगढ़ का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले ने २६ जुलाई, २०२४ को एक बैठक में भाग लेने के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी ने कागज के प्रेषण–पूर्व निरीक्षण के लिए २८ जुलाई, २०२४ को राडेक्स स्टेशनरी (प्रा.) लिमिटेड, देहरादून का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले ने जीपीआई–२०२४ परियोजना के अंतर्गत संयुक्त निरीक्षण और अनुपालन सत्यापन के लिए ६ अगस्त, २०२४ को उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, रुद्रपुर/खटीमा का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. प्रीति शिवहरे लाल, श्री आलोक कुमार गोयल और सुश्री बरनाली शोम ने परियोजना पर चर्चा करने, खरीद से संबंधित फाइलों पर हस्ताक्षर करने, डीपीआईआईटी पेपर सेक्शन में पूर्व–प्राप्ति वचनबद्धता प्रस्तुत करने और एनसीसीबीएम का दौरा करने के लिए ८ अगस्त, २०२४ को एनसीसीबीएम, बल्लभगढ़ का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित ने एनपीसी कार्यशाला में पैनल चर्चा में भाग लेने के लिए ८ अगस्त, २०२४ को हैबिटेड सेंटर, दिल्ली का दौरा किया।
- सुश्री बरनाली शोम और श्री एन. के. नाइक ने सीपीपीआरआई के निदेशक डॉ. एल.पी. सिंह से खरीद से संबंधित फाइलों पर चर्चा करने और अनुमोदन प्राप्त करने तथा एनसीसीबीएम का दौरा करने के लिए २२ अगस्त, २०२४ को एनसीसीबीएम, बल्लभगढ़ का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी सीसीटीएस की ५ वीं बैठक में भाग लेने के लिए २७ अगस्त, २०२४ को सेवा भवन, नई दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल और डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने जूट के रेशे से देशी रेशा बनाने और कटाई पर चर्चा करने के लिए ९ सितंबर, २०२४ को गाजियाबाद का दौरा किया।
- श्री कुमार अनुपम ने चौथे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लेने के लिए १३ सितंबर, २०२४ को चौथे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन, नई दिल्ली का दौरा किया।

- श्री आलोक कुमार गोयल ने सीपीपीआरआई बजट (बीई और आरई) पर एक बैठक में भाग लेने और पेपर सेक्शन, डीपीआईआईटी और डब्ल्यूपीआरपीसी से संबंधित आवश्यक कार्य करने के लिए १९ सितंबर, २०२४ को पेपर सेक्शन, डीपीआईआईटी, नई दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा एवं उद्योगिनी के प्रशिक्षुओं ने २५ सितम्बर, २०२४ को शंकर ग्राम उद्योग, हापुड का दौरा किया।
- श्री आलोक कुमार गोयल और श्री एन. के. नाइक ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो – द्वितीय संस्करण में सीपीपीआरआई स्टॉल स्थापित करने और उसमें भाग लेने के लिए २४ से २७ सितंबर, २०२४ तक यूपीआईटीएस–२०२४, नोएडा/गाजियाबाद का दौरा किया।
- श्रीमती अनुराधा जनबादे, डॉ. प्रीति शिवहरे लाल और सुश्री बरनाली शोम ने बोर्ड सदस्य के रूप में कार्य करने, कर्मचारियों की भर्ती के लिए साक्षात्कार आयोजित करने, यूपी व्यापार मेले में भाग लेने और डब्ल्यूपीआरपीसी परियोजना के तहत वॉक–इन इंटरव्यू आयोजित करने के लिए २९ सितंबर, २०२४ को डब्ल्यूपीआरपीसी केंद्र, नई दिल्ली और यूपी व्यापार मेला, ग्रेटर नोएडा का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले ने ऑनलाइन आरएससी–डीसीपीपीएआई बैठक आयोजित करने और उसमें भाग लेने के लिए सितंबर २०२४ में एनसीसीबीएम, दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. आशीष कुमार ने ९ अक्टूबर, २०२४ को उद्योग भवन और वाणिज्य भवन, दिल्ली का दौरा किया, जहां उन्होंने एक आम बैठक के लिए संयुक्त सचिव से मुलाकात की तथा इंडस्ट्री हाउस और कश्वमर्स हाउस, दिल्ली का दौरा किया तथा बल्लभगढ़, फरीदाबाद में सीपीपीआरआई के पूर्व निदेशक डॉ. एल.पी. सिंह से मुलाकात की।
- डॉ. संजय त्यागी ने ४ अक्टूबर, २०२४ को एक बैठक के लिए सीपीडब्ल्यूडी कार्यालय, रुड़की का दौरा किया।
- श्री आलोक कुमार गोयल और डॉ. संजय त्यागी ने १८ अक्टूबर, २०२४ को बीआईएस पैनल बैठक के लिए बीआईएस और उद्योग भवन, दिल्ली का दौरा किया, जहां उन्होंने आधिकारिक दस्तावेजों पर चर्चा की, आईएस: १८४८ (भाग–I) की संशोधन बैठक में भाग लिया और उद्योग भवन, बीआईएस और डब्ल्यूपीआरपीसी में विभिन्न संबंधित कार्य किए।
- सुश्री बरनाली शोम ने १८ अक्टूबर, २०२४ को एलए कोर्ट में एक बैठक के लिए एलए कोर्ट, मेरठ का दौरा किया।
- डॉ. आशीष कुमार, श्री आलोक कुमार गोयल और डॉ. संजय त्यागी ने २३ अक्टूबर, २०२४ को उद्योग भवन, बीआईएस मानक भवन, नई दिल्ली का दौरा किया, एक आम बैठक के लिए संयुक्त सचिव से मुलाकात की, उद्योग भवन और वाणिज्य भवन, दिल्ली का दौरा किया, बल्लभगढ़, फरीदाबाद में सीपीपीआरआई के पूर्व निदेशक डॉ. एल.पी. सिंह से मुलाकात की, ३४ वीं सीएचडी–१५ बैठक में भाग लिया और डीपीआईआईटी में विभागीय कार्य किया।
- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल, डॉ. अरविंद कुमार शर्मा और श्रीमती गुंजन धीमान ने २४ अक्टूबर, २०२४ को एक तकनीकी सेमिनार, पोस्टर प्रस्तुति और एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए उत्तरी भारत वस्त्र अनुसंधान संघ, राज नगर, गाजियाबाद का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित और डॉ. संजय त्यागी ने एक सम्मेलन में भाग लेने और एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान/भाषण देने के लिए २६ अक्टूबर, २०२४ को उत्तरांचल विश्वविद्यालय, देहरादून का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (एनईसीए) २०२४ पर चर्चा के लिए तकनीकी समिति की बैठक में भाग लेने के लिए २४ अक्टूबर, २०२४ को बीईई, नई दिल्ली का दौरा किया।

- श्रीमती अनुराधा जानबादे ने ४ नवंबर, २०२४ को आरएससी–डीसीपीपीएआई तकनीकी समिति की बैठक में भाग लेने के लिए वाणिज्य भवन, नई दिल्ली का दौरा किया।
- श्री एस. डी. नेगी और श्री शुभांग भारद्वाज ने आर्ट पेपर के जीईएम प्री–डिस्पैच निरीक्षण के लिए ५ नवंबर, २०२४ को बीआईएलटी ग्राफिक पेपर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, भिगवान, पुणे, महाराष्ट्र का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित और डॉ. आशीष कुमार बीईई द्वारा आयोजित एक बैठक में भाग लेने के लिए ६ नवंबर, २०२४ को नई दिल्ली आए।
- डॉ. ए. के. दीक्षित ने सतर्कता समिति द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए ७ नवंबर, २०२४ को सतर्कता समिति, दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले ने १२ नवंबर, २०२४ को मीनू पेपर मिल्स, भोपा रोड, मुजफ्फरनगर का दौरा किया और पानी के नमूने और आवश्यक दस्तावेज एकत्र करके ईटीपी प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार की।
- डॉ. नितिन एंडले और डॉ. संजय त्यागी ने १३ नवंबर, २०२४ को वाणिज्य भवन, नई दिल्ली का दौरा किया, जहां उन्होंने भारतीय लुग्दी और कागज उद्योग के लिए नवीन प्रौद्योगिकियों के फर्म स्तर के प्रदर्शन और उत्पादकता वृद्धि – चरण III परियोजना पर संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी की अध्यक्षता में एक बैठक में भाग लिया।
- डॉ. प्रीति एस. लाल ने आईपीपीटीए सेमिनार में भाग लेने के लिए संभाजी नगर का दौरा किया और पैरासंस मशीनरी, टेबलवेयर प्लांट का भी दौरा किया।
- मोहम्मद सालिम ने विभिन्न मिलों से पानी के नमूने और आवश्यक दस्तावेज एकत्र करके ईटीपी प्रदर्शन रिपोर्ट तैयार करने के लिए १८ नवंबर, २०२४ को तिरुपति बालाजी फाइबर्स प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश का दौरा किया।
- श्री एन. के. नाइक, श्री पंकज गोले और श्री केवीवीके सत्य साई ने 10वें आरएससी–डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए स्थल का चयन करने हेतु कोटेशन एकत्र करने हेतु १८ नवंबर, २०२४ को आरएससी–डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम, काशीपुर का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (एनईसीए) २०२४ पर चर्चा के लिए तकनीकी समिति की बैठक में भाग लेने के लिए २२ नवंबर, २०२४ को बीईई, नई दिल्ली का दौरा किया।
- श्री केवीवीके सत्य साई ने २२ नवंबर, २०२४ को मेरठ में अदालती कार्यवाही प्रस्तुत करने और ऑडिट पैरा पर चर्चा करने के लिए नई दिल्ली में एक बैठक में भाग लेने के लिए न्यायालय और डीपीआईआईटी, मेरठ/दिल्ली का दौरा किया।
- श्री शुभांग भारद्वाज ने मैपलिथो पेपर के जीईएम प्री–डिस्पैच निरीक्षण के लिए २५ नवंबर, २०२४ को सतिया पेपर मिल, मुक्तसर, पंजाब का दौरा किया।
- श्री केवीवीके सत्य साईं ने आयकर विभाग से प्राप्त डिमांड नोटिस का चालान जमा करने के लिए २६ नवंबर, २०२४ को आयकर कार्यालय, मुजफ्फरनगर का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित, श्री एस. डी. नेगी, श्री एन. के. नाइक, श्री पंकज गोले और श्री कुमार अनुपम ने २८–२९ नवंबर, २०२४ को १० वें आरएससी–डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करने और उसमें भाग लेने के लिए २७ नवंबर, २०२४ को काशीपुर का दौरा किया।

- सुश्री बरनाली शोम और श्री आलोक कुमार गोयल ने २७ नवंबर, २०२४ को एक ऑडिट बैठक और डीपीआईआईटी की ऑडिट एड–हॉक समिति की पहली बैठक में भाग लेने के लिए मंत्रालय, डीपीआईआईटी, उद्योग भवन, नई दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी और श्री आलोक कुमार गोयल ने २६ नवंबर, २०२४ को बीआईएस मानक भवन, नई दिल्ली का दौरा किया, जहां उन्होंने 'नालीदार फाइबर बोर्ड परीक्षण विधि' के संबंध में आईएसओ/टीसी–६/एससी२/डब्ल्यूजी–२४ की बैठक में भाग लिया।
- डॉ. आशीष कुमार, डॉ. ए.के. दीक्षित, श्रीमती अनुराधा जनबादे और सुश्री बरनाली शोम ने सीपीपीआरआई भर्ती प्रक्रिया के संबंध में डीपीआईआईटी के निदेशक श्री एन.के. वाधवा और पेपर अनुभाग के निदेशक के साथ बैठक में भाग लेने के लिए ३ दिसंबर, २०२४ को डीपीआईआईटी, उद्योग भवन, नई दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. प्रीति शिवहरे लाल, डॉ. नितिन एंडले और डॉ. संजय त्यागी ने प्रदर्शनी में भाग लेने, साऊथ इंडिया पेपरएक्स २०२४ तकनीकी सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत करने और सीएचडी–१६ बैठक में भाग लेने के लिए ३ दिसंबर, २०२४ से ६ दिसम्बर, २०२४ तक चेन्नई का दौरा किया।
- श्री एस. डी. नेगी और डॉ. शुभांग भारद्वाज ने मैपलिथो पेपर के जीईएम प्री–डिस्पैच निरीक्षण के लिए ४ दिसंबर, २०२४ को के. आर. पल्प एंड पेपर, शाहजहांपुर और मुरादाबाद का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी ने १० दिसंबर, २०२४ को "आसियान देशों से कर मुक्त कागज आयात डंपिंग" पर एक ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।
- डॉ. नितिन एंडले ने १० दिसंबर २०२४ को लालकुआं का दौरा किया और डेटा और जानकारी एकत्र करके क्षमता विस्तार के बाद प्रदूषण भार में वृद्धि न होने पर एक रिपोर्ट तैयार की।
- डॉ. संजय त्यागी और श्री आलोक कुमार गोयल ने आयात वृद्धि पर डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव श्री संजीव जी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में भाग लेने के लिए ११ दिसंबर, २०२४ को वाणिज्य भवन, नई दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल और डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने परियोजना से संबंधित बैठक में भाग लेने के लिए १२ दिसंबर, २०२४ को एफआरआई, देहरादून का दौरा किया।
- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल, श्रीमती अनुराधा जनबादे और सुश्री बरनाली शोम ने जेआरएफ चयन के लिए साक्षात्कार आयोजित करने, वॉक–इन इंटरव्यू आयोजित करने और साक्षात्कार बोर्ड के सदस्य के रूप में भाग लेने के लिए १२ दिसंबर, २०२४ को डब्ल्यूपीआरपीसी, दिल्ली का दौरा किया।
- श्री आलोक कुमार गोयल ने १३ दिसंबर, २०२४ को डब्ल्यूपीआरपीसी के अंतर्गत परियोजना कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए चयन समिति के आंतरिक सदस्य के रूप में डब्ल्यूपीआरपीसी, पटपड़गंज, दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. शुभांग भारद्वाज और श्री कुलदीप शर्मा ने मैपलिथो पेपर के जीईएम प्री–डिस्पैच निरीक्षण के लिए १३ दिसंबर, २०२४ और १८ दिसम्बर, २०२४ को के.आर. पल्प एंड पेपर, शाहजहांपुर का दौरा किया।
- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल ने रास्ट्रीय पटसन बोर्ड की बैठक में भाग लेने के लिए १५ दिसंबर, २०२४ को पटसन भवन, कोलकाता का दौरा किया।

- डॉ. शुभांग भारद्वाज और श्री कुलदीप शर्मा ने मैपलिथो पेपर के जीईएम प्री–डिस्पैच निरीक्षण के लिए १८ दिसंबर, २०२४ को के.आर. पल्प एंड पेपर्स लिमिटेड, जलालाबाद, शाहजहांपुर का दौरा किया।
- श्री कुमार अनुपम ने एम.एस.सी. के छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं और प्रश्न पत्र जमा करने के लिए १९ दिसंबर, २०२४ को एफआरआई, देहरादून का दौरा किया।
- डॉ. आशीष कुमार, डॉ. प्रीति शिवहरे लाल, श्रीमती अनुराधा जनबादे, डॉ. नितिन एंडले, डॉ. संजय त्यागी, मोहम्मद सालिम और श्री आलोक कुमार गोयल ने २६ दिसंबर, २०२४ को आरएससी डीसीपीपीएआई बैठक, वाणिज्य भवन, नई दिल्ली का दौरा किया और पेपर सेक्शन, डीपीआईआईटी को आधिकारिक दस्तावेज प्रस्तुत किए।
- डॉ. नितिन एंडले ने हरहर महादेव पेपर मिल्स एलएलपी, जब्बार टप्पा मेहदावल, संत कबीर नगर, उत्तर प्रदेश का दौरा किया। एक अनिर्दिष्ट तिथि २द्द२४ में जल के नमूने और आवश्यक दस्तावेज एकत्र करके ईटीपी प्रदर्शन रिपोर्ट तैयार की जाएगी।
- डॉ. नितिन एंडले, मोहम्मद सालिम, श्री सत्य देव नेगी, डॉ. अरविंद शर्मा, डॉ. शुभांग भारद्वाज, डॉ. जितेंद्र धीमान, श्री अमिताभ राज त्रिपाठी, श्री संदीप कुमार, श्री अजय परमार, श्री दीपक शर्मा और श्री अजय कुमार ने जीपीआई परियोजना के तहत पर्यावरण निरीक्षण और अनुपालन सत्यापन के लिए २०२४ में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में स्थित १४३ अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों का दौरा किया।
- श्री कुमार अनुपम ने ३ जनवरी, २०२५ को काले द्राव के नमूने एकत्र करने के लिए बिंदल्स पेपर्स, मुजफ्फरनगर का दौरा किया।
- डॉ. आशीष कुमार, डॉ. संजय त्यागी और श्री आलोक कुमार गोयल ने ६ जनवरी, २०२५ को वाणिज्य भवन, नई दिल्ली का दौरा किया, जहां उन्होंने डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव श्री संजीव जी की अध्यक्षता में क्यूसीओ बैठक (आईएस: १८४८ और आईएस: ४६५८) में भाग लिया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित और श्री कुमार अनुपम ने ६ जनवरी, २०२५ को एक बैठक और दौरे के लिए पीएससीएसटी, चंडीगढ़/होशियारपुर का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले और मोहम्मद सालिम ने ८ जनवरी, २०२५ को कामाक्षी पेपर मिल, गजरौला, उत्तर प्रदेश का दौरा किया और पानी के नमूने और आवश्यक दस्तावेज एकत्र करके ईटीपी पर्याप्तता रिपोर्ट तैयार की।
- सुश्री बरनाली शोम ने ८ जनवरी, २०२५ को एल.ए. कोर्ट में एक बैठक के लिए एल.ए. कोर्ट, मेरठ का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी ने ९ जनवरी, २०२५ को सीपीसीबी के सदस्य सचिव की अध्यक्षता में कागज उत्पादों के लिए तकनीकी मानदंड विकसित करने हेतु पहली तकनीकी समिति की ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।
- श्री आलोक कुमार गोयल ने यु बी क्यू को तकनीकी सहायता प्रदान करने के सर्वोत्तम संभावित तरीकों पर चर्चा करने के लिए यु बी क्यू के साथ एक बैठक में भाग लेने के लिए ११ जनवरी, २०२५ को ऑनलाइन दौरा किया।
- डॉ. शुभांग भारद्वाज एवं श्री मनोज कुमार ने १२ जनवरी २०२५ को के.आर. पल्प एंड पेपर्स लिमिटेड, जलालाबाद, शाहजहांपुर का दौरा मैपलिथो पेपर के जेम निरीक्षण हेतु किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. संजय त्यागी और श्री एस. डी. नेगी ने बीईई और बीआईएस द्वारा आयोजित बैठकों में भाग लेने और डब्ल्यूपीआरपीसी केंद्र में नव नियुक्त परियोजना सहयोगियों और क्षेत्र सहायकों के साथ प्रशिक्षण और बातचीत के लिए १३ जनवरी, २०२५ को डब्ल्यूपीआरपीसी, नई दिल्ली का दौरा किया।

- श्रीमती अनुराधा जनबादे ने स्ट्रेन की उपलब्धता पर चर्चा करने के लिए १७ जनवरी, २०२५ को आईआईटी दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. आशीष कुमार और डॉ. संजय त्यागी ने यूएनआईडीओ–इंडिया सीपी २०१८–२२ के तहत परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक में भाग लेने के लिए २० जनवरी, २०२५ को वाणिज्य भवन, नई दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल और डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने परियोजना पर चर्चा करने और मिश्रित दृढ़ लकड़ी के कच्चे माल की लुग्दी और विरंजन का अध्ययन करने के लिए २१ जनवरी, २०२५ को नैनी पेपर्स लिमिटेड, काशीपुर का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले और मोहम्मद सालिम ने २१ जनवरी, २०२५ को रामा श्यामा पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, रजऊ पारसपुर, बरेली, उत्तर प्रदेश का दौरा किया, ताकि पेपर मिलों से पानी के नमूने और आवश्यक दस्तावेज एकत्र करके ईटीपी पर्याप्तता मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार की जा सके।
- डॉ. नितिन एंडले और मोहम्मद सालिम ने २२ जनवरी, २०२५ को सहोता पेपर्स लिमिटेड, काशीपुर, उधम सिंह नगर का दौरा किया, ताकि पेपर मिलों से पानी के नमूने और आवश्यक दस्तावेज एकत्र करके ईटीपी पर्याप्तता मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार की जा सके।
- श्री शुभांग भारद्वाज ने २४ जनवरी, २०२५ को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा का दौरा किया और एक प्रस्तुति दी।
- श्री आलोक कुमार गोयल ने टीडीएस नोटिस का जवाब प्रस्तुत करने के लिए २९ जनवरी, २०२५ को आयकर कार्यालय, मुजफ्फरनगर का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित ने 30 जनवरी, २०२५ को एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान देने के लिए एनपीटीआईएनआर (बीईई), नई दिल्ली का दौरा किया।
- श्री आलोक कुमार गोयल और श्री एस. डी. नेगी ने आधिकारिक दस्तावेज प्रस्तुत करने, परियोजना की प्रगति की समीक्षा करने और डब्ल्यूपीआरपीसी केंद्र का दौरा करने के लिए ३१ जनवरी, २०२५ को पेपर सेक्शन, डीपीआईआईटी, उद्योग भवन और डब्ल्यूपीआरपीसी केंद्र, दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ३१ जनवरी, २०२५ को पानीपत से कोकोपीट लाने के लिए पानीपत आए।
- डॉ. ए. के. दीक्षित और श्री कुमार अनुपम ने ५ फरवरी, २०२५ को डॉल्फिन इंस्टीट्यूट में आमंत्रित व्याख्यान देने और एमएससी (सीपीटी) प्रतियां जमा करने और आईआईपी में काम करने के लिए आईआईपी, देहरादून का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. प्रीति शिवहरे लाल और डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने आरएससी–डीसीपीपीएआई परियोजना के तहत एक बैठक और रिपोर्ट तैयार करने के लिए ६ फरवरी, २०२५ को आरएससी–डीसीपीपीएआई बेस ऑफिस, नई दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. आशीष कुमार ने १२ फरवरी, २०२५ को उद्योग भवन, नई दिल्ली का दौरा किया और डीपीआईआईटी के निदेशक श्री एन.के. वाधवा के साथ पेपर अनुभाग में चर्चा की।
- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल और डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने भारत टेक्स २०२५ में भाग लेने के लिए १३–१६ फरवरी, २०२५ को भारत टेक्स २०२५, भारत मंडपम, प्रगति मैदान, दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी ने सीएचडी–15 "कागज और उसके उत्पाद" की बैठक में भाग लेने के लिए १३ फरवरी, २०२५ को डीपीटी, आईआईटी, रुड़की (सहारनपुर परिसर) का दौरा किया।

- श्री आलोक कुमार गोयल ने १५ फरवरी २०२५ को भारत मंडपम, प्रगति मैदान, दिल्ली में आयोजित भारत टेक्सपो में भाग लेने हेतु भ्रमण किया।
- डॉ. संजय त्यागी ने कागज के प्रेषण–पूर्व निरीक्षण के लिए १७ फरवरी, २०२५ को के.आर. पल्प एंड पेपर मिल्स, शाहजहांपुर का दौरा किया।
- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल और डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने परियोजना पर चर्चा करने और मिश्रित दृढ़ लकड़ी के कच्चे माल की लुग्दी और विरंजन का अध्ययन करने के लिए २१ फरवरी, २०२५ को नैनी पेपर्स लिमिटेड, काशीपुर का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी ने २१ फरवरी, २०२५ को यूएनआईडीओ पेपर चरण–III परियोजना पर चर्चा के लिए एक ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।
- श्री केवीवीके सत्य साईं ने २४ फरवरी, २०२५ को आयकर कार्यालय और डब्ल्यूपीआरपीसी केंद्र, गाजियाबाद/ दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी ने २७ फरवरी, २०२५ को सार्वजनिक खरीद के लिए कागज क्षेत्र की वस्तुओं को सूचीबद्ध करने के लिए हितधारकों की बैठक में भाग लेने के लिए वाणिज्य भवन का दौरा किया, जिसकी अध्यक्षता संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी ने की।
- श्री एस. डी. नेगी और श्री कुलदीप शर्मा ने मैपलिथो पेपर के जीईएम निरीक्षण के लिए २७ फरवरी, २०२५ को के. आर. पल्प एंड पेपर, शाहजहांपुर का दौरा किया।
- डॉ. आशीष कुमार, श्री आलोक कुमार गोयल और डॉ. संजय त्यागी ने आईपीपीटीए सेमिनार/कार्यशाला और ६0 वीं एजीएम में भाग लेने के लिए २८ फरवरी, २०२५ को आईपीपीटीए ६0 वीं एजीएम और सेमिनार, मोहाली, चंडीगढ़ का दौरा किया।
- श्री कुमार अनुपम ने परियोजना कार्य से संबंधित बैठक के लिए ७ मार्च, २०२५ को एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित और श्री कुमार अनुपम ने आरएससी–डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन और स्थल की व्यवस्था करने के लिए ५ मार्च, २०२५ को आरएससी–डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम, दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. आशीष कुमार ने संयुक्त सचिव के साथ चर्चा करने के लिए ६ मार्च, २०२५ को उद्योग भवन, नई दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित, ११ मार्च, २०२५ को एक बैठक के लिए सीबीआई कार्यालय, गाजियाबाद आए।
- डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. नितिन एंडले और मोहम्मद सालिम ने जीपीआई परियोजना पर चर्चा करने, व्याख्यान देने और राष्ट्रीय जल मिशन, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित जल स्थिरता सम्मेलन–२०२५ में भाग लेने के लिए १२ मार्च, २०२५ को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित, ने १३ मार्च, २०२५ को सिल्वरटन पेपर मिल, मुजफ्फरनगर का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी ने भारत में वर्जिन मल्टीलेयर पेपरबोर्ड (वीपीएम) के लिए न्यूनतम आयात मूल्य निर्धारित करने पर चर्चा करने के लिए संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी की अध्यक्षता में एक बैठक में भाग लेने के लिए १३ मार्च, २०२५ को उद्योग भवन, नई दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित १६ मार्च, २०२५ को एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए गोवा गए।

- डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने हाइब्रिड जूट पर एक सेमिनार में भाग लेने के लिए १९ मार्च, २०२५ को सीआरआईजेएएफ, कोलकाता का दौरा किया।
- डॉ. नितिन कुमार, एक्सपो २०२५ में भाग लेने के लिए २१ मार्च, २०२५ को चंडीगढ़ गए।
- श्री आलोक कुमार गोयल, और श्री एस. डी. नेगी, ने २४ मार्च, २०२५ को एपीजे बिजनेस सेंटर और डब्ल्यूपीआरपीसी, नई दिल्ली का दौरा किया, जहां उन्होंने जीबंत पैकेजिंग के लिए टिकाऊ संग्रह और पुनर्चक्रण मार्गों पर हितधारकों के साथ एक बैठक में भाग लिया और डब्ल्यूपीआरपीसी परियोजना की प्रगति की समीक्षा की।
- मोहम्मद सालिम और श्री अमिताभ राज त्रिपाठी ने पर्यावरण निरीक्षण और नमूना संग्रह के लिए २५ मार्च, २०२५ को स्टार पेपर मिल्स लिमिटेड, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी, टीसी: सीएचडी १५: पैनल पी५ की तकनीकी समिति की बैठक में भाग लेने के लिए २६ मार्च, २०२५ को बीआईएस, मानक भवन, नई दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले ने यूपीपीसीबी, लखनऊ द्वारा आयोजित चार्टर ३.० पर एक बैठक में भाग लेने के लिए २७ मार्च, २०२५ को आईआईटी, दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी और श्री कुलदीप अनुसंधान सहायक ने मैपलिथो पेपर के जीईएम निरीक्षण के लिए २८ मार्च, २०२५ को के. आर. पल्प एंड पेपर, शाहजहांपुर का दौरा किया।

एम.एससी. और पीएच.डी. पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

प्रस्तावना

केंद्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान (सीपीपीआरआई) वन अनुसंधान संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), देहरादून के सहयोग से एमएससी (सेल्यूलोज एवं कागज प्रौद्योगिकी) और पीएचडी पाठ्यक्रमों सहित शैक्षणिक कार्यक्रम प्रदान करता है।

एम.एससी. (सीपीटी) कार्यक्रम दो वर्षीय पाठ्यक्रम के रूप में संरचित है। प्रथम वर्ष वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में आधारभूत विषयों पर केंद्रित एक अध्ययन आयोजित किया जाता है। दूसरा साल सीपीपीआरआई में आयोजित किया जाता है, जहाँ छात्रों को रासायनिक पुनर्प्राप्ति, विरंजन तकनीक, पदार्थ एवं ऊर्जा संतुलन, कागज के गुण, द्वितीयक रेशा तकनीक, विशिष्ट कागज और पर्यावरण प्रदूषण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में उन्नत प्रशिक्षण दिया जाता है। सीपीपीआरआई के वैज्ञानिक सैद्धांतिक निर्देश और व्यावहारिक प्रयोगशाला प्रशिक्षण, दोनों प्रदान करते हैं। अपने पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में, छात्र अपने शोध और व्यावहारिक कौशल को बढ़ाने के लिए कागज निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में एक अनिवार्य परियोजना भी करते हैं।

पीएच.डी. कार्यक्रम में, छात्र वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में छह महीने का अनिवार्य पाठ्यक्रम पूरा करते हैं। इसके बाद, उनका शेष डॉक्टरेट शोध सीपीपीआरआई में सीपीपीआरआई के वैज्ञानिकों की देखरेख और मार्गदर्शन में किया जाता है।

ये कार्यक्रम लुग्दी और कागज़ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कुशल पेशेवरों और शोधकर्ताओं को तैयार करने के लिए डिजाइन किए गए हैं, जो उद्योग की उन्नति और पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान देंगे।

एम.एससी.(सीपीटी) छात्रों की सूची

एम.एससी. (सेल्यूलोज और पेपर प्रौद्योगिकी) शैक्षणिक सत्र के लिए बैच २०२२-२०२४ कुल मिलाकर १० छात्र है। इस बैच के छात्रों के नाम इस प्रकार हैं:

- सुश्री अनुपमा पी. जे.
- सुश्री अनुकृति चौधरी
- श्री जाधव प्रफुल्ल
- सुश्री कल्याणकर वैष्णवी
- श्री रामनवोयाना श्रीधर
- श्री रुद्र माधव पांडा

- सुश्री शिवानी सिंह
- श्री मेगावत प्रताप
- श्री मनीष बेहरा
- सुश्री निष्ठा शर्मा

पीएचडी छात्रों की सूची

सीपीपीआरआई में वर्तमान में चार छात्र पीएचडी में नामांकित हैं। सीपीपीआरआई, वन अनुसंधान संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), देहरादून का नामित अनुसंधान केंद्र है। इन छात्रों, उनके पर्यवेक्षक, सह–पर्यवेक्षक और शोध विषय का विवरण नीचे दी गई तालिका में दिया गया है।

पीएचडी छात्र का नाम	शोध विषय	पर्यवेक्षक - सह पर्यवेक्षक
मोहम्मद सालिम	पुनर्नवीनीकृत फाइबर आधारित क्राफ्ट पेपर मिलों में लगभग शून्य तरल उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए बैकवाटर के उपचार हेतु भौतिक–रासायनिक तकनीकों पर अध्ययन	डॉ. बी. पी. थपलियाल–पर्यवेक्षक डॉ. नितिन एंडले और डॉ. शिवाकर मिश्रा – सह–पर्यवेक्षक
श्री कनिष्क सलवान	माइक्रो फाइब्रिलेटेड और नैनो फाइब्रिलेटेड सेलुलोज की तैयारी में लिया दुबिया और कागज़ बनाने में इसकी क्षमता	डॉ. बी.पी. थपलियाल – पर्यवेक्षक डॉ. रवि दत्त गोदियाल एवं डॉ संजय त्यागी – सह पर्यवेक्षक
सुश्री श्रुतिकोना दास	लकड़ी और गैर–लकड़ी काले द्राव का रियोलॉजिकल अध्ययन	डॉ. ए. के. दीक्षित – पर्यवेक्षक
सुश्री गुंजन धीमान	विभिन्न ग्रेड के लुग्दी और कागज़ के उत्पादन के लिए बांस के मूल्य निर्धारण पर अध्ययन	डॉ. प्रीति एस लाल – पर्यवेक्षक डॉ. अरविंद कुमार शर्मा सह पर्यवेक्षक

संकाय की सूची

एम.एससी. (सेल्युलोज और पेपर प्रौद्योगिकी) और पी.एच.डी. कार्यक्रमों से संबंधित सभी प्रशासनिक कार्य सीपीपीआरआई में कोर्स समन्वयक कार्यालय द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं। एम.एससी. (सीपीटी) पाठ्यक्रम के सैद्धांतिक और प्रायोगिक सत्र सीपीपीआरआई के वैज्ञानिकों और प्रयोगशाला कर्मचारियों द्वारा संचालित किए जाते हैं।

छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार

एम.एससी. (सी.पी.टी.) की छात्राएँ और छात्र, सुश्री शिवानी सिंह और श्री मनीष बेहरा, क्रमशः लड़की और लड़के वर्ग में प्रथम वर्ष के टॉपर रहे, उन्हें स्टार पेपर मिल्स लिमिटेड, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा २५,०००/– की छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

राष्ट्रीय दिवस एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन

स्वतंत्रता दिवस

भारत का ७८वाँ स्वतंत्रता दिवस १५ अगस्त, २०२४ को केंद्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान, सहारनपुर में बड़े उत्साह और देशभक्ति के जोश के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम संस्थान परिसर में आयोजित किया गया और इसमें कर्मचारियों, संविदा एवं बाहरी कर्मी के साथ उनके परिवारजन भी उपस्थित रहे।

समारोह की शुरुआत सुबह ८.00 बजे ध्वजारोहण के साथ हुई। सुरक्षा पर्यवेक्षक और सुरक्षा कर्मियों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। डॉ. ए. के. दीक्षित, वरिष्ठ वैज्ञानिक को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डॉ. ए. के. दीक्षित ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसके बाद सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्रगान गाया। डॉ. दीक्षित ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को याद करते हुए संबोधन दिया। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में विज्ञान और अनुसंधान की भूमिका, विशेषकर लुग्दी एवं कागज क्षेत्र में सीपीपीआरआई के योगदान पर भी प्रकाश डाला।
कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और मिठाई वितरण के साथ हुआ।

गणतंत्र दिवस

भारत का ७५वाँ गणतंत्र दिवस २६ जनवरी, २०२५ को सीपीपीआरआई, सहारनपुर में बड़े उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में निदेशक, वैज्ञानिक स्टाफ, प्रशासनिक स्टाफ, संविदा एवं आउटसोर्स स्टाफ और उनके परिवारजन उपस्थित थे।

समारोह की शुरुआत सुबह ८.०० बजे सुरक्षा पर्यवेक्षक और सुरक्षा स्टाफ द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुई। निदेशक को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया और कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद निदेशक महोदय ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और राष्ट्रगान गाया गया। अपने संबोधन में निदेशक महोदय ने गणतंत्र दिवस के महत्व और भारतीय संविधान में निहित मूल्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सीपीपीआरआई के कागज उद्योग में योगदान और सतत विकास एवं नवाचार के प्रयासों के बारे में भी बताया।
कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और मिठाई वितरण के साथ हुआ।

हिंदी पखवाड़ा

संस्थान में प्रतियोगिताएँ, चर्चाएँ और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य राजभाषा हिंदी के उपयोग और प्रसार को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक के संदेश के साथ हुई, जिसमें उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने दैनिक कार्यों में हिंदी को प्राथमिकता दें और इसके प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

संस्थान स्तर पर निबंध लेखन, कविता, वाद-विवाद और पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें कर्मचारियों, विद्यार्थियों और उनके परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को हिंदी के प्रचार में उनकी रुचि और योगदान को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मानित किया गया।

इन गतिविधियों का उद्देश्य यह संदेश देना था कि हिंदी केवल संचार की भाषा ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिक कार्यों और शोध को व्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम भी है।

कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसके दौरान सभी प्रतिभागियों ने आगामी वर्ष में अपने अधिक से अधिक आधिकारिक कार्य हिंदी में करने का संकल्प लिया। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय लुग्दीएवं कागज अनुसंधान संस्थान की राजभाषा इकाई हिंदी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय रूप से योगदान दे रही है। इस इकाई ने १६ सितंबर २०२४ और २८ मार्च २०२५ को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की बैठकों का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें शहर के सभी सरकारी विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और कार्यवाही में सक्रिय भूमिका निभाई।

अन्य गतिविधियाँ

भारतीय सेना के 'सूर्या देवभूमि चैलेंज २०२५' में भागीदारी

डॉ. नितिन कुमार, वैज्ञानिक–बी (बायोटेक्नोलॉजी डिवीजन) को भारतीय सेना की सूर्या देवभूमि चैलेंज २०२५ में भाग लेने का सम्मान प्राप्त हुआ। यह तीन–दिवसीय उच्च–ऊंचाई ट्रायथलॉन भारतीय सेना के सूर्या कमांड द्वारा उत्तराखंड पर्यटन विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया।

गढ़वाल हिमालय में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देना, पारंपरिक तीर्थ मार्गों को पुनर्जीवित करना और दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में सतत विकास को प्रोत्साहित करना था। चैलेंज में पहले दिन ११० किमी की माउंटेन साइकिलिंग, इसके बाद क्रमशः दूसरे और तीसरे दिन ३७ किमी और ४३ किमी की ट्रेल रन शामिल थीं – जो नेलोंग घाटी, गंगोत्री से शुरू होकर सोनप्रयाग में समाप्त हुई। डॉ. नितिन कुमार ने भारतीय सेना के कमांडोज और नागरिक खिलाड़ियों के साथ इस कठिन धीरज परीक्षा को सफलतापूर्वक पूरा किया और साथ ही अपने आयु वर्ग में शीर्ष १० में स्थान भी सुरक्षित किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस/रन फॉर यूनिटी

राष्ट्रीय एकता दिवस सीपीपीआरआई में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया, जिसमें राष्ट्रीय एकता और अखंडता के महत्व को रेखांकित किया गया। दिन की शुरुआत एक शपथ के साथ हुई, जिसमें सीपीपीआरआई के अधिकारी और कर्मचारी राष्ट्रीय एकीकरण और एकजुटता के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताते हैं। डॉ. आशीष कुमार, निदेशक सीपीपीआरआई के मार्गदर्शन में सभी कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, जो एक मज़बूत और सामंजस्यपूर्ण समाज बनाने में एकता और समावेशिता के महत्व की याद दिलाने वाला अवसर था।

संविधान दिवस

सीपीपीआरआई, सहारनपुर ने २६ नवंबर, २०२४ को संविधान दिवस मनाया, जो भारतीय संविधान को अपनाने की स्मृति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संविधान के महत्व और इसके मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में निदेशक, वरिष्ठ वैज्ञानिक, कर्मचारी, संविदा एवं आउटसोर्स स्टाफ, एम.एससी. छात्र और प्रशिक्षु उपस्थित थे।

संविधान दिवस का आरंभ सीपीपीआरआई के निदेशक के स्वागत संबोधन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने संविधान दिवस के महत्व और प्रत्येक भारतीय नागरिक के अधिकार एवं कर्तव्यों को रेखांकित किया। उन्होंने संविधान की भूमिका पर भी प्रकाश डाला, जो देश में लोकतांत्रिक ढांचे, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भ्रातृत्व सुनिश्चित करता है।

वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने भी संविधान दिवस के महत्व और समाज में इसके प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर कर्मचारियोंध्छात्रोंध्प्रशिक्षुओं के बीच भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई और प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और जलपान के साथ हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सीपीपीआरआई, सहारनपुर में बड़े उत्साह और भागीदारी के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में सुश्री कुमारी कमल, बीएसए, सहारनपुर और विशिष्ट अतिथि के रूप में सुश्री मिली पंत, प्रोफेसर एवं प्रमुख, आई आई टी रुड़की (सहारनपुर परिसर) उपस्थित थीं। निदेशक सीपीपीआरआई और वरिष्ठ वैज्ञानिक भी उपस्थित थे। सभी कर्मचारी, संविदा एवं आउटसोर्स स्टाफ, एम.एससी. छात्र और प्रशिक्षु भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

समारोह के दौरान संस्थान के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों/संविदा कर्मी/छात्रों/प्रशिक्षुओं के बीच निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

(i) हस्तनिर्मित पोस्टर प्रतियोगिता

(ii) स्लोगन प्रतियोगिता

(iii) भाषण/वक्तृत्व प्रतियोगिता

उच्च अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतिभागियों और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और जलपान के साथ हुआ।

स्वच्छता ही सेवा और विशेष अभियान ४.०

'स्वच्छता ही सेवा' (एस एचएस) और 'विशेष अभियान ४.०' ने स्वच्छता, स्वास्थ्य, और अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देने हेतु व्यक्तियों, संस्थानों तथा समुदायों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन अभियानों के माध्यम से नागरिकों में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने की जिम्मेदारी तथा सहभागिता की भावना विकसित की गई।

विशेष अभियान ४.0 एवं स्वच्छता ही सेवा (एस एच एस) अभियान के अंतर्गत आयोजित गतिविधियाँ

- स्वच्छता अभियान हेतु सीपीपीआरआई के अधिकारियों, ग्राउंड स्टाफ, सफाई मित्रों तथा विद्यालय शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी।
- सहारनपुर स्थित एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में स्वच्छता अभियान का आयोजन।
- स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों (सी टी यू) की पहचान एवं रूपांतरण।
- कार्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान।
- सीपीपीआरआई आवासीय कॉलोनी में स्वच्छता अभियान।
- २ अक्टूबर को स्वच्छता शपथ का आयोजन।
- विद्यालय एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों में अपशिष्ट कागज के स्रोत पृथक्करण और उचित संग्रहण के महत्व पर शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम।
- ग्राम पंचायत में स्वच्छता पर कार्यशाला और ग्रामीणों के लिए स्वच्छता के लाभों पर जागरूकता सत्र।
- छात्रों के बीच स्वच्छता पर पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता।
- सीपीपीआरआई एवं प्राथमिक विद्यालय के सफाई मित्रों का सम्मान समारोह।
- प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरण।
- भौतिक अभिलेखों का डिजिटलीकरण।
- जन शिकायतों की लंबित मामलों का निस्तारण सुनिश्चित किया गया।
- १७ सितंबर २०२४ को सीपीपीआरआई में रक्तदान शिविर का आयोजन, जो परिवार एवं स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय तथा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के निर्देशानुसार "२० इयर्स ऑफ गिविंग: थैंक यू ब्लड डोनर्स" थीम के तहत आयोजित किया गया।
- अप्रचलित एवं कबाड़ सामग्री की नीलामी से लगभग ४००० वर्ग फुट स्थान खाली हुआ तथा ₹१.६२ लाख का राजस्व प्राप्त हुआ।

स्वच्छता ही सेवा और विशेष अभियान ४.० की झलकियाँ

एक पेड़ माँ के नाम सीपीपीआरआई में वृक्षारोपण अभियान"

सहारनपुर के एक गाँव में राजकीय प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को नोटबुक वितरण

सहारनपुर के एक गाँव स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में स्वच्छता अभियान

सहारनपुर के एक गाँव स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में वृक्षारोपण अभियान

सीडीओ, सहारनपुर कार्यालय के अधिकारी द्वारा विभिन्न कल्याणकारी एवं स्व रोजगार योजनाओं पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

सफाई मित्रों को सम्मानित करते हुए निदेशक महोदय

पोस्टर एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता के प्रतिभागियों का सम्मान

स्वच्छता ही सेवा गतिविधियों के अंतर्गत ईएसआई अस्पताल के सहयोग से सफाई मित्रों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

सीपीपीआरआई में आयोजित रक्तदान शिविर की झलकियाँ

सहारनपुर के आसपास के गाँवों में चिन्हित स्वच्छता लक्ष्य इकाई (CTU) की पहचान एवं सफाई कार्य

एसएचएस 2024 गतिविधियों के अंतर्गत रोटरी क्लब के सहयोग से चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया

2 अक्टूबर, 2024 को सीपीपीआरआई में स्वच्छता अभियान आयोजित

केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी)

परिचय

केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान (सीपीपीआरआई) अपने सभी कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित, सम्मानजनक और भेदभाव–रहित कार्यस्थल प्रदान करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। यह प्रतिबद्धता कार्यस्थल पर महिलाओं के विरुद्ध यौन उत्पीड़न (निवारण, निषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, २०१३ (जिसे सामान्यत: पोश अधिनियम कहा जाता है) के अनुरूप है। अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, सीपीपीआरआई में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के निवारण हेतु एक आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) का गठन किया गया है।

आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) का गठन

सीपीपीआरआई में आईसीसी का गठन पोश अधिनियम की धारा ४ के अंतर्गत किया गया है, जिसमें निम्नलिखित सदस्य सम्मिलित हैं:

- अध्यक्ष: संस्थान की एक वरिष्ठ महिला कर्मचारी
- सदस्य: विभिन्न विभागों एवं स्तरों के प्रतिनिधि
- बाह्य सदस्य: ऐसी गैर–सरकारी संस्था या संगठन से सदस्य, जो महिलाओं के हितों से जुड़ा हो या यौन उत्पीड़न से संबंधित विषयों का अनुभव रखता हो

वर्तमान में सीपीपीआरआई की आईसीसी की संरचना इस प्रकार है:
- श्रीमती अनुराधा वी. जनबादे – अध्यक्ष
- डॉ. ए. के. दीक्षित – सदस्य
- श्री आलोक कुमार गोयल – सदस्य
- श्रीमती शील एरौन – सदस्य

समिति का पुनर्गठन विधिक आवश्यकताओं के अनुसार किया गया है तथा यह समिति गोपनीयता, निष्पक्षता और कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पूर्ण पालन करते हुए कार्य करती है।

आईसीसी की जिम्मेदारियाँ एवं गतिविधियाँ

सीपीपीआरआई की आंतरिक शिकायत समिति को निम्नलिखित प्रमुख जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं:

- यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों को प्राप्त करना एवं उनका निवारण करना
- अधिनियम में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, निर्धारित समय सीमा में जांच करना
- जांच के निष्कर्षों के आधार पर उपयुक्त कार्यवाही की अनुशंसा करना
- कर्मचारियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण एवं संवेदनशीलता कार्यशालाओं का आयोजन करना
- यौन उत्पीड़न के प्रति शून्य–सहिष्णुता नीति को सुनिश्चित करना

जागरूकता एवं संवेदनशीलता कार्यक्रम

भेदभाव और उत्पीड़न से मुक्त कार्यस्थल सुनिश्चित करने हेतु, सीपीपीआरआई ने वर्ष के दौरान अनेक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। इनमें शामिल हैं:

- नव नियुक्त कर्मचारियों के लिए पोश अधिनियम के प्रावधानों पर कार्यशालाएँ और परिचय सत्र
- बाहरी कानूनी एवं लैंगिक विशेषज्ञों द्वारा संचालित संवेदनशीलता संगोष्ठियाँ
- संस्थान के प्रमुख स्थलों पर पोस्टर एवं परिपत्रों के माध्यम से आईसीसी, उसके सदस्यों एवं शिकायत प्रक्रिया की जानकारी का प्रसार पोश अधिनियम की अधिसूचना के ११ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर (०९.१२.२०२४), सीपीपीआरआई में एक वार्ता सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पोश अधिनियम, शी–बॉक्स पोर्टल एवं लैंगिक संवेदनशीलता पर जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर आईसीसी की अध्यक्ष सुश्री अनुराधा वी. जनबादे ने पोश अधिनियम के प्रावधानों पर वार्ता दी। इसके साथ ही वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. प्रीति एस. लाल और डॉ. नितिन एंडले ने भी लैंगिक संवेदनशीलता पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

शिकायतें एवं निवारण (प्रतिवेदन वर्ष: २०२४–२५)

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान निम्नलिखित स्थिति दर्ज की गई:

- प्राप्त शिकायतों की संख्या: शून्य
- निस्तारित शिकायतों की संख्या: शून्य
- लंबित शिकायतों की संख्या: ०२

सभी शिकायतों, यदि कोई प्राप्त हुई हों, को पूर्ण संवेदनशीलता, गोपनीयता और निर्धारित समय सीमा के भीतर निपटाया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

सतर्कता जागरूकता सप्ताह २०२४ का आयोजन २८ अक्टूबर से ३ नवम्बर २०२४ तक किया गया। यह सप्ताह सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती (३१ अक्टूबर) के उपलक्ष्य में मनाया गया। इस वर्ष का विषय था –
"सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि", जो सार्वजनिक प्रशासन में ईमानदारी और पारदर्शिता के महत्व को रेखांकित करता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ सीपीपीआरआई में सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा के साथ हुआ, जिसे डॉ. ए. के. दीक्षित, मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा दिलाई गई। सप्ताह के दौरान विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गई, जिनमें भ्रष्टाचार एवं उसके निराकरण उपायों पर जागरूकता ग्राम सभा तथा भ्रष्टाचार उन्मूलन पर वाद–विवाद प्रतियोगिता प्रमुख थीं। इन गतिविधियों का उद्देश्य पारदर्शिता, नैतिक आचरण तथा उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ावा देना था।

इसके अतिरिक्त, सीपीपीआरआई के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए निम्नलिखित क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए –

विषय	विशेषज्ञ / वक्ता
क्षमता निर्माण कार्यक्रम, सिस्टम्स एवं प्रक्रियाएँ	डॉ. कवलजीत सिंह, पूर्व वैज्ञानिक–एफ एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, सीपीपीआरआई
क्षमता निर्माण कार्यक्रम, साइबर स्वच्छता एवं सुरक्षा	डॉ. नितिन एंडले एवं प्रमुख, आईटी विभाग, सीपीपीआरआई, सहारनपुर
क्षमता निर्माण कार्यक्रम, आचरण संहिता	मेजर (श्रीमती) रीति, प्रशासन विभाग, आईआईटी रुड़की
क्षमता निर्माण कार्यक्रम, नैतिकता एवं सुशासन	श्री एस. सी. त्यागी, प्रशासन नियंत्रक (से.नि.), सीबीआरआई, रुड़की
क्षमता निर्माण कार्यक्रम, खरीद प्रक्रिया	श्री दिनेश कुमार, स्टोर एवं खरीद अधिकारी, सीएसआईआर–आईआईपी देहरादून

वीएडब्ल्यू 2024 के शुभारंभ हेतु सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा समारोह

भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों पर "जागरूकता ग्राम सभा" कार्यक्रम

भ्रष्टाचार उन्मूलन पर वाद-विवाद प्रतियोगिता

प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

साइबर एवं स्वच्छता सुरक्षा पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

आचरण संहिता पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

क्रय प्रक्रिया पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

सूचना का अधिकार अधिनियम,२००५

सूचना का अधिकार अधिनियम, २००५ सार्वजनिक प्राधिकरणों के कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण विधायी कदम है। केंद्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान (सीपीपीआरआई), सहारनपुर में इस अधिनियम को पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ लागू किया गया है ताकि पारदर्शिता, जनसहभागिता एवं नागरिक सशक्तिकरण सुनिश्चित किया जा सके।

सीपीपीआरआई में आरटीआई ढांचा

सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने हेतु सीपीपीआरआई ने विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों को नामित किया है, ताकि सूचना प्राप्ति की प्रक्रिया को प्रभावी रूप से संचालित किया जा सके:

- प्रथम अपीलीय प्राधिकारी: डॉ. ए. के. दीक्षित, वैज्ञानिक – एफ
- नोडल अधिकारी: डॉ. नितिन एंडले, वैज्ञानिक – ई–II
- लोक सूचना अधिकारी: श्री आलोक कुमार गोयल, वैज्ञानिक – ई–II
- सहायक लोक सूचना अधिकारी: श्रीमती सरिता शर्मा, पुस्तकालय अधिकारी – बी

ये अधिकारी आरटीआई आवेदनों की प्रक्रिया, समयबद्ध सूचना उपलब्ध कराने तथा सूचना का अधिकार अधिनियम, २००५ के अनुपालन के लिए उत्तरदायी हैं।

आरटीआई आवेदन एवं अपीलें (वित्तीय वर्ष २०२४ –२०२५)

वित्तीय वर्ष २०२४–२०२५ के दौरान, सीपीपीआरआई को कुल ३८ आरटीआई आवेदन तथा ०४ प्रथम अपीलें प्राप्त हुईं। सभी आवेदन एवं अपीलें निर्धारित समय सीमा के भीतर निस्तारित कर दी गई।

प्रतिवेदन एवं अनुपालन

कानूनी दिशानिर्देशों के अनुरूप, आरटीआई आवेदनों एवं उनकी स्थिति पर त्रैमासिक प्रतिवेदन नियमित रूप से केंद्रीय सूचना आयोग (सी आई सी) को भेजे गए हैं। यह सक्रिय रिपोर्टिंग प्रक्रिया संस्थान के कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करती है और सीआईसी द्वारा अनुवीक्षण को सक्षम बनाती है।

पारदर्शिता लेखा-परीक्षण

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के निर्देशानुसार, पारदर्शिता लेखा-परीक्षण भी सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस लेखा-परीक्षण में स्वैच्छिक प्रकटीकरण के स्तर, आरटीआई अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत अनिवार्य प्रकटीकरण मानदंडों के अनुपालन तथा सीपीपीआरआई में अपनाई गई कुल पारदर्शिता प्रक्रियाओं का मूल्यांकन किया गया।

लेखा-परीक्षण के परिणामों ने यह पुष्टि की कि संस्थान का आरटीआई तंत्र मजबूत एवं प्रभावी है तथा यह संस्थान पारदर्शी प्रशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर बनाए हुए है।

वित्तीय प्रतिवेदन 2024-25

पी.एस.सेठी एण्ड क०.
सनदी लेखाकार

तीसरी मंज़िल, होटल जेएस पर्ल के पास
मेफेयर बिजनेस पार्क, माजरा देहरादून
फोन 91–9837562985

केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सवंर्द्धन एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स – 174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)

केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान सहारनपुर के सदस्यों को लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन

हमने, केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान, सहारनपुर के 31 मार्च, 2025 की स्थिति दर्शाने वाले तुलन पत्र तथा इस दिनांक को समाप्त होने वाले वर्ष के आय–व्यय लेखा एवं प्राप्तियों व भुगतान लेखा, जो संस्थान की लेखा पुस्तकों से मेल खाते हैं, कि जाँच की है। यह वित्तीय विवरण पत्र संस्थान के प्रबन्धन का दायित्व है। हमारी ज़िम्मेदारी इन वित्तीय विवरण पत्र पर हमारे द्वारा की गयी जाँच के आधार पर अपनी राय प्रकट करना है।

हमने यह लेखा परीक्षा भारत में समान्यता स्वीकृत 'लेखा परीक्षा मानकों' के अनुसार की है। इन मानकों के अनुसार, हमारे द्वारा परीक्षा की योजना व निष्पादन ऐसा हो कि इस विषय पर तर्क संगत आश्वासन प्राप्त हो कि क्या वित्तीय विवरण पत्र, मैटिरियल मिसस्टेटमेंट्स से मुक्त है। एक लेखा परीक्षा में जाँच के आधार पर परीक्षा, वित्तीय विवरण पत्र में दी गयी राशियों व अन्य तथ्य/जानकारियों के समर्थन में साक्ष्य शामिल होते हैं। लेखा परीक्षा में प्रबन्धन द्वारा तैयार किए गए महत्वपूर्ण अनुमान तथा प्रयोग किए गए लेखा सिद्धान्तों का आंकलन करना भी शामिल है। साथ ही साथ इसमें वित्तीय विवरण पत्र प्रस्तुतीकरण का कुल/सम्पूर्ण मूल्यांकन करना भी शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा की गयी परीक्षा हमारी राय को एक तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।

हमने वे सभी सूचनायें व स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं जो हमारे ज्ञान व विश्वास के अनुसार लेखा परीक्षा के परियोजन हेतु आवश्यक थी। हमारी राय में लेखा पुस्तकें उचित रूप से तैयार की गई/रख रखाव की गई है।

हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार हमें दिये गये स्पष्टीकरण के अनुसार कथित लेखा (उनकी टिप्पणियों सहित) भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धान्त के अनुसार सत्य व सही स्वरूप प्रस्तुत करते हैं।

1– तुलन पत्र के विषय में 31–03–2025 को संस्थान की स्थिति।
2– आय व लेखा के 31–03–2025 को समाप्त होने वाले वर्ष के घाटे की स्थिति।

कृते पी. एस. सेठी एण्ड क0.
सनदी लेखाकार

(सी. राकेश गुप्ता)
एम.कॉम, एलएलबी, एफसीए, डीआईएस,
(एम.न0. 402349)
यूडीआईएन: 25402349बीएमजेकेजेई2185

दिनांक : 16–09–2025
स्थान : सहारनपुर

पी.एस.सेठी एण्ड क०.
सनदी लेखाकार

तीसरी मंज़िल, होटल जेएस पर्ल के पास
मेफेयर बिजनेस पार्क, माजरा देहरादून
फोन 91-9837562985

केन्द्रीय लुग्दी, एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

वाणिज्य, एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सवंर्धन, एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत, एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)

31.03.2025 को समाप्त होने वाले वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष 2024-25	विगत वर्ष 2023-24	भुगतान	चालू वर्ष 2024-25	विगत वर्ष 2023-24
पिछला शेष			**संथागत व्यय**		
बैंक के चालू खाते में शेष	11697068.25	33564919.48	वेतन व भत्ते	48772131.00	44719057.00
जमा खाता (मार्जिनल मनी)	2137995.00	2340995.00	सीपीएफ मे अंशदान	4331402.00	4168648.00
एल.सी. के मद में			अवकाश नगदी करण	233640.00	3049904.00
जमा खाता	64166356.66	60166042.66	ग्रेज्यूटी भुगतान	1139964.00	4655828.00
प्राप्त अनुदान			चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	409236.00	391940.00
अनुदान सहायता, उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार	92000000.00	106133513.00	**अन्य प्रशासनिक व्यय**		
अनुदान सहायता, अनुसंधान विकास परिषद	0.00	9000000.00	प्रयोगशाला व संयंत्र अनुंरक्षण	4634799.19	4645751.00
प्राप्त ब्याज			मालभाडा	273630.00	6360.00
कर्मचारियो को दिये गये वाहन अग्रिम और भवन के निर्माण से	390148.00	31682.00	विद्युत एवं जल	7747783.00	7834158.00
बैंक से अर्जित ब्याज	3979114.00	4000314.00	सम्पतियो की मरम्मत एवं अनुंरक्षण	16901996.62	15436108.90
अन्य आय			किराया व कर	1403305.00	1336484.00
परीक्षण शुल्क	19338541.02	18312507.48	डाक, दुरभाष व संचार	75978.00	106974.00
परामर्शी शुल्क	9887119.00	9659552.00	मुद्रण व लेखन सामग्री	837079.00	2003787.00
एमएससी पाठयक्रम शुल्क	300000.00	1283500.00	यात्रा व वाहन व्यय	1970537.00	3460357.00
पुस्तकालय शुल्क	21000.00	68000.00	सेमिनार व कार्यशाला व्यय	192565.00	446605.00
प्रशिक्षण शुल्क और व्यय आदि	555700.00	232000.00	लेखा शुल्क	0.00	48970.00
सदस्यता शुल्क और कर आदि	40750.00	63250.00	अथिति व्यय	303677.00	301982.00
पट्टा किराया	78125.00	62500.00	कानुनी एवं व्यवसायिक व्यय	230087.00	119801.00
हॉस्टल किराया	48000.00	339750.00	अखबार	0.00	48453.00
प्रकीर्ण प्राप्तिया	89738.29	79454.45	परीक्षण शुल्क	307378.00	1013282.00
लाईसेंस शुल्क	245105.00	263360.00	चोकीदार व सुरक्षा	9969133.84	8251137.82
अन्य जीवित पौधे	22800.00	0.00	बैक प्रभार	8077.86	7760.17
अग्रिम			विज्ञापन	106906.00	696518.00
भवन निर्माण अग्रिम	580800.00	57600.00	प्रशिक्षण व्यय	41300.00	4400.00
कम्प्यूटर अग्रिम	25000.00	37165.00	विभागीय वाहन अनुरंक्षण	684192.00	976075.00
अन्य प्राप्तियां			हिन्दी दिवस/ योग दिवस	20999.00	66922.00
एसजीएसटी	1022115.37	820372.45	स्वच्छ भारत अभियान व्यय	2751450.28	2615722.79
सीजीएसटी	1022115.37	820372.45	सोफ्टवेयर / आईटी व्यय	599915.00	621672.00
आईजीएसटी	3479121.18	3539328.50	पेपरएक्स व्यय	0.00	141942.00
आपूर्तिकर्ता को अग्रिम	0.00	48790.00	एनएबीएल व्यय	274811.00	86376.00
एलटीसी वसूली	0.00	13943.00	योगदान करने वाली एजेंसी को अनुदान	1160000.00	3770000.00
प्रकाशन की बिक्री	0.00	10000.00	मानदेय	65000.00	190000.00
सामान्य अग्रिम वसूली	15265.00	270678.00	राष्ट्रीय उत्सव	52172.00	47973.00
टी.ए. अग्रिम वसूली	1040.00	2080.00	वृक्षारोपण और बागवानी	152170.00	415503.00
पुराने स्कैप पेपर की बिक्री	162625.00	29846.00	विद्युत उपभोज्य	941910.00	555421.00
वसूली योग्य राशि	0.00	4142.00	परामर्श शुल्क का भुगतान	51000.00	3127200.00
प्रदर्शन गारंटी	33696.00	780746.00	**प्रगति मे स्थिर परिसंपतियों/ पुंजीगत कार्य द्वारा**	23494322.66	29611024.20
वेतन कर्मचारियों से प्राप्त सुरक्षा	291000.00	0.00	अन्य भुगतान		
			टी.डी. एस पार्टी	234197.00	147567.00
			टी.डी. एस जीएसटी	288702.00	74770.68
			एसजीएसटी	977573.50	838372.00
			सीजीएसटी	977573.50	838372.00
			आईजीएसटी	3425328.00	4053283.00
			खर्च के लिये कर्मचारियों को अग्रिम	65000.00	34500.00
			आपूर्तिकर्ता को अग्रिम	0.00	142220.00
			अनुदान की वापसी	708495.00	14641946.00
			एफआरआई को अनुदान अग्रेषित	6966875.00	8000000.00
			आयकर ईसीपीएफ ट्रस्ट	0.00	40.00
			बयाना राशि प्राप्त	0.00	283816.00
			स्वीप पर प्राप्त ब्याज का भुगतान डीपीपीआईटी को किया	5820918.00	0.00
			समापन शेष		
			चालू बैंक खाते का शेष	14863374.03	11697068.25
			जमा खाते से (एलसी के खिलाफ मार्जन धन)	2137995.00	2137995.00
			जमा खाता	45025759.66	64166356.66
	211630338.14	**252036403.47**	**योग**	**211630338.14**	**252036403.47**

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते **पी.एस. सेठ एण्ड क०**
सनदी लेखाकार

(सीए राकेश गुप्ता)
एम.कॉम. एलएलबी, एफसीए, डीआईएसए
म.न. 402349
स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 16-09-2025

कृते **केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान**

निदेशक

प्रमुख (वित्त एवं लेखा)

पी.एस.सेठी एण्ड क०.
सनदी लेखाकार

तीसरी मंज़िल, होटल जेएस पर्ल के पास
मेफेयर बिजनेस पार्क, माजरा देहरादून
फोन 91-9837562985

केन्द्रीय लुग्दी, एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

वाणिज्य, एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सवंर्धन, एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत, एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू०पी०)

तुलन-पत्र 31.03.2025

राशी (रूपये में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष 2024-25	विगत वर्ष 2023-24
पूंजीगत निधि व देयतायें			
पूंजीगत निधि	1	144541289.82	143267323.16
अनुप्रयुक्त प्रायोजित परियोजना व परामर्शी	2	1124.25	1124.25
अनुप्रयुक्त अनुदान	3	22261774.96	36350792.96
चालू देयतायें एवं प्रावधान	4	52825635.52	50996679.54
योग		**219629824.55**	**230615919.91**
परिसम्पत्तियाँ			
स्थायी सम्पत्तियाँ	5	114145435.71	105900130.71
चालू सम्पत्तियाँ ऋण, अग्रिम आदि	6	105484388.84	124715789.20
योग		**219629824.55**	**230615919.91**

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते **पी.एस. सेठ एण्ड क०**
सनदी लेखाकार

(सीए राकेश गुप्ता)
एम.कॉम. एलएलबी, एफसीए, डीआईएसए
म.न. 402349

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 16-09-2025

कृते **केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान**

निदेशक

प्रमुख (वित्त एवं लेखा)

पी.एस.सेठी एण्ड क०.
सनदी लेखाकार

तीसरी मंज़िल, होटल जेएस पर्ल के पास
मेफेयर बिजनेस पार्क, माजरा देहरादून
फोन 91-9837562985

केन्द्रीय लुग्दी, एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

वाणिज्य, एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सवंर्धन, एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत, एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)

31.03.2025 को समाप्त वर्ष का आय एवं व्यय लेखा

राशी (रूपये में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
		2024-25	2023-24
(क) आय			
संस्थागत व परामर्शी शुल्क से आय	7	28626772.64	31764109.58
भारत सरकार से अनुदान	8	74840015.00	82552564.00
शुल्क/चन्दा	9	570000.00	339500.00
अर्जित ब्याज	10	4425068.00	4504360.00
अन्य आय	11	623592.59	784917.06
शेष सामग्री-स्टोर स्पेयर्स एण्ड स्टेशनरी		2928948.36	3747592.81
योग (क)		**112014396.59**	**123693043.45**
(ख) व्यय			
आरम्भिक स्टॉक		3747592.81	2867873.28
संस्थापन व्यय	12	56801384.00	56240827.00
प्रशासनिक व्यय आदि	13	58243668.12	59332049.67
चालू वर्ष का ह्रास	5	15556418.00	13725610.00
योग (ख)		**134349062.93**	**132166359.95**
आय पर व्यय का आधिक्य (ख-क)		22334666.34	8473316.50
व्यय पर आय का आधिक्य (क-ख)		0.00	0.00

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते **पी.एस. सेठ एण्ड क०**
सनदी लेखाकार

(सीए राकेश गुप्ता)
एम.कॉम. एलएलबी, एफसीए, डीआईएसए
म.न. 402349

कृते **केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान**

निदेशक

प्रमुख (वित्त एवं लेखा)

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 16-09-2025

पी.एस.सेठी एण्ड क०.
सनदी लेखाकार

तीसरी मंज़िल, होटल जेएस पर्ल के पास
मेफेयर बिजनेस पार्क, माजरा देहरादून
फोन 91-9837562985

केन्द्रीय लुग्दी, एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

वाणिज्य, एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सवंर्धन, एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत, एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)

31.03.2025 को तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूचि : 1 पूंजीगत निधि

विवरण	चालू वर्ष 2024-25		विगत वर्ष 2023-24	
पूंजीगत निधि				
वर्ष आरम्भ में शेष	143267323.16		124059379.66	
जोड़ा : 1:				
उपकर परियोजना (पूंजीगत उद्देश्य)	8570029.00		8858742.00	
योजना परियोजना (पूंजीगत उद्देश्य)	15038604.00		18822518.00	
	166875956.16		151740639.66	
घटाया:-				
आय-व्यय खाते मे हस्तांतरित				
सकल व्यय का अवशेष	22334666.34	144541289.82	8473316.50	143267323.16
वर्ष की समाप्ति पर अवशेष		**144541289.82**		**143267323.16**

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते **पी.एस. सेठ एण्ड क०**
सनदी लेखाकार

(सीए राकेश गुप्ता)
एम.कॉम. एलएलबी, एफसीए, डीआईएसए
म.न. 402349

कृते **केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान**

निदेशक

प्रमुख (वित्त एवं लेखा)

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 16-09-2025

पी.एस.सेठी एण्ड क०.
सनदी लेखाकार

तीसरी मंज़िल, होटल जेएस पर्ल के पास
मेफेयर बिजनेस पार्क, माजरा देहरादून
फोन 91-9837562985

केन्द्रीय लुग्दी, एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

वाणिज्य, एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सवंर्धन, एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत, एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)

31.03.2025 को तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची : 2 'प्रायोजित परियोजना/परामर्श सेवाओं की अप्रयुक्त राशि का विवरण'

क्र.सं.	परियोजना का नाम	चालू वर्ष 2024-25	विगत वर्ष 2023-24
1	डी.बी.टी.-प्रक्रिया में प्रौद्योगिकीय सुधार	1124.25	1124.25
		1124.25	**1124.25**

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते **पी.एस. सेठ एण्ड क०**
सनदी लेखाकार

(सीए राकेश गुप्ता)
एम.कॉम. एलएलबी, एफसीए, डीआईएसए
म.न. 402349

कृते **केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान**

निदेशक

प्रमुख (वित्त एवं लेखा)

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 16-09-2025

पी.एस.सेठी एण्ड क०.
सनदी लेखाकार

तीसरी मंज़िल, होटल जेएस पर्ल के पास
मेफेयर बिजनेस पार्क, माजरा देहरादून
फोन 91-9837562985

केन्द्रीय लुग्दी, एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

वाणिज्य, एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सवंर्धन, एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत, एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू०पी०)

31.03.2025 को तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची : 3 अप्रयुक्त अनुदान का विवरण

विवरण	शेष	वर्ष 2024-25 के दौरान प्राप्त एवं उपयोग की गई अनुदान राशि							उपयोग न किया गया अनशेष	
	1/4/2024	प्राप्त	लौटाई गई	सीपीपीआरआई	सीपीपीआरआई	अनुदान	कुल निधि	प्रयुक्त	31.3.25	31.3.24
	राशि	राशि	राशि	(आईआरजी) से अग्रिम	(आईआरजी) को अग्रिम वापिस	अग्रेशित	राशि	राशि	राशि	राशि
योजना अनुदान	531013.00	26000000.00	531013.00	73000.00	0.00	6966875.00	19106125.00	19104631.00	1494.00	531013.00
योजना (पूंजी) खाता	177482.00	15000000.00	177482.00	39000.00	0.00	0.00	15039000.00	15038604.00	396.00	177482.00
आधार स्तरीय सहायता (गैर योजना)	30802.00	48000000.00	0.00	19000.00	100000.00	0.00	47949802.00	47949776.00	26.00	30802.00
स्वच्छ कार्य योजना	4153.00	3000000.00	0.00	14000.00	10000.00	0.00	3008153.00	3007469.00	684.00	4153.00
उपकर द्वारा वित्त पोषित योजना										
आईटीएस-एचएस वर्गीकरण का एक समीक्षा अध्ययन	739559.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	739559.00	0.00	739559.00	739559.00
विविध के लिए जीवाणु सेलुलोज उत्पादन	1446004.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1446004.00	0.00	1446004.00	1446004.00
लुग्दी एवं कागज उद्योग के तकनीकी क्रमियो के लिए सतत शिक्षा	4359873.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4359873.00	3782476.00	577397.00	4359873.00
ओजोन उपचार प्रोद्योगिकी का प्रदर्शन	434788.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	434788.00	0.00	434788.00	434788.00
सुधार के लिए जैव बहुलक दृष्टिकोण	12668691.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	12668691.00	0.00	12668691.00	12668691.00
पेपर मिलों से उपचारित बहि:स्राव का भूमि आवेदन	715249.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	715249.00	579296.00	135953.00	715249.00
वैकल्पिक ऑटो-कास्टिकाइजेशन पर अध्ययन	7910835.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7910835.00	6841018.00	1069817.00	7910835.00
कृषि अवशेषों के परिसीमन पर अध्ययन	436554.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	436554.00	0.00	436554.00	436554.00
खाद्य पैकेजिंग कागज के लिए परीक्षण सुविधाओं का निर्माण	285240.96	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	285240.96	0.00	285240.96	285240.96
भारतीय कागज उद्योग का जनगणना सर्वेक्षण	1361994.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1361994.00	0.00	1361994.00	1361994.00
लुगदी और कागज़ मिल के उपचार के लिए असिनर्जिस्टिक और किफायती दृष्टिकोण	773374.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	773374.00	0.00	773374.00	773374.00
विकास परिषद के कोर सचिवालय	1039852.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1039852.00	586086.00	453766.00	1039852.00
संगठन प्रसार	225329.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	225329.00	27140.00	198189.00	225329.00
पूर्व व्यवहार्यता के लिये वित्तीय सहायता	1600000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1600000.00	179025.00	1420975.00	1600000.00
उपचार के लिये प्रकिया का विस्तार	1610000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1610000.00	1353127.00	256873.00	1610000.00
योग =	36350792.96	92000000.00	708495.00	145000.00	110000.00	6966875.00	120710422.96	98448648.00	22261774.96	36350792.96

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते **पी.एस. सेठ एण्ड क०**
सनदी लेखाकार

(सीए राकेश गुप्ता)
एम.कॉम. एलएलबी, एफसीए, डीआईएसए
म.न. 402349

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 16-09-2025

कृते **केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान**

निदेशक

प्रमुख (वित्त एवं लेखा)

पी.एस.सेठी एण्ड क०.
सनदी लेखाकार

तीसरी मंज़िल, होटल जेएस पर्ल के पास
मेफेयर बिजनेस पार्क, माजरा देहरादून
फोन 91-9837562985

केन्द्रीय लुग्दी, एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

वाणिज्य, एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सवंर्धन, एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत, एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)

31.03.2025 को तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची : 4 चालू दायित्व एवं प्रावधान

क्र.स.	विवरण	चालू वर्ष 2024-25		विगत वर्ष 2023-24	
क.	**चालू दायित्व एवं प्रावधान**				
	चालू दायित्व				
	अन्य देनदारियाँ				
1	प्राप्त धारण राशि	32792.00		32792.00	
2	ठेकेदार से प्राप्त सिक्योरिटी	20652.00		20652.00	
3	प्राप्त ब्याना राशि	93900.00		93900.00	
4	सेवाओं से प्राप्त अग्रिम राशि	214855.00		214855.00	
5	छात्रों से प्राप्त सिक्योरिटी	33000.00		33000.00	
6	कर्मचारियों से प्राप्त सिक्योरिटी	20000.00		20000.00	
7	एस-जी-एस-टी	124952.97		68266.97	
8	सी-जी-एस-टी	124952.97		68266.97	
9	आई-जी-एस-टी	106774.34		420749.96	
10	कर्मचारियों को देयराशि	672.00		672.00	
11	वेतन कर्मचारियों से प्राप्त सुरक्षा	291000.00	1063551.28	0.00	973154.90
	योग (क)		**1063551.28**		**973154.90**
ख.	**प्रावधान**				
1	भुगतान योग्य व्यय	25975.00		25975.00	
2	ग्रेच्युटी व छुट्टी नकदीकरण का प्रावधान	50564594.00		48649583.00	
3	प्रदर्शन बैंक गारंटी	845759.00		812063.00	
4	फेलोशिप भुगतान	13000.00		13000.00	
5	आयकर (टी.डी.,स) देय	88563.00		234197.00	
6	जी.एस.टी (टी.डी.,स) देय	224193.24	51762084.24	288706.64	50023524.64
	योग (ख)		**51762084.24**		50023524.64
	योग (क+ख)		**52825635.52**		**50996679.54**

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते **पी.एस. सेठ एण्ड क०**
सनदी लेखाकार

(सीए राकेश गुप्ता)
एम.कॉम. एलएलबी, एफसीए, डीआईएसए
म.न. 402349

कृते **केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान**

निदेशक

प्रमुख (वित्त एवं लेखा)

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 16-09-2025

पी.एस.सेठी एण्ड क०.
सनदी लेखाकार

तीसरी मंज़िल, होटल जेएस पर्ल के पास
मेफेयर बिजनेस पार्क, माजरा देहरादून
फोन 91-9837562985

केन्द्रीय लुग्दी, एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

वाणिज्य, एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्धन, एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत, एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू०पी०)

31.03.2025 को तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची : 5 स्थायी सम्पत्तियाँ

क्र. स.	विवरण	ग्रॉस ब्लॉक			वर्ष के दौरान परिवर्धित		वर्ष के दौरान बिक्री	वर्ष के अन्त में लागत	ह्रास का %	2024-25 के अन्त में ह्रास	नैट ब्लॉक	
		1.4.2024 को कुल लागत	31.3.2024 को कुल ह्रास	1.4.2024 को नैट वैल्यू	प्रथम छमाही	द्वितीय छमाही					31.03.2025 के अन्त में	31.03.2024 के अन्त में
	(क) स्थायी सम्पतियाँ											
1	भूमि	16872204.10	0.00	16872204.10			0.00	16872204.10	0:	0.00	16872204.10	16872204.10
2	भूमि सौन्दर्यीकरण	487684.45	0.00	487684.45			0.00	487684.45	0:	0.00	487684.45	487684.45
3	भवन	116372547.34	109657436.96	6715110.38			0.00	6715110.38	10:	671511.00	6043599.38	6715110.38
4	कार्यालय उपकरण	18989236.86	14124044.90	4865191.96	64464.00	1359856.00	0.00	6289511.96	10:	560958.00	5728553.96	4865191.96
5	फर्नीचर व फिक्सचर्स	10456925.38	7957076.31	2499849.07	12000.00	480299.00	0.00	2992148.07	10:	275200.00	2716948.07	2499849.07
6	हॉस्टल फर्नीचर	408288.06	401374.81	6913.25			0.00	6913.25	10:	691.00	6222.25	6913.25
7	वाहन	5123813.84	2847611.00	2276202.84			0.00	2276202.84	15:	341430.00	1934772.84	2276202.84
8	संयंत्र एवं मशीनरी	330946710.41	269355056.47	61591653.94	161893.00	19572923.00	0.00	81326469.94	15:	10731001.00	70595468.94	61591653.94
9	एच.एन.एल. में संयंत्र एवं मशीनरी	5800000.00	5773522.29	26477.71			0.00	26477.71	15:	3972.00	22505.71	26477.71
10	एन.सी.बी.एम. में उपकरण	500000.00	494589.14	5410.86			0.00	5410.86	15:	812.00	4598.86	5410.86
11	कार्याशाला उपकरण	536385.07	516739.11	19645.96			0.00	19645.96	15:	2947.00	16698.96	19645.96
12	यंत्र	211032.13	210843.69	188.44			0.00	188.44	15:	28.00	160.44	188.44
13	डी.जी. सैट	2094916.68	2077914.99	17001.69			0.00	17001.69	15:	2550.00	14451.69	17001.69
14	वातानूकूलक व कूलर आदि	7264433.72	6063180.86	1201252.86	188000.00	501664.00	0.00	1890916.86	15:	246013.00	1644903.86	1201252.86
15	विद्युत सामग्री व उपकरण	5223422.59	3439079.78	1784342.81			0.00	1784342.81	15:	267651.00	1516691.81	1784342.81
16	पुस्तकें व सामायिकी	11265903.27	11046132.85	219770.42	12015.00	100075.00	0.00	331860.42	40:	112729.00	219131.42	219770.42
17	कम्प्यूटर	24645179.89	21218823.94	3426355.95	117265.00	1171934.00	0.00	4715554.95	40:	1651835.00	3063719.95	3426355.95
18	जारी पूंजीगत कार्य	965125.00	0.00	965125.00			0.00	965125.00	0:	0.00	965125.00	965125.00
19	गैस्ट हाऊस उपकरण	281206.00	49836.80	231369.20			0.00	231369.20	10:	23137.00	208232.20	231369.20
20	बागवानी उपकरण (ट्रैक्टर)	1204003.00	320089.00	883914.00	24380.00	0.00	0.00	908294.00	15:	136244.00	772050.00	883914.00
21	ट्वूबबैल	1298684.00	643018.18	655665.82			0.00	655665.82	10:	65567.00	590098.82	655665.82
22	सोफ्टवेयर	1436000.00	287200.00	1148800.00			0.00	1148800.00	40:	459520.00	689280.00	1148800.00
23	छात्रावास उपकरण	0.00	0.00	0.00		34955.00	0.00	34955.00	15:	2622.00	32333.00	0.00
	चालू वर्ष का योग	**562383701.79**	**456483571.08**	**105900130.71**	**580017.00**	**23221706.00**	**0.00**	129701853.71		15556418.00	114145435.71	105900130.71
	विगत वर्ष का योग	532394905.79	442757961.08	89636944.71	5546746.00	24442050.00	0.00	**119625740.71**		**13725610.00**	**105900130.71**	**89636944.71**

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते **पी.एस. सेठ एण्ड क०**
सनदी लेखाकार

(सीए राकेश गुप्ता)
एम.कॉम. एलएलबी, एफसीए, डीआईएसए
म.न. 402349

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 16-09-2025

कृते **केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान**

निदेशक

प्रमुख (वित्त एवं लेखा)

पी.एस.सेठी एण्ड क०.
सनदी लेखाकार

तीसरी मंज़िल, होटल जेएस पर्ल के पास
मेफेयर बिजनेस पार्क, माजरा देहरादून
फोन 91-9837562985

केन्द्रीय लुग्दी, एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

वाणिज्य, एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सवंर्धन, एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत, एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)

31.03.2025 को तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची : 6 चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण व अग्रिम आदि

क्र.स.	विवरण	चालू वर्ष 2024-25		विगत वर्ष 2023-24	
	(क) चालू परिसम्पतियाँ:				
1.	सूची:				
क	भंडार व स्पेयर्स	2302287.90		2966098.79	
ख	लेखन सामग्री व प्रकीर्ण भण्डार	626660.46	2928948.36	781494.02	3747592.81
2.	**अवशेष बैंक में (अनुसूचित बैंक में)**				
क	चालू खाते में		14863374.03		11697068.25
ख	जमा खाता (मार्जन मनी - एल.सी.)		2137995.00		2137995.00
ग	एफडीआर बैंक गारंटी यूपीनेडा	0.00		114794.00	
घ	**जमाखातों पर एस.डी.आर.**	45025759.66	45025759.66	64051562.66	64166356.66
	(ख) ऋण अग्रिम व अन्य परिसम्पतियाँ				
1.	ब्याज वाले अ्रमि				
क	**भवन निर्माण हेतू अग्रिम**	0.00		580800.00	
ख	कम्प्यूटर हेतू अग्रिम	25955.00		50955.00	
ग	अग्रिम से अर्जित ब्याज	24225.00	50180.00	410339.00	1042094.00
2.	ब्याज/वस्तु के रूप मे वापसी योग्य अग्रिम व अन्य राशियां				
	अग्रिम				
क	मशीनरी व अन्य कार्यों की खरीद	10261019.94		10858800.94	
ख	डीबीटी को बायो-बीएल परियोजना हेतू अग्रिम	50.00		50.00	
ग	यूपीआरएनएन को अग्रिम	350000.00	10611069.94	350000.00	11208850.94
3.	नगदी/वस्तु के रूप मे वापसी योग्य राशियां				
क	टी.डी.एस.	13032358.43		11261112.42	
ख	शिक्षा उपकर -सेन्वेटाविलमेंट	1334.00		1334.00	
ग	उच्च शिक्षा उपकर -सेन्वेटाविलमेंट	290.00		290.00	
घ	के.के. उपकर- सेन्वेटाविलमेंट	4999.00		4999.00	
ड	विविध देनदार	10657694.17		13327918.17	
च	सीपीसीबी के यंत्र व संयंत्र	2694541.00		2694541.00	
छ	प्रयोगशाला उपकरण - आईपीएमए/विकास परिषद्	1350682.00		1350682.00	
ज	बयाना राशि जमा	50.00		50.00	
झ	एनपीसी	706.75		706.75	
ञ	इमप्रेस्ट	0.00		27418.70	
ट	सीपीपीआरआई स्टाफ के लिए अग्रिम	64061.50		21434.50	
ठ	जमा सिक्योरिटी	1849206.00		1849206.00	
ड	ओ. वाई. टी. योजना के दूरभाष	39139.00		39139.00	
ढ	डीसीपीपीएआई	27000.00	29722061.85	27000.00	30605831.54
4.	पीबीएस योजना/ डीसीपीपीएआई परियोजना को अग्रिम भुगतान		145000.00		110000.00
	योग		**105484388.84**		**124715789.20**

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते **पी.एस. सेठ एण्ड क०**
सनदी लेखाकार

(सीए राकेश गुप्ता)
एम.कॉम. एलएलबी, एफसीए, डीआईएसए
म.न. 402349

कृते **केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान**

निदेशक

प्रमुख (वित्त एवं लेखा)

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 16-09-2025

पी.एस.सेठी एण्ड क०.
सनदी लेखाकार

तीसरी मंज़िल, होटल जेएस पर्ल के पास
मेफेयर बिजनेस पार्क, माजरा देहरादून
फोन 91-9837562985

केन्द्रीय लुग्दी, एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

वाणिज्य, एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सवंर्धन, एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत, एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)

31.03.2025 को तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूचि : 7 संस्थागत व परामर्शी शुल्क से आय

क्र.सं.	विवरण	चालू वर्ष 2024-25	विगत वर्ष 2023-24
1	परीक्षण शुल्क	18578810.64	19532964.58
2	परामर्श शुल्क	9704162.00	10879645.00
3	पुस्तकालय शुल्क	21000.00	68000.00
4	एम.एस.सी. पाठ्यक्रम शुल्क	300000.00	1283500.00
5	अन्य जीवित पौधे	22800.00	0.00
	योग	**28626772.64**	**31764109.58**

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते **पी.एस. सेठ एण्ड क०**
सनदी लेखाकार

(सीए राकेश गुप्ता)
एम.कॉम. एलएलबी, एफसीए, डीआईएसए
म.न. 402349

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 16-09-2025

कृते **केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान**

निदेशक

प्रमुख (वित्त एवं लेखा)

पी.एस.सेठी एण्ड क०.
सनदी लेखाकार

तीसरी मंज़िल, होटल जेएस पर्ल के पास
मेफेयर बिजनेस पार्क, माजरा देहरादून
फोन 91-9837562985

केन्द्रीय लुग्दी, एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

वाणिज्य, एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सवंर्धन, एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत, एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)

31.03.2025 को तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूचि : 8 भारत सरकार से प्राप्त अनुदान

क्र.स.	विवरण	चालू वर्ष 2024-25	विगत वर्ष 2023-24
1 अ	भारत सरकार - योजना	19104631.00	15410154.00
ब	स्वच्छता कार्य योजना	3007469.00	2305847.00
2 अ	विकास परिषद् के माध्यम से विकास परिषद् फॉर पल्प पेपर एंड एलाइड इण्डस्ट्री- गैर योजना	47949776.00	53761544.00
ब	कोर सचिवालय फॉर विकास परिषद् फॉर पल्प पेपर एंड एंलाइड इण्डस्ट्री	586086.00	952977.00
3	भारत सरकार विकास परिषद् फॉर पल्प पेपर एंड एलाइड इण्डस्ट्री के माध्यम से उपकर वित्त प्रोषित परियोजना		
क	तकनीकी कार्मिकों के लिए सतत: शिक्षा परिक्षण	877947.00	1621916.00
ख	भारतीय लुग्दी एवं काज उद्योग के लिए सांख्यकीय आंकडों के संग्रहण इकाई	0.00	1415846.00
ग	बयोपोलिमरिक के दृष्टिकोण सुधार के लिए	0.00	510055.00
घ	कृषि अवशेषो के परिसीमन पर अध्ययन	0.00	833210.00
ड़	लुगदी और कागज क्षेत्र में विविध अनुप्रयोगों के लिये बैक्टीरियल सेल्युलोज उत्पादन	0.00	782617.00
च	पेपर मिलों से उपचारित अपशिष्ट का भूमि आवेदन और मिट्टी और भूजल गुणों पर इसके प्रभाव	485296.00	3198084.00
छ	पारंपरिक और गैर- पारंपरिक रासायनिक पुनर्प्राप्ति प्रणालियों के लिये वैकल्पिक ऑटो-कास्टिकीकरण	1269518.00	385643.00
ज	संगठन प्रसार	27140.00	274671.00
झ	पूर्व व्यवहार्यता के लिये वित्तीय सहायता	179025.00	1100000.00
ञ	उपचार के लिये प्रकिया का विस्तार	1353127.00	0
	योग	**74840015.00**	**82552564.00**

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते **पी.एस. सेठ एण्ड क०**
सनदी लेखाकार

(सीए राकेश गुप्ता)
एम.कॉम. एलएलबी, एफसीए, डीआईएसए
म.न. 402349

कृते **केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान**

निदेशक

प्रमुख (वित्त एवं लेखा)

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 16-09-2025

पी.एस.सेठी एण्ड क०.
सनदी लेखाकार

तीसरी मंज़िल, होटल जेएस पर्ल के पास
मेफेयर बिजनेस पार्क, माजरा देहरादून
फोन 91-9837562985

केन्द्रीय लुग्दी, एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

वाणिज्य, एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सवंर्धन, एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत, एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)

31.03.2025 को तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूचि : 9 शुल्क / चन्दा

क्र.स.	विवरण	चालू वर्ष 2024-25	विगत वर्ष 2023-24
1	सदस्यता शुल्क	42500.00	65500.00
2	प्रशिक्षण शुल्क	527500.00	274000.00
	योग	**570000.00**	**339500.00**

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते **पी.एस. सेठ एण्ड क०**
सनदी लेखाकार

(सीए राकेश गुप्ता)
एम.कॉम. एलएलबी, एफसीए, डीआईएसए
म.न. 402349

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 16-09-2025

कृते **केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान**

निदेशक

प्रमुख (वित्त एवं लेखा)

पी.एस.सेठी एण्ड क०.
सनदी लेखाकार

तीसरी मंज़िल, होटल जेएस पर्ल के पास
मेफेयर बिजनेस पार्क, माजरा देहरादून
फोन 91-9837562985

केन्द्रीय लुग्दी, एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

वाणिज्य, एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सवंर्धन, एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत, एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)

31.03.2025 को तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूचि : 10 अर्जित ब्याज

क्र.स.	विवरण	चालू वर्ष 2024-25	विगत वर्ष 2023-24
	अर्जित ब्याज		
1	अनुसूचित बैंक में सावधि जमा पर	4421034.00	4444931.00
2	कर्मचारियों को दिए गए ऋण से	4034.00	59429.00
	योग	**4425068.00**	**4504360.00**

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते **पी.एस. सेठ एण्ड क०**
सनदी लेखाकार

(सीए राकेश गुप्ता)
एम.कॉम. एलएलबी, एफसीए, डीआईएसए
म.न. 402349

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 16-09-2025

कृते **केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान**

निदेशक

प्रमुख (वित्त एवं लेखा)

पी.एस.सेठी एण्ड क०.
सनदी लेखाकार

तीसरी मंज़िल, होटल जेएस पर्ल के पास
मेफेयर बिजनेस पार्क, माजरा देहरादून
फोन 91-9837562985

केन्द्रीय लुग्दी, एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

वाणिज्य, एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सवंर्धन, एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत, एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)

31.03.2025 को तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूचि : 11 अन्य आय

क्र.स.	विवरण	चालू वर्ष 2024-25	विगत वर्ष 2023-24
	अन्य आय		
1	हॉस्टल किराया	48000.00	339750.00
2	पट्टा किराया	78125.00	62500.00
3	अनुज्ञप्ति शुल्क	245105.00	263360.00
4	प्रकीर्ण आय	89737.59	79461.06
5	प्रकाशन की बिक्री	0.00	10000.00
6	रद्दी कागज की बिक्री	162625.00	29846.00
	योग	**623592.59**	**784917.06**

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते **पी.एस. सेठ एण्ड क०**
सनदी लेखाकार

(सीए राकेश गुप्ता)
एम.कॉम. एलएलबी, एफसीए, डीआईएसए
म.न. 402349

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 16-09-2025

कृते **केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान**

निदेशक

प्रमुख (वित्त एवं लेखा)

पी.एस.सेठी एण्ड क०.
सनदी लेखाकार

तीसरी मंज़िल, होटल जेएस पर्ल के पास
मेफेयर बिजनेस पार्क, माजरा देहरादून
फोन 91-9837562985

केन्द्रीय लुग्दी, एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

वाणिज्य, एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सवंर्धन, एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत, एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)

31.03.2025 को तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूचि : 12 संस्थापक व्यय

क्र.स.	विवरण	चालू वर्ष 2024-25	विगत वर्ष 2023-24
	संस्थापन व्यय		
1	वेतन व भत्ते	48772131.00	44748314.00
2	अंशदायी भविष्य निधि में अंशदान	4331402.00	4168648.00
3	ग्रेच्युटी	1698134.00	4671420.00
4	अवकाश नकदीकरण	1590481.00	2260505.00
5	चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति	409236.00	391940.00
	योग	**56801384.00**	**56240827.00**

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते **पी.एस. सेठ एण्ड क०**
सनदी लेखाकार

(सीए राकेश गुप्ता)
एम.कॉम. एलएलबी, एफसीए, डीआईएसए
म.न. 402349

कृते **केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान**

निदेशक

प्रमुख (वित्त एवं लेखा)

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 16-09-2025

पी.एस.सेठी एण्ड क०.
सनदी लेखाकार

तीसरी मंज़िल, होटल जेएस पर्ल के पास
मेफेयर बिजनेस पार्क, माजरा देहरादून
फोन 91-9837562985

केन्द्रीय लुग्दी, एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

वाणिज्य, एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सवंर्धन, एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत, एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)

31.03.2025 को तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची : 13 प्रशासनिक व्यय आदि

क्र.स.	विवरण	चालू वर्ष 2024-25	विगत वर्ष 2023-24
	अन्य प्रशासनिक व्यय आदि		
1	प्रयोगशाला व संयंत्र अनुरक्षण	4801418.00	4812363.00
2	माल भाड़ा	274610.00	6960.00
3	विद्युत व जल	7747783.00	7834158.00
4	परिसम्पत्तियों की मरम्मत व अनुरक्षण	16965404.00	15765707.00
5	किराया व कर	1413448.00	1346144.00
6	डाक, दूरभाष व संचार	75978.00	106974.00
7	मुद्रण व लेखन सामग्री	842341.00	2026378.00
8	यात्रा व वाहन व्यय	1974815.00	3456671.00
9	कार्यशाला, सैमिनार व्यय	312415.00	457105.00
10	मेज़बानी व्यय	309927.00	301982.00
11	कानूनी व व्यवसायिक व्यय	258369.26	137449.00
12	समाचार पत्र	0.00	48453.00
13	प्रशिक्षण व्यय	307378.00	1115118.00
14	चौकीदारी व सुरक्षा	10021287.00	8277728.00
15	बैंक प्रभार	8077.86	7760.17
16	विज्ञापन	107030.00	701457.00
17	परीक्षण शुल्क व्यय	41300.00	4400.00
18	विभागीय वाहन अनुरक्षण	684192.00	987575.00
19	हिन्दी दिवस पर खर्च	19969.00	66922.00
20	स्वच्छ भारत अभियान व्यय	2761583.00	2630323.00
21	साफ्टवेयर व्यय / आई टी व्यय	745854.00	725408.00
22	पेपरएक्स व्यय	9735.00	269854.00
23	एनएबीएल व्यय	316554.00	137263.50
24	सहायता राशि का व्यय	1160000.00	3770000.00
25	मानदेय के लिए	65000.00	190000.00
26	राष्ट्रीय त्यौहार	52172.00	47973.00
27	उद्यान और बागवानी के लिए व्यय	152170.00	415503.00
28	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	1030.00	0.00
29	विद्युत उपभोज्य	941910.00	555421.00
30	परामर्श शुल्क का भुगतान	51000.00	3129000.00
31	स्वीप पर प्राप्त ब्याज का भुगतान डीपीपीआईटी को किया	5820918.00	0.00
	योग	**58243668.12**	**59332049.67**

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते **पी.एस. सेठ एण्ड क०**
सनदी लेखाकार

(सीए राकेश गुप्ता)
एम.कॉम. एलएलबी, एफसीए, डीआईएसए
म.न. 402349

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 16-09-2025

कृते **केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान**

निदेशक

प्रमुख (वित्त एवं लेखा)

पी.एस.सेठी एण्ड क०.
सनदी लेखाकार

तीसरी मंज़िल, होटल जेएस पर्ल के पास
मेफेयर बिजनेस पार्क, माजरा देहरादून
फोन 91–9837562985

केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सवंर्द्धन एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स – 174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)

परिशिष्ठ

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ तथा लेखा टिप्पणियाँ

अवलोकन

केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान भारत सरकार की अधिसूचना गजट दिनांक 7–08–1979 के द्वारा सोसाइटीज़ एक्ट में पंजीकृत एक स्वायत्तशासी संगठन है जो वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य कर रहा है।

वित्तीय लेखा

वित्तीय विवरण पत्र ऐतिहासिक मूल्य परम्परा के आधार पर तैयार किए गए हैं तथा इनके बनाने में प्रयुक्त लेखा करण नीतियाँ भारत में स्वीकृत लेखाकरण नीतियों के अनुसार है। संस्थान लेखाकरण की सम्भूति विधि को अपनाता है।

(अ) महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

1– राजस्व मान्यता

1–1 परीक्षण शुल्क को सम्भूति आधार पर दर्ज किया गया है।

1–2 पट्‌टा किराया को सम्भूति आधार पर दर्ज किया गया है।

1–3 सरकारी अनुदान, संस्थागत शुल्क, प्रायोजित परियोजना, सदस्यता शुल्क, प्रशिक्षण व पंजीकरण शुल्क को प्राप्ति आधार पर दर्ज किया गया है।

2– **इनवेन्ट्री का मूल्यांकनः** इनवेन्ट्री में स्टोर्स व स्पेयर्स का मूल्यांकन लागत पर किया गया है।

3– **स्थायी परिसम्पत्तियाँः** स्थायी परिसम्पत्तियों की कीमत को ह्रास घटाकर दर्शाया गया है।

4– **ह्रासः** ह्रास आयकर अधिनियम 1961 में परिभाषित दरों के अनुसार 'रिटन डाउन वैल्यू' विधि पर दिया गया है।

5– **सरकारी अनुदानः**

प्राप्त सरकारी अनुदान जो पूंजीगत व्यय हेतु उपयोग किया गया, को पूंज़ीत निधि में जोड़ा जा रहा है तथा जो राजस्व व्यय हेतु उपयोग किया गया उसे आय–व्यय खाते में आय के रूप में लिय़ा या है और उपयोग नहीं किए गए अनुदान को आगे ले जाया गया है। यह, लेखा मानकों (ए. एस.–12) के पैरा नं.–14 जो सरकारी अनुदान से सम्बन्धित है, के अनुसार नहीं है। संस्थान को इस सम्बन्ध में सम्बन्धित संगठनों/अभिकरणों से सलाहकार प्रतिपादित मार्गदर्शनों का पालन करने हेतु कहा गया है। संस्थान ने उत्तर में बताया कि अन्य संगठन/अभिकरण भी इस पैटर्न को अपना रहे हैं। इस बिन्दु पर सम्बन्धित अधिकारी द्वारा राष्ट्रीय वित्तीय प्रबन्धन संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान भी वार्ता की गयी थी।

6- **विदेशी मुद्रा का सम्पादन:** विदेशी मुद्रा का सम्पादन उस विनिमय दर पर किया गया जो दर इस भारतीय मुद्रा में सम्पादन की तिथि, को थी।

(ब) लेखा के भाग के रूप में टिप्पणियाँ

1- **संस्थान की गतिविधियो के सम्बन्ध में सूचना**

संस्थान लुग्दी एवं कागज़ उद्योग से सम्बन्धित अनुसंधान व अन्य वैज्ञानिक कार्यों के संवर्धन, प्रयोगशालाओं की स्थापना व अनुरक्षण, प्रायोगिक संयंत्र, कार्यशाला तथा कागज़ उद्योग पर पुस्तकों, लेख व समसामयकियों के सम्पादन, मुद्रण, प्रकाशन व प्रदर्शन इत्यादि के कार्यों में कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त संस्थान सरकारी संस्थानों एवं अन्य संगठनों से प्राप्त उपकर पोषित परियोजनाओं व प्रायोजित परियोजनाओं पर भी कार्य करता है।

2- **सेवानिवृति लाभ**

2-1 मृत्यु/सेवानिवृत्ति पर कर्मचारियों को भुगतान योग्य ग्रेच्युटी रू. 1698134.00 की राशि तथा छुट्टी नकदीकरण की राशि रू- 1590481.00 का प्रावधान वर्तमान वर्ष के लिए केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान सहारनपुर के अनुसार सम्भूति आधार पर खातों में दर्ज किया गया है।

3- **चालू सम्पतियात्रा, अग्रिम व ऋण**

प्रबन्धन का कथन है कि चालू सम्पत्तियों, ऋणों व अग्रिमों की, व्यवसाय के सामान्य स्तर पर वसूली के समय पूर्ण वैल्यू थी।

4- गत वर्ष के आँकड़ों को, जहाँ आवश्यक समझा गया वहाँ पुन: वर्गीकरण तथा पुनर्विन्यास कर दिया गया है।

5- 31-03-2025 को कुल लम्बित अग्रिम की राशि रू. 10611069.94 (स्टाफ को दिए अग्रिम की राशि को छोड़ते हुए) उपकरणों की आपूर्ति इत्यादि

6- तुलनपत्र की अनुसूची-1 के अनुसार पूंजीगत निधि यह दर्शाती है कि प्रायोजित परियोजना के अन्तर्गत रू. 23608633.00 की अनुदान की राशि पूंजीगत व्यय के रूप में खर्च की गई। जबकि स्थायी परिसम्पत्तियों से सम्बन्धित अनुसूची-5, रू. 23801723.00 का परिवर्धन दर्शाती है। रू. 193090.00 के पूंजीगत व्यय के आधिक्य के विषय में प्रबन्धन द्वारा यह बताया गया कि यह वर्तमान वर्ष में जारी पूंजीगत कार्यों, आपूर्तिकर्ताओं के बिलों व लेटर ऑफ क्रेडिट के समायोजन के कारण है।

7- प्रबन्धन ने यह पुष्टि की है कि

7-1 सभी ज्ञात आय, व्यय व देयताओं के प्रावधान कर दि गए है।

7-2 तुलन-पत्र की तिथि को कोई आकस्मिक देयता नहीं है।

7-3 तुलन-प= व लेखा परीक्षा की तिथित से कोई महत्वपूर्ण घटना नहीं घटित हुई है।

कृते केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान
प्रमुख (वित्त एवं लेखा) निदेशक

कृते पी. एस. सेठी एण्ड क0.
सनदी लेखाकार

(सी. राकेश गुप्ता)
एम.कॉम, एलएलबी, एफसीए, डीआईएस,
(एम.न0. 402349)

दिनांक : 16-09-2025
स्थान : सहारनपुर

कर्मचारियों की सूची

वैज्ञानिक स्टाफ

वैज्ञानिक – एफ

- डॉ. ए. के. दीक्षित, एम.एससी., पीएच.डी.

वैज्ञानिक – ई–II

- डॉ. प्रीति एस. लाल, एम.एससी.,पीएच.डी.
- श्रीमती अनुराधा वी. जनबादे, एम.एससी.
- डॉ. नितिन एंडले, एम.एससी., पीजीडीआईपीएम (औद्योगिक प्रदूषण प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा), पीएच.डी.
- डॉ. संजय त्यागी, एम.ई., पीएच.डी., मान्यता प्राप्त ऊर्जा परीक्षक
- श्री आलोक कुमार गोयल, एम.एससी., प्रमाणित ऊर्जा प्रबंधक

वैज्ञानिक – ई–I

श्री सत्य देव नेगी, एम.एससी., पीजीडीपीपीटी (लुग्दी एवं कागज़ प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा)

वैज्ञानिक – बी

- डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, एम.एससी., पीजीडीपीपीटी (लुग्दी एवं कागज प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा), पीएच.डी.
- मोहम्मद सालिम, एम.एससी.
- श्री कुमार अनुपम, एम.टेक.
- डॉ. शुभांग भारद्वाज, एम.टेक., पीएच.डी.
- डॉ. नितिन कुमार, एम.टेक., पीएच.डी.
- डॉ. जितेंद्र धीमान, एम.एससी., पीएच.डी.

वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (एस.एस.ए.)

- श्री अंकित कुमार, एम.एससी.(रसायन शास्त्र), नियुक्ति तिथि – १७ फरवरी, २०२५
- श्री गौरव गोस्वामी, एम.एससी. (रसायन शास्त्र), नियुक्ति तिथि – २१ फरवरी, २०२५
- श्री विक्रम सिंह,(बीएस–एमएस द्वि डिग्री), नियुक्ति तिथि – २१ फरवरी, २०२५
- श्री रॉबिन सिंह, एम.एससी. (रसायन शास्त्र) नियुक्ति तिथि –२५ फरवरी, २०२५
- श्री प्रद्युम्न सिंह, बी.टेक. (रासायनिक अभियांत्रिकी), नियुक्ति तिथि –२८ फरवरी, २०२५
- सुश्री इंदु, एम.एससी. (रसायन शास्त्र), नियुक्ति तिथि – ०५ मार्च, २०२५

- श्री राज चौरसिया, एम.एससी. (रसायन शास्त्र), नियुक्ति तिथि – ०५ मार्च, २०२५
- श्री शिवम यादव, एम.एससी. (रसायन शास्त्र), नियुक्ति तिथि – ०५ मार्च, २०२५
- श्री राजन कुमार कुजुर, बी.टेक., एम.टेक. (रासायनिक अभियांत्रिकी), नियुक्ति तिथि – ०६ मार्च, २०२५
- श्री सौम्य मोदक, एम.एससी. (रसायन शास्त्र), नियुक्ति तिथि – ०६ मार्च, २०२५
- श्री राकेश कुमार, बी.टेक., एम.टेक. (रासायनिक अभियांत्रिकी), नियुक्ति तिथि – ०७ मार्च, २०२५
- श्री अनुशिस पात्रा, एम.एससी. (रसायन शास्त्र), नियुक्ति तिथि – २० मार्च, २०२५
- श्री फारुख अली अंसारी, बी.टेक. (रासायनिक अभियांत्रिकी), नियुक्ति तिथि – २५ मार्च, २०२५
- श्री उत्कर्ष श्रीवास्तव, एम.एससी. (रसायन शास्त्र), नियुक्ति तिथि –२५ मार्च, २०२५

तकनीकी एवं सहयोगी स्टाफ

तकनीकी अधिकारी – ई-I

- श्री एन.के. नाइक, डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग (औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स)

तकनीकी अधिकारी – बी

- श्री पंकज कुमार गोले, बी.टेक. (विद्युत अभियांत्रिकी)

पुस्तकालय अधिकारी – बी

- श्रीमती सरिता शर्मा, एम.ए., एम.एल.आई.एस.सी.

तकनीकी ग्रेड – VI

- श्री दुष्यन्त कुमार (निधन – ०२/०४/२०२४)
- श्री गोपाल सिंह, एम.ए.

तकनीशियन ग्रेड – III

श्री अविनाश कुमार, बी.एससी. (रसायन शास्त्र ऑनर्स), नियुक्ति तिथि – २५ फरवरी, २०२५

श्री आदर्श कुमार राय, एम.एससी. (रसायन शास्त्र), बी.एड., नियुक्ति तिथि – २५ फरवरी, २०२५

श्री जतिन कसलीवाल, बी.एससी., नियुक्ति तिथि – ०३ मार्च, २०२५

तकनीशियन ग्रेड – II

श्री जयदीप चंद, इंटरमीडिएट, आईटीआई, एनएसी (इलेक्ट्रीशियन), नियुक्ति तिथि – १७ फरवरी, २०२५

श्री जयकरण, बी.ए., आईटीआई, सीआईटीएस एवं एनएसी (एसी एवं रेफ्रिजरेशन), नियुक्ति तिथि – १८ फरवरी, २०२५

- श्री आशीष चौरसिया, इंटरमीडिएट, आईटीआई, सीआईटीएस (फिटर) एवं एनएसी, नियुक्ति तिथि – १९ फरवरी, २०२५
- श्री दिवतेश अग्रवाल, इंटरमीडिएट, आईटीआई एवं सीआईटीएस (इलेक्ट्रीशियन) तथा आईटीआई (ड्रोन पायलट), नियुक्ति तिथि – २७ फरवरी, २०२५
- श्री अनिल कुमार पंडित, इंटरमीडिएट एवं आईटीआई (इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक), नियुक्ति तिथि – ०४ मार्च, २०२५
- सुश्री करिश्मा पाल, इंटरमीडिएट, आईटीआई एवं सीआईटीएस (फिटर) तथा एनएसी, नियुक्ति तिथि – २५ मार्च, २०२५

प्रशासनिक एवं वित्तीय स्टाफ

निदेशक

- डॉ. एम.के. गुप्ता, एम.एससी., पीएच.डी. (सेवानिवृत्त – ३१ मई, २०२४)
- डॉ. एल. पी. सिंह, एम.एससी., पीएच.डी निदेशक (१६ मई, २०२४ से २५ सितंबर, २०२४)
- डॉ. आशीष कुमार, एम.टेक. (पेपर टेक्नोलॉजी), पीएच.डी. (पेपर टेक्नोलॉजी), नियुक्ति तिथि – २६ सितंबर, २०२४

प्रशासनिक अधिकारी

- सुश्री बर्नाली शोम, बी.ई. (रासायनिक अभियांत्रिकी), जीडीएमएम (स्नातक डिप्लोमा इन मटेरियल मैनेजमेंट)

अनुभाग अधिकारी

- श्री के.वी.वी.के. सत्य साई, बी.कॉम., सी.ए. इंटर
- श्री अमित कुमार, बी.ई. (कंप्यूटर साइंस) एम.ए., नियुक्ति तिथि – ३१ जनवरी, २०२५
- श्री मोहन कुमार, एम.बी.ए. (एच.आर. एवं वित्त), नियुक्ति तिथि – ०५ फरवरी, २०२५

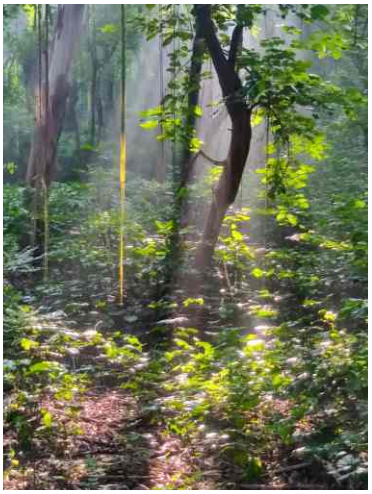

द्वारा प्रकाशित

केंद्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

सहारनपुर-247001

तकनीकी समीक्षा

डॉ. आशीष कुमार

संकलन एवं संपादन

डॉ. प्रीति शिवहरे लाल

श्री आलोक कुमार गोयल

श्रीमती सरिता शर्मा

डॉ. नितिन कुमार

डॉ. जितेंद्र धीमान

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें

निदेशक
केंद्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान
पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर - 247001
दूरभाषः (0132) 2714061, 2714062
वेबसाइटः www.cppri.res.in
ई-मेलः director.cppri@gmail.com